नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एक रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोयडा में एक मात्र स्थान
ई-33, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, गुरूवार 3 अप्रैल 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 92 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

14 दिन बाद साहिल को देखते ही रो पड़ी मुस्कान

● जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई मुलाकात,बढ़ी न्यायिक हिरासत

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ के सौरभ हत्याकांड में जेल में बंद साहिल और मुस्कान की बुधवार को 14 दिन बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के समय पेशी के दौरान पहली बार मुलाकात हुई। यह मुलाकात जेल के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में हुई, जहां कोर्ट में उनकी ऑनलाइन पेशी कराई गई। जैसे ही मुस्कान ने साहिल को देखा, वह भावुक हो गई और रो पड़ी। हालांकि जेल प्रशासन ने उन्हें एक-दूसरे से बात नहीं करने दी। साहिल और मुस्कान की न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में

पेश किया गया। पहले जज ने मुस्कान और फिर साहिल का नाम पुकारा और उनसे कुछ सवाल किए। इसके बाद अदालत ने दोनों की हिरासत की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी। पेशी खत्म होते ही मुस्कान को महिला बैरक और साहिल को पुरुष बैरक में वापस भेज दिया गया। मेरठ पुलिस ने सौरभ हत्याकांड में चार्जशीट लगभग तैयार कर ली है, जो अगले सप्ताह कोर्ट में पेश की जाएगी। पुलिस की केस डायरी में स्पष्ट किया गया है कि इस हत्याकांड की वजह तंत्र क्रिया नहीं बल्कि साहिल और मुस्कान का प्रेम संबंध था।

जयपुर ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकवादी गिरफ्तार

ईद मनाने रतलाम गया था,5 लाख का ईनामी है,एनआईए को भी थी तलाश

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल फरार आतंकी फिरोज खान को रतलाम पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आतंकवादी पर नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 5 लाख रुपए का इनाम रखा था। दरअसल, 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में 12 किलो आरडीएक्स के साथ तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें जुबेर पिता फकीर मोहम्मद, अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला थे। यह सभी जयपुर में सीरियल ब्लास्ट के लिए कार से आरडीएक्स ले जा रहे थे। इन्होंने साजिश में शामिल 11 आतंकियों के नाम बताए थे। फरार आतंकी फिरोज की तलाश के लिए पूर्व में कई बार एनआईए रतलाम में दबिश दे चुकी थी। मंगलवार (1 अप्रैल) रात को रतलाम एसपी अमित कुमार इनपुट मिला था कि फिरोज आनंद कॉलोनी में उसके घर आया है।

रिजिजू ने आंकड़ों से बताया वक्फ के पास कितनी संपति

● कहा-सेना, रेलवे नहीं, वक्फ बोर्ड के पास सबसे ज्यादा निजी संपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में कुल 97,27,772 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर ध्यानपूर्वक विचार किया है, चाहे वे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के माध्यम से हों या सीधे दिए गए ज्ञापन। इतिहास में पहले कभी किसी विधेयक को इतनी बड़ी संख्या में याचिकाएं नहीं मिली हैं। वक्फ की संपत्ति पर बोलते हुए रिजिजू ने कहा, वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों

करोड़ की संपत्ति है तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना की जमीन पब्लिक प्रॉपर्टी है, जिसका इस्तेमाल देश के लिए होता है। वह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। बता दें कि देश में वक्फ बोर्ड के पास रेलवे और सेना के बाद देश में तीसरी सबसे बड़ी संपत्ति है।

...तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों है

किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत में सबसे अधिक जमीन इंडियन रेलवे के पास है। इसके बाद डिफेंस और तीसरा नंबर वक्फ बोर्ड का आता है। मैं उसे सुधारना चाहता हूं। हजारों किलोमीटर रेलवे ने पटरी लगाया है। वो रेलवे की संपत्ति थोड़े है। देश की संपत्ति है। डिफेंस देश की रक्षा करता है उसकी संपत्ति देश की है। उसकी जमीन देश की है। वक्फ प्रॉपर्टी प्राइवेट प्रॉपटी होती है। दुनिया में सबसे अधिक वक्फ प्रॉपर्टी भारत में है। ऐसा क्यों है 60 साल तक आप सत्ता में रहे हैं, दुनिया की सबसे अधिक संपत्ति वक्फ के पास है तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों है। मुसलमानों की भलाई के लिए क्यों नहीं काम हुआ। विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस ने विधेयक के खिलाफ अपनी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें विधेयक की प्रति देर से प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें समीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया है और विपक्ष को इस पर चर्चा के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया। विधेयक पेश होने के बाद सदन में हंगामे की स्थिति देखी गई, क्योंकि विपक्षी सांसदों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। रिजिजू ने कहा- अगर हमने आज यह संशोधन बिल पेश नहीं किया होता, तो जिस इमारत में हम बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती तो कई अन्य संपत्तियां भी गैर-अधिसूचित हो गई होतीं।

भोपाल में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में जमकर आतिशबाजी

भोपाल। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा हो रही है। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए जहां बिल का समर्थन कर रहा है, वहीं कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इसके विरोध में हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में इस बिल के समर्थन में मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। आनंदपुरा और कोकता इलाके में बुर्का पहनी मुस्लिम महिलाएं

हाथों में गुलाब थामे थीं। वे 'थैंक्यू, मोदी जी' और 'वी सपोर्ट मोदी जी' लिखी तख्तियां लिए थीं। भोपाल के हथाई खेड़ा डैम के पास भी जश्न मनाया गया। विधायक मसूद ने कहा, एक बहुत बड़ी समस्या यह है कि कलेक्टर को जिम्मेदार बनाया जा रहा है। वही कलेक्टर जिसने हमारे कब्रिस्तानों को सरकारी घोषित किया हुआ है। हम इसके खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं। हमारे पास 1959 के 41 और 1947 के दस्तावेज हैं, जो यह साबित करते हैं कि यह वक्फ की संपत्ति है।

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

यूपी के 50 जिलों में फ्लैग-मार्च, पुलिस की छुट्टियां कैंसिल

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश होने के बाद यूपी के 50 से ज्यादा शहरों में पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और संभल में प्रशासन अलर्ट पर है। संसद के बाहर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- भाजपा ने रेलवे को बेचा, डिफेंस की जमीन बेची और अब वक्फ की जमीनें बेची जाएंगी। उन्होंने कहा- जिन लोगों के लिए यह बिल लाया जा रहा, उनकी ही बातों को अहमियत ना देना,

इससे बड़ी नाइंसाफी क्या होगी। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि मैं भी राम का वंशज हूं। मुझे भी राम मंदिर ट्रस्ट में शामिल करवा दें। 78 फीसदी वक्फ की संपत्ति विवादास्पद घोषित कर देना पूरी तरह से गलत है। वहीं, इससे पहले यूपी सरकार ने पुलिस की छुट्टियां कैंसिल कर दी है। विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि जिन पुलिसकर्मियों की छुट्टियां मंजूर थीं, जो घर के लिए रवाना हो चुके हैं।

मोदी सरकार आदिवासियों का हक बचाने में रही नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर आदिवासियों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वन अधिकार कानून को सही तरीके से लागू नहीं कर रही है, जिसके चलते लाखों आदिवासी परिवार अपनी जमीन से बेदखल होने के खतरे में हैं। मंगलवार को राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस सरकार ने 2006 में यह कानून बनाया था ताकि आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन पर हक मिले। लेकिन मोदी सरकार की लापरवाही की वजह से कई आदिवासियों

को जांच किये बगैर उनके जमीन के दावों को खारिज कर दिया गया। दरअसल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि जिन लोगों की जमीन के वन अधिकार कानून के दावे खारिज हो चुके हैं, उन्हें जमीन से हटा दिया जाए। इस फैसले के खिलाफ देशभर में विरोध हुआ, तब कोर्ट ने बेदखली पर रोक लगाई और सरकार को कहा कि वह खारिज दावों की फिर से जांच करे।

लालू की तबीयत बिगड़ी दिल्ली ले जाने की तैयारी

● शुगर बढ़ने की खबर, पिछले साल एंजियोप्लास्टी हुई,किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। ब्लड शुगर बढ़ने की खबर है। ऐसा बताया जा रहा है कि शुगर बढ़ने के चलते एक पुराने जख्म से लालू की तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास पर लालू का इलाज कर रहे डॉक्टर ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। बुधवार यानी आज शाम 4 बजकर 5 मिनट पर एयर इंडिया की फ्लाइट से लालू यादव इलाज के लिए दिल्ली जा सकते हैं। उनके साथ राजद सुप्रीमो के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी दिल्ली जाएंगे। लालू यादव की बेटी मीसा भारती मंगलवार से दिल्ली में ही हैं। 26 मार्च, यानी 7 दिन पहले ही लालू यादव गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन में शामिल हुए थे। वे तेजस्वी के साथ प्रदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने कहा था-गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतिश कुमार

उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है। बीते सालों में लालू प्रसाद यादव के तीन बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। 76 साल के लालू की 13 सितंबर 2024 को मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी। उन्हें एक स्टेंट लगा है। इससे पहले 2022 में उनका सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। बेटी रोहिणी ने किडनी डोनेट की थी। 2014 में लालू की ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। करीब 6 घंटे में एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। इस दौरान दिल में मौजूद 3 एमएम के छेद को भरा गया था।

एलओसी पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

● सेना बोली-कृष्णा घाटी की घटना,पाकिस्तान ने फायरिंग कर संघर्ष विराम किया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से

फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में एक परिवार के 11 लोगों की मौत

● मां बोली-बेटे की तेरहवीं के लिए कमाने गुजरात गए थे, सब खत्म हुआ

हरदा (एजेंसी)। होली पर बेटे सत्यनारायण का निधन हो गया था। उसकी तेरहवीं करने के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए पोते समेत परिवार के 11 लोग काम करने गुजरात गए थे। वहां से काम करके लौटते तो बेटे की तेरहवीं करती, लेकिन उसके पहले ही पूरा परिवार खत्म हो गया। गुजरात से पता चला है कि हमारे घर के जो भी लोग काम करने गए थे, सभी शांत हो गए हैं। इसमें बेटा-बेटी, पोते-पोतियां, भांजे-भांजियां भी शामिल हैं। ये दर्द है गीताबाई का। हरदा के हंडिया की रहने वाली गीताबाई के तीन पोते समेत परिवार के 11 लोग गुजरात के बनासकांठा के पास डीसा में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर में विस्फोट में इन्होंने अपनी जान गंवा दी।

● 50 मीटर दूर तक बिखर गए थे शरीर के टुकड़े- जिस समय हादसा हुआ, उस दौरान मजदूर पटाखा बनाने का काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे। हादसे पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गुजरात सरकार ने भी मृतकों के परिजन को 4-4 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की बात कही है। हरदा विधायक डॉ. आरके दोगने ने मृतकों के परिवार को विधायक निधि से 20-20 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार

● सेंट्रल कमेटी बोली-15 महीने में 400 साथियों को मारा, ऑपरेशन रोके,युद्धविराम कर देंगे

जगदलपुर (एजेंसी)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली केंद्र और राज्य सरकार से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने कहा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रोकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें

बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए इस पर बात हुई। अभय ने लिखा है कि, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने शांति वार्ता के लिए पहल की थी। बता दें कि 5 अप्रैल को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर दौरे पर रहेंगे। पर्चे में लिखा है कि, जब हमारे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य और माओवाद संगठन के प्रतिनिधि विकल्प ने शांति वार्ता के लिए अपनी शर्त रखी थी कि जवानों को कैंप तक ही रखा जाए। ऑपरेशन को बंद किया जाए। जिसके बाद बातचीत करेंगे। इन शर्तों का जवाब दिए बगैर लगातार ऑपरेशन चलाए गए। पिछले 15 महीने में हमारे 400 से अधिक नेता, कमांडर, डीआरजी के कई स्तर के लड़ाके मारे गए।

TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate ₹18,500/-
76% Gold Rate ₹64,790/-
Making Charges 8%
100% BUY BACK + EXCHANGE
MONDAY CLOSED
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

देव मैडिकेयर
कैमिस्ट एण्ड कौस्मैटिक
10 प्रतिशत छूट सभी दवाईयों पर
फ्री होम डिलेवरी *

ALL KINDS OF
● MEDICINES
● COSMETICS
● AYURVEDIC MEDICINES
● INSULIN, GLUCOMETER, STRIPS
● B.P.MONITOR, NEBULIZER, SURGICAL GOODS, STRICLS, WHEEL CHAIR, WALKER, ETC
रविवार को दुकान दोपहर 3 बजे तक खुलती है।
आपकी अपनी दुकान
दुकान नं. 260, हुडा मार्किट, सैक्टर-7, फरीदाबाद
आशीष सिंह: 9650518651

खनन माफियाओं पर फरीदाबाद प्रशासन का बड़ा वार, कड़ी कार्रवाई के निर्देश

फरीदाबाद। महानिदेशक श्री पांडुरंग और उपायुक्त विक्रम सिंह के निर्देशों के तहत जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अवैध खनन पर सख्त नियंत्रण बनाए रखने के लिए निरंतर कठोर अभियान चलाया जा रहा है। आज बुधवार को खनन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने सेक्टर- 27 सी, सेक्टर- 42, बड़खल रोड सूरजकुंड और पाली से जुड़े क्षेत्रों का अचानक निरीक्षण किया और वाहनों की जांच की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत, खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं विभागीय गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य खनन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को समाप्त करना है। महानिदेशक के आदेशों के अनुसार, विभागीय टीम पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है और सभी आवश्यक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। उन्होंने यह भी बताया कि चेकिंग के दौरान किसी भी स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि नहीं पाई गई है, और यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो वे तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में उन स्थानों पर जहां अवैध खनन की संभावना अधिक है, वहां पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न इलाकों में अचानक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार का स्पष्ट और मजबूत निर्णय है कि राज्य में अवैध खनन किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं होगा और इसमें संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के खिलाडी ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर जीतेंगे और अधिक मेडल- कृष्णलाल पंवार

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री (पंचायत एवं खनन मंत्री) कृष्णलाल पंवार का आज भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर पहुँचने पर नव नियुक्त भाजपा फरीदाबाद जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल व बल्लबगढ़ जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें ओलंपिक महासंघ का महासचिव बनाये जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर ज़िला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा, मनोज वशिष्ठ, ग्यासीराम शर्मा, लाज़र रणजीत सेन, नरेश नम्बरदार, कृष्ण कुमार शर्मा, हंस नागर, राज मदान, सरदार रेशम सिंह, राजेन्द्र तालान, जिला कार्यालय सह सचिव सचिन गुप्ता, जसवंत पंवार व अन्य सभी कार्यकर्ताओं ने भी मंत्री जी का स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि हरियाणा के लोगों की सेवा करना ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विजन है। भाजपा की प्रदेश सरकार ने 10 सालों में हरियाणा में बिना भेदभाव के सभी खिलाडियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है और पूरे देश की निगाहें हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन पर रहती हैं। ओलंपिक खेलों के दौरान पूरे देश के लोग सोचते हैं कि हरियाणा के खिलाड़ी मेडल लेकर आएंगे। हरियाणा सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के दम पर हरियाणा के खिलाड़ी आगामी ओलंपिक में पहले से भी बेहतर प्रदर्शन कर ज़्यादा मेडल जीतेंगे। हरियाणा के युवा खेल में अपना सर्वस्व देकर हरियाणा का नाम रोशन करने का कार्य करते हैं।

फरीदाबाद प्रवास के दौरान प्रदेश के पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर पहुँचे और उन्होंने भाजपा फरीदाबाद एवं बल्लभगढ़ के नव निर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्षों भाजपा पंकज रामपाल और सोहनपाल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला में सरसों की 20792.8 क्विंटल कि हुई आवक एजेंसियों ने 19786.1 क्विंटल की कि खरीद - उपायुक्त विरेंद्र कुमार दहिया

पानीपत,(चुघ)भेदी नजर। उपायुक्त वीरेन्द्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की मण्डियों में सरसों की आवक का कार्य तेजी से हो रहा है। किसान मण्डियों में अपनी सरसों की फसल को लेकर पहुंच रहे हैं। साथ ही साथ मण्डियों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीददारी भी की जा रही है। जिले में हरियाणा स्टेट वेयर हाऊस व हैफैड द्वारा खरीददारी की जा रही है।

उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक 20792.8 की कुल आवक हुई है। 19786.1 क्विंटल की खरीद का कार्य हुआ है। उन्होंने बताया कि पानीपत मण्डी में 8334.8 क्विंटल की आवक हुई है व 8187 की खरीद हुई है। मडलौडा मण्डी में 4729.9 क्विंटल की आवक हुई है व 4670 क्विंटल खरीद हुई है। मण्डलौडा मण्डी में 2667.1 की आवक हुई है व 2489.1 की खरीद हुई है। बापौली मण्डी में 57 क्विंटल की आवक हुई है व 57 क्विंट की खरीद हुई है। इसराना मण्डी में 5004 क्विंटल की आवक हुई है व 4383 क्विंटल की खरीद हुई है।

केयू रोस्ट्रम प्रतियोगिता में छवि शर्मा व योगेश कुमार ने प्राप्त किया प्रथम स्थान।

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठित सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता (रोस्ट्रम) के दूसरे चरण का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 18 विभिन्न विभागों के प्रतिभाशाली छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में पहला स्थान कॉमर्स डिपार्टमेंट की छात्रा छवि शर्मा ने प्राप्त किया, दूसरा स्थान फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के छात्र लक्ष्य कुमार ने हासिल किया और तीसरा स्थान कॉमर्स डिपार्टमेंट की छात्रा संजना ने जीता जबकि यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्रा ख्वाइश और पुस्तकालय विज्ञान विभाग की छात्रा सोनिका, सांख्यिकी विभाग की उर्वी गौतम व कैमिस्ट्री विभाग के सारांश मौर्य को विशेष पुरस्कार दिया गया।

मुख्यमंत्री ध्येय को ध्यान में रखते हुए किसान हित में काम करें अधिकारी : डॉ. अमित अग्रवाल

अधिकारियों को निर्देश फसल खरीद में किसानों को न हो कोई परेशानी, एसीएस ने मोहना अनाज मंडी का दौरा कर परखी तैयारी

फरीदाबाद 02 अप्रैल 2025।

हरियाणा सरकार के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल बुधवार सुबह मोहना अनाज मंडी के निरीक्षण दौरे पर रहे। उन्होंने गेहूं की आवक व खरीद प्रक्रिया की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए प्रशासन की ओर से की गई तैयारी परखी। इस दौरान किसान, आढ़ती व अन्य संबंधित हितधारकों से चर्चा कर सीधे फीडबैक लिया।

मोहना अनाज मंडी में किसानों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का ध्येय किसान के हितों का ध्यान रखना है। सीएम के निर्देश पर राज्य के प्रत्येक जिले में एक-एक आला अधिकारी को सीधे फीडबैक लेने व किसानों की फसल खरीद से जुड़ी प्रत्येक समस्या का समाधान करने का जिम्मा सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश की पालना में उनका निरीक्षण दौरा सुनिश्चित किया गया है। मौके पर किसानों ने भी बीते दस वर्षों में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए सरकार के सार्थक प्रयासों पर बात की। सचिव ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश देते हुए कहा कि तकनीकी खामी के कारण किसान हित में बाधा न आए, यह हर हाल में सुनिश्चित करें। नियमानुसार फसल खरीद का भुगतान किसानों मिलना चाहिए।

डॉ अमित अग्रवाल ने किसानों के साथ सार्थक चर्चा करते हुए बीते दस वर्षों में किसान हित में किए गए पॉलिसी बदलावों पर बात की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पड़ोसी राज्यों की तुलना में प्रदेश के किसानों को अधिक लाभ दिए जा रहे है। सरकार का एकमात्र उद्देश्य जनहित है। उन्होंने कहा कि किसान व कृषि कार्यों से जुड़े हितधारकों की समस्या व सुझाव पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने

हितधारकों को आश्वस्त किया कि बीते वर्ष में आई किसी भी समस्या का इस बार दोहराव नहीं होगा। अधिकारी अपने स्तर पर फसल खरीद, उठान व भंडारण के अलावा मंडी में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे।

मंडी दौरे पर रहे सरकार के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने सबसे पहले साफ-सफाई, खरीद के लिए लाए गेहूं की गुणवत्ता, बारदाने की उपलब्धता के साथ ही फसल आवक के भंडारण इंतजाम देखे। साथ ही फसल खरीद से जुड़े हितधारकों से उनकी समस्या व मौजूदा स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी हितधारकों से आह्वान करते हुए कहा कि फसल खरीद प्रक्रिया को आपसी समन्वय से सफल बनाएं। प्रशासन व संबंधित एजेंसी के सहयोग से कार्य को निर्बाध जारी रखें। प्रयास करें कि प्रदेश फसल खरीद प्रक्रिया में सफलता का एक उदाहरण बने। चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि फसल की आवक के बाद टेंडर के जरिए फसल उठान करने वाले निजी ट्रांसपोर्टर के कारण गोदाम में फसल पहुंचने में देरी होती है। फसल खरीद सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रांसपोर्टेशन का जिम्मा आढ़ती एसोसिएशन ने अपने स्तर पर कराने की मांग रखी।

सचिव ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह इस मामले को स्पेशल केस के रूप में मुख्यालय पर रखेंगे।

इस दौरान सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, मार्किट कमेटी के अधिकारियों सहित आढ़ती और किसान मौजूद रहे।

बाबा सिद्ध नाथ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में नए सत्र की शुरुआत हवन-यज्ञ के साथ।

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।

कुरुक्षेत्र। बाबा सिद्ध नाथ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र में नए सत्र की शुरुआत हवन-यज्ञ के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक ईश्वर सिंह, उपाध्यक्ष रेखा देवी और प्रधानाचार्या गीता शर्मा ने यज्ञमान के रूप में भाग लिया।

विद्यालय के प्रबंधक ईश्वर सिंह ने कहा कि हिंदू संस्कृति के अनुसार किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत हवन-यज्ञ से की जाती है। इसलिए, इस यज्ञ में विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्या गीता शर्मा ने पिछले सत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और शिक्षकों को ओर अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया, ताकि विद्यालय के प्रत्येक छात्र का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदान करना है।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

सावधान! थानेसर शहर के इन हिस्सों में जानलेवा हो सकता है पानी, योगेश शर्मा ने आंकड़ों के साथ किया खुलासा

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।

कुरुक्षेत्र। जी हां, थानेसर शहर के खातापुर मोहल्ला, अंचला चौक, सौदागर मोहल्ला, अमन पैलेस, मसीता हाउस, अचार वाली गली आदि क्षेत्रों में ट्यूबवेल द्वारा घरों में दी जा रही पानी की सप्लाई में पानी पीने योग्य नहीं सप्लाई किया जा रहा। युवा जजपा नेता योगेश शर्मा ने प्रेसवार्ता कर जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा थानेसर नगरपरिषद को इन क्षेत्रों में की जा रही पानी की सप्लाई को पीने योग्य करार नहीं दिया। योगेश शर्मा ने जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा नगरपरिषद के नाम 18 जनवरी 2023, 6 मार्च 2023, 17 अप्रैल 2023, 19 अक्टूबर 2023 और 20 मार्च 2023 को जारी पत्रों का जिक्र किया जिसमें स्पष्ट रूप से शहर के खातापुर मोहल्ला, अंचला चौक, सौदागर मोहल्ला, अमन पैलेस, मसीता हाउस, अचार वाली गली में ट्यूबवेल के माध्यम से हो रही पानी की सप्लाई को पीने योग्य नहीं करार दिया।

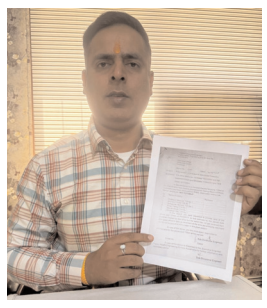

उन्होंने प्रदेश सरकार, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, संबंधित पार्षदों को आगाह किया वे इस मामले को गंभीरता से लें ताकि सेक्टर 3 जैसा हादसा दोबारा घटित न हो। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पहले सेक्टर 3 में पानी की पाइप लाइन में आई लीकेज के बाद गंदा पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई थी।

महापौर प्रवीण जोशी का शॉल ओढ़ाकर किया स्वागत व अभिनन्दन

फरीदाबाद। भारत में सबसे ज्यादा वोटो से जीतकर रिकार्ड बनाने वाली नवनिर्वाचित महापौर श्रीमति प्रवीण जोशी का आज नगर निगम मुख्यालय स्थित उनके महापौर कार्यालय में टाऊन पार्क फ्रेड्स सोसाइटी के प्रधान रवि रावत व भाजपा के जिला उपाध्यक्ष वजीर सिंह डागर ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत व अभिनन्दन किया। इस अवसर पर वार्ड 10 के भाजपा पार्षद भगवान सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर वजीर सिंह डागर ने कहा कि में फरीदाबाद की जनता का कोटि कोटि धन्यवाद व आभार प्रकट करता हुं जिन्होनें हमारी बहन श्रीमति प्रवीण जोशी को भारी मतों से विजयी बनाकर पूरे भारतवर्ष में इतिहास रच दिया। उन्होनें कहा कि भाजपा की केन्द्र व प्रदेश की सरकार ने जिस तरह लोगों के दिलों में जगह बनाई है उसी तरह यह छोटी सरकार भी महपौर प्रवीण जोशी के नेतृत्व में जन आकाक्षाओं पर पूरी तरह खरी उतरेगी और जनता के विकास और खुशहाली के लिए पूरी मेहनत और लगन से काम करेगी। इस अवसर पर महापौर श्रीमति प्रवीण जोशी ने इतना आदर और सत्कार देने के लिए सभी का दिल की गहराईयों से धन्यवाद करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर फरीदाबाद को स्वच्छ व सुन्दर बनाएगें और पानी,सीवरेज से संबधित कोई भी समस्या होगी उसे हम मिलकर दुरूस्त करेगें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने एफआरयू -1 और एफआरयू -2 का निरीक्षण किया

सीएमओ ने मरीजों को समय पर बेहतर इलाज़ तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

फरीदाबाद, 02 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार एवं उपायुक्त विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में जिला फरीदाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने गत रात्रि सेक्टर 30 स्थित प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र (एफआरयू-1) और बल्लभगढ़ सेक्टर- 3 स्थित (एफआरयू-2) का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने प्रसव कक्ष, नवजात शिशु देखभाल यूनिट, मरीजों की सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, स्वच्छता, तथा चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने प्रसूति वार्ड, टीकाकरण केंद्र, नवजात शिशु देखभाल यूनिट और अन्य महत्वपूर्ण विभागों का दौरा किया। सीएमओ ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं

समय पर उपलब्ध कराई जाए और नवजात शिशुओं की देखभाल में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि परिसर को स्वच्छ और रोगाणु मुक्त बनाए रखा जाए, जिससे संक्रमण की संभावना कम हो सके। उन्होंने भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से वार्तालाप कर फीडबैक लिया।

उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि वे मरीजों के प्रति संवेदनशील रहें और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों की जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अनियमितता और गैरहाजिरी को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में साफ़-सफाई, मरीजों के परिजनों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल आदि सुविधाओं का ख़ास ख्याल रखने के निर्देश भी दिए।

जनता समाधान शिविर में मजबूत नेतृत्व जगा रहा लोगों में विश्वास की लौ: एसडीएम ब्रह्मप्रकाश

शिविर में पहुंची 66 समस्याएं एसडीएम ने अधिकारियों को दिए समाधान करने के निर्देश

पानीपत,(चुघ) भेदी नजर। एसडीएम ब्रह्मप्रकाश ने बुधवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए नियमित जनता समाधान शिविर में कहा कि जिला में सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों के मजबूत नेतृत्व ने लोगों के अंदर विश्वास की लौ पैदा की है।

पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र सिंह ने पुलिस विभाग से सम्बंधित जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि समस्याओं को लेकर अधिकारियों को और गंभीरता से कार्य करना होगा।

निगम के संयुक्त-आयुक्त डॉ. संजय व जिला परिषद सीईओ डॉ. किरण सिंह ने समाधान शिविर में जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि अधिकारियों को समाधान शिविर को अपनी रूचि दिखानी चाहिए। लोगों का समाधान शिविर के प्रति जो विश्वास जमा है उसे दुरस्त रखना है। लोगों की समस्याओं का समाधान जिस गति से हो रहा है। उससे प्रशासन के प्रति लोगों की उम्मीदों में बढ़ोतरी हो रही है।

समाधान शिविर में बुधवार को विभिन्न विभागों से जुड़ी 66 समस्याएं प्राप्त हुई। इनमें ज्यादातर समस्याएं फैमिली आईडी, बुढापा पैंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी हुई प्राप्त हुई। एसडीएम ने अधिकारियों के सहयोग से ज्यादातर का मौके पर समाधान किया व शेष बची समस्याओं का तीव्रता से समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। समाधान शिविर में लेबर कॉलोनी के शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से प्रार्थना की कुछ लोग हॉली पार्क के साथ वाली दिवार पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। झुग्गी-झोपडियों का निर्माण करवा रहे हैं। उन्होंने तत्काल प्रभाव से अवैध निर्माण को रोकने की प्रशासन से अपील की। एसडीएम ने तत्काल जांच के आदेश दिये। प्रार्थी सतपाल वासी केसर सिंह गुरूद्वारा भगत नगर,रत्ती वासी विष्णु कॉलोनी, सुमन रानी वासी तहसील कैम्प ने प्रशासन से रूकी हुई पैंशन दिलवाने की गुहार लगाई। एसडीएम ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एमडी शुगर मील मनदीप, सीटीएम टिनू पोशवाल, डीआरओ रणविजय सिंह सुल्तानिया, डिप्टी सीएमओ दिव्या साहनी, एलडीएम राजकुमार,कृषि विभाग के एसडीओ डॉ. राधे श्याम, एसडीओ विरेंद्र कुमार दहिया,खेल प्रशिक्षक सुषमा,पशु चिकित्सक डॉ. अशोक लोहान, पुलिस कैम्लेंड अधिकारी सुरेश, हैल्प डेस्क से संजीव शर्मा, जोगेंद्र के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शराब के शौकीन ध्यान दें! दिल्ली में अप्रैल-जून के बीच कई दिन बंद रहेंगे मदिरालय

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शराब के शौकीनों के लिए जरूरी खबर है। दिल्ली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल से जून तिमाही में ड्राई डे की संख्या की घोषणा की है। इसके अनुसार, रामनवमी और गुड फ्राइडे सहित धार्मिक त्योहारों पर शहर भर की शराब की दुकानें बंद रहेंगी। सीधा मतलब है कि इन अवसरों पर दिल्ली में ड्राई डे घोषित रहेगा।अप्रैल से जून के बीच पांच ऐसे दिन आएंगे जब शराब की दुकानों को नहीं खोला जाएगा। आबकारी विभाग के एक हालिया आदेश के अनुसार, दिल्ली में रामनवमी, महावीर जयंती, गुड फ्राइडे, बुद्ध पूर्णिमा और ईद-उल-जुहा पर शराब की दुकानें बंद रहेंगी। दिल्ली सरकार के आबकारी आयुक्त, सनी सिंह ने कहा कि शराब लाइसेंस धारकों के लिए दिल्ली आबकारी नियम, 2010 के नियम 52 के प्रावधानों के अनुसार ड्राई डे घोषित किए जाते हैं। आदेश में यह भी अनिवार्य किया गया है कि नीचे दिए गए ड्राई डे की अवधि के लिए लाइसेंस प्राप्त परिसर होने के बावजूद, इसे प्रमुख स्थानों पर भी लागू किया जाए।

अगर वक्फ बिल जबरन मुसलमानों पर थोपने की कोशिश हुई तो देशव्यापी आंदोलन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक लाए जाने के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की बात कही है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा है कि यदि बिल को जबरन मुसलमानों पर थोपने की कोशिश हुई तो देशव्यापी आंदोलन होगा और इसकी शुरुआत दिल्ली से होगी। उन्होंने बुधवार को एक्स लिखा, 'अगर वक्फ बिल जबरन मुसलमानों पर थोपने की कोशिश की गई तो देशव्यापी आंदोलन होगा और इसकी शुरुआत दिल्ली से करेंगे। 'पिछली बार आंदोलन जहां से खत्म हुआ था शुरूआत वहीं से होगी।' हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे और संविधान में अल्पसंख्यको को दिए गए अधिकार पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे।' 'जहां आंदोलन खत्म हुआ था शुरुआत वहीं से होगी', शोएब जमई की इस बात को शाहीनबाग की ओर इशारा समझा जा रहा है। इससे पहले संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ दिल्ली के शाहीनबाग में लंबे समय तक आंदोलन चला था। यहां सैकड़ों महिलाएं एक साल से अधिक समय तक धरने पर बैठी रही थीं।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता खराब की श्रेणी में दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 4.6 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में मुख्यतः आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 50 प्रतिशत दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 201 रहा जो 'खराब' की श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

वक्फ बिल पर एआईएमआईएम का 'शाहीनबाग' वाला इशारा!

कहा- मुसलमानों पर जबरन थोपा तो दिल्ली में...

नईदिल्ली, एजेंसी।
संसद में वक्फ संशोधन विधेयक लाए जाने के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की बात कही है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा है कि यदि बिल को जबरन मुसलमानों पर थोपने की कोशिश हुई तो देशव्यापी आंदोलन होगा और इसकी शुरुआत दिल्ली से होगी। उन्होंने संभवतः शाहीनबाग की ओर इशारा करते हुए कहा कि आंदोलन वहीं शुरू होगा जहां खत्म हुआ था।

शोएब जमई ने बुधवार को एक्स लिखा, 'अगर वक्फ बिल जबरन मुसलमानों पर थोपने की कोशिश की गई तो देशव्यापी आंदोलन होगा और इसकी शुरुआत दिल्ली से करेंगे। 'पिछली बार आंदोलन जहां से खत्म हुआ था शुरूआत वहीं से होगी।' हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे और संविधान में अल्पसंख्यको को दिए गए अधिकार पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'जहां आंदोलन खत्म हुआ था शुरुआत वहीं से होगी', शोएब जमई की इस बात को शाहीनबाग की ओर इशारा समझा जा रहा है। इससे पहले संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ दिल्ली के शाहीनबाग में लंबे समय तक आंदोलन चला था। यहां सैकड़ों महिलाएं एक साल से अधिक समय तक धरने पर बैठी रही थीं। वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में बुधवार को इसे पेश किया जाएगा। भारतीय सरकार को तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू), शिवसेना और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का भी साथ मिला है, जबकि कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इसके विरोध में हैं। एआईएमआईएम भी मुखरता से इसके खिलाफ आवाज उठा रही है। अब पार्टी ने दिल्ली में आंदोलन की चेतावनी दे डाली है। एआईएमआईएम इसे मुसलमानों के खिलाफ बता रही है।

जो लोग खुश हो रहे हैं वो;वक्फ बिल का समर्थन करने वालों को संजय सिंह ने क्या बताया?

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में आज बहुप्रतीक्षित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश कर दिया गया। अल्पसंख्यक मंत्री किरन रिजिजू ने आज विपक्ष के विरोध के बीच इसे संसद में पेश किया। इस बिल को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी विरोध किया। उन्होंने वक्फ बिल का सपोर्ट करने वालों को भी हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि ये लोग वक्फ की जमीन अपने दोस्तों को देने के बाद चर्च, गुरुद्वारा और बौद्ध मंदिरों की संपत्तियों के साथ भी ऐसा करेंगे। वक्फ बिल का खुला विरोध जताते हुए आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश के लोगों को अब सावधान हो जाना चाहिए कि भाजपा ने वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने और उन्हें अपने दोस्तों को देने की शुरुआत कर दी है। वे गुरुद्वारों, मंदिरों और चर्चों की संपत्तियों के साथ भी ऐसा ही करेंगे।

दिल्ली में 7 की तीव्रता वाले भूकंप के दावे से मचा दी हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 7 की तीव्रता का भूकंप आने वाला है; पिछले दिनों इस तरह की एक भविष्यवाणी ने हलचल मचा दी। पैनिक फैलाने वाली इस भविष्यवाणी के बाद राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र को सामने आना पड़ा। एनसीएस साफ किया कि विकास जियो सेंसिंग प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर विकास कुमार ने जो भविष्यवाणी की है, वह आधारहीन है। एनसीएस की ओर से यह भी बताया गया कि विकास ने बिना मंजूरी अपने स्तर पर इस तरह का दावा किया है, जबकि पहले भी उन्हें ऐसा नहीं करने को कहा गया है।

विकास जियो सेंसिंग की ओर से अपने लेटर हैड पर एक बयान जारी करते हुए दिल्ली और नेपाल में तेज भूकंप की चेतावनी 31 मार्च को की थी। उन्होंने लिखा, दिनांक 31 मार्च 2025 की सुबह 7:15 पर भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली से प्रथम सिग्नल दिल्ली से उत्तर-दक्षिण की तरफ 20 डिग्री पर सिग्नल प्राप्त हो रहा है जिसकी दूरी 100 किलोमीटर है। यह भूकंप 3 से 5 मेग्नीट्यूड के बीच में आ सकता है एवं द्वितीय सिग्नल भारत नेपाल बॉर्डर क्षेत्र में प्राप्त हो रहा है, जिसकी दूरी 300 किलोमीटर है। यह भूकंप का सिग्नल दिल्ली से उत्तर-पूर्व की तरफ 45 डिग्री पर मिल रहा है। यह भूकंप 5 से 7 मेग्नीट्यूड के बीच में आ सकता है। कृपया सतर्क रहें एवं 24 घंटे के अंदर आ सकता है। यह भूकंप की सूचना गणेश नगर पांडव नगर दिल्ली में लगी हुई मशीन से प्राप्त हुई है। विकास की ओर से किया गया दावा गलत निकला। बताए गए समय के दो दिन के बाद भी दिल्ली या नेपाल में कोई भूकंप दर्ज नहीं किया गया है। इससे पहले भी विकास ने कई दावे किए थे जो सही नहीं निकले। दरअसल विकास कुमार विकास जियो सेंसिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम का स्टार्टअप चलाते हैं। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले विकास का दावा है कि उन्होंने एक मशीन तैयार की है जो भूकंप आने से पहले चेतावनी देने में सक्षम है। महज 12वीं तक पढ़े विकास के यूट्यूब चैनल से पता चलता है कि वह लंबे समय से भूकंप पर शोध करने और अलर्ट सिस्टम बनाने पर काम कर रहे हैं। विकास का कहना है कि वह गरीबी की चलते आगे पढ़ाई जारी नहीं रख पाए, लेकिन वह भूकंप पर लंबे समय से काम कर रहे हैं। विकास ने यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर अपनी मशीन भी स्थापित की है, जिसके जरिए वह भूकंप की पूर्व चेतावनी मिलने का दावा करते हैं।

डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या को ऐसा क्या पता है जो कोर्ट को नहीं, जांच की जाए

दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली भाजपा नेता और रेखा गुप्ता सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा की दंगों में कथित भूमिका को लेकर आगे की जांच के आदेश दिए। कोर्ट ने तत्कालीन डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या से भी पूछताछ करने का निर्देश दिया है कि कपिल मिश्रा इलाके में कब मौजूद थे और 23 फरवरी, 2020 को उन दोनों के बीच क्या हुआ था। यह निर्देश मोहम्मद इलियास द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया गया है, जिसमें कर्दम पुरी रोड पर मुसलमानों और दलितों के ठेले को नुकसान पहुंचाने की घटना के संबंध में कपिल मिश्रा और उनके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। एसीजेएम वैभव चौरसिया ने मंगलवार को आदेश दिया, प्रस्तावित आरोपी (कपिल मिश्रा) और उसके साथियों के खिलाफ केवल पहली घटना के संबंध में आगे की जांच शुरू की जाए और शिकायतकर्ता द्वारा संज्ञेय अपराध का खुलासा किया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि सूचना झूठी पाई जाती है, तो दिल्ली पुलिस शिकायतकर्ता के खिलाफ धारा 182 आईपीसी (बीएनएसएस की धारा 217) के तहत आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि आदेश की एक अतिरिक्त कॉपी डीसीपी उत्तर-पूर्व को भेजी जाए ताकि उसे तत्कालीन डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या को भेजा जा सके। एसीजेएम ने कहा, घटनाओं की सीरिज से पता चलता है कि शायद, अगर शिकायतकर्ता के आरोप सही पाए जाते हैं, तो डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या को कुछ ऐसा पता है जो इस न्यायपालिका को नहीं है। यह कर्तव्य है कि वह यह खुलासा करे कि डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या को एक जांच अधिकारी की मदद से सड़कों पर घूमते हुए किसने यह कहते हुए सुना है कि यदि आप विरोध प्रदर्शन बंद नहीं करते हैं।

कई फंस गए,दूसरा एग्जिट गेट बंद था; लोगों ने सुनाई अट्टा मार्केट के उस भयवाह मंजर की कहानी

नईदिल्ली, एजेंसी।
सेक्टर-18 स्थित आठ मंजिला कृष्णा अपरा प्लाजा में मंगलवार सुबह धमाके के साथ आग लगी। इससे अंदर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। लोगों का आरोप है कि छत के रास्ते में ताला था और नीचे के निकास द्वार पर आग लगी थी। इसके अलावा दूसरा निकास द्वार बंद था। इससे लोग फंस गए। अग्निशमन विभाग और पुलिस ने फंसे लोगों को बाहर निकाला। जिस इमारत में आग लगी,उसके सामने मोबाइल की दुकान के कर्मचारी विपुल ने बताया कि सुबह के करीब 11:30 बजे थे। इमारत में एक धमाके की आवाज हुई। भूतल से धुआं निकलने लगा और अंदर मौजूद लोग चीख-पुकार मचाने लगे। कुछ लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूद गए। चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मनोहर ने बताया कि वह दुकान के बाहर घूम रहे थे। अचानक से इमारत में से एक व्यक्ति बाहर आया और सड़क पर लेट गया। उसके शरीर का कुछ हिस्सा आग से झुलसा हुआ था। मनोहर का दावा है कि उन्होंने करीब छह लोगों को बिल्डिंग से कूदते देखा। दुकानदारों ने इसके बाद अग्निशमन विभाग और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल के पास जूस की दुकान चलाने वाले गोलू ने बताया कि आग लगने के बाद

पुलिस ने इमारत को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस की तीन टीमें आसपास की इमारतों को खाली कराने में जुट गईं। एहतियातन आसपास की इमारतों पर भी पानी की बौछार की गई। इमारत की कांच की खिड़कियों को तोड़कर धुएं को बाहर निकाला गया। लोगों को बचाने के लिए हाईड्रोलिक लिफ्ट का भी इस्तेमाल किया गया। बिल्डिंग की फायर एनओसी और अग्निसुरक्षा उपकरण के काम करने के संबंध में दमकल विभाग की तरफ से सही जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बिल्डिंग को सील कर दिया है। भवन के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इमारत में फंसे लोगों का आरोप है कि छत के रास्ते में ताला था और नीचे के एक निकास द्वार पर आग लगी थी। दूसरा निकास द्वारा बंद था। इससे लोग फंस गए। दमकलकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने दूसरे निकास द्वार का शटर तोड़कर लोगों को बाहर निकाला। लोगों का यह भी आरोप है कि इमारत में आग बुझाने के लिए लगे उपकरण काम नहीं कर रहे थे यानी इमारत में अग्निसुरक्षा मानकों की अंदेखी की जा रही थी। वहीं, इमारत में फायर एनओसी के संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि इसकी जांच की जा रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि 10 मिनट में आग बुझाई गई। ऊंचाई से गिरकर घायल हुए लोगों को एंबुलेंस के जरिये कैलाश अस्पताल, जिला अस्पताल और विनायक अस्पताल पहुंचाया गया। सेक्टर-41 निवासी सूरज, गेझा निवासी गंगा सिंघा, बिहार निवासी विकास चंद्रा, दिल्ली निवासी किशोर कुमार, सेक्टर-28 निवासी अभिनंदन, सेक्टर-10 निवासी लक्ष्मी प्रसाद, सेक्टर-45 निवासी नवनीत सिंह, सेक्टर-34 निवासी जसविंदर सिंह, सेक्टर-34 निवासी दुर्गा चंद्रा, आजाद विहार निवासी राहुल रावत, सेक्टर-50 निवासी इनायत, सेक्टर-30 निवासी मोहित, सोबन सिंह नेगी और नवीन समेत कुल 22 लोग अस्पताल पहुंचे।
इनमें से अधिकतर को छुट्टी दे दी, जबकि विकास, अभिनंदन और किशोर अस्पताल में भर्ती हैं। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ई-वाहन खरीदने वालों को दिल्ली सरकार का तोहफा

15 दिन बढ़ाई नीति

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की अवधि समाप्त होने के बाद इसे 15 दिन के लिए और बढ़ा दिया है। इस विस्तार अंतिम माना जा रहा है क्योंकि अधिकारियों ने पहले ही एक नई ड्राफ्ट नीति तैयार कर ली है। दिल्ली ईवी नीति में कई तरह के प्रोत्साहन दिए गए हैं, जिसमें ई-साइकिल के लिए 25 प्रतिशत खरीद सब्सिडी (5,500 रुपये तक), ई-रिक्शा और ई-कार्ट के लिए 30,000 रुपये, दोपहिया वाहनों की बैटरी क्षमता के लिए 5,000 रुपये (30,000 रुपये तक) और ई-लाइट कमर्शियल वाहनों के लिए 30,000 रुपये शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आगामी नीति में इलेक्ट्रिक बसों और कारों को अपनाने को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी वाहनों को हतोत्साहित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि नई नीति के कार्यान्वयन के दौरान निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए यह छोटा विस्तार दिया गया है। उन्होंने कहा कि संशोधित नीति में ईवी खरीदारों के लिए नए प्रोत्साहन और फॉसिल फ्यूल आधारित वाहनों को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के लिए सख्त उपाय पेश किए जाने की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि अन्य बातों के अलावा, दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2.0, जिसकी घोषणा अगले महीने होने की संभावना है, में सभी नई इमारतों में कम से कम 20 प्रतिशत पार्किंग स्थान के साथ ईवी चार्जिंग पॉइंट शामिल होंगे। पुरानी इमारतों के लिए, कुल पार्किंग स्थान का 5 फीसदी ईवी के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा प्रदान करेगा। सूत्रों ने बताया कि ड्राफ्ट नीति में यह भी प्रस्ताव है कि बड़े पार्किंग क्षेत्र वाली इमारतों को ईवी चार्जिंग के लिए कुछ प्रावधान रखने होंगे।

पुरानी नीति अगस्त 2023 में खत्म हो गई थी, जिसके बाद इसे 2025 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि नीति में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और अन्य नागरिक एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सभी कचरा संग्रह वाहनों को चरणबद्ध तरीके से ईवी में परिवर्तित करने और 2027 तक 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक फ्लीट का लक्ष्य हासिल करने का भी प्रस्ताव है।

भाजपा कुछ ही दिनों में कर सकती है नए अध्यक्ष का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान जल्द ही होने के आसार हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक पार्टी को नया कप्तान मिल सकता है। फिलहाल, इसे लेकर भाजपा की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। राज्य स्तर पर पार्टी के संगठन चुनाव जारी हैं। कुछ राज्यों में अध्यक्ष का ऐलान होना बाकी है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि 4 अप्रैल को संसद का जारी सत्र समाप्त होने के बाद भाजपा अध्यक्ष चुने की जाने की प्रक्रिया तेज हो सकती है। उन्होंने आगे संकेत दिए हैं कि अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक भाजपा अपने अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। फिलहाल, इस पर केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा हैं। खबर है कि भाजपा के संगठन चुनाव 13 राज्यों में हो चुके हैं और इन जगहों पर अध्यक्षों का भी ऐलान हो चुका है।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियन्ता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	एडीईएन/एनडीएलएस के तहत एसएसई/डब्ल्यू/एएनवीटी के अनुभाग में पीएफ से वॉशिंग लाइन तक रेलवे ट्रैक के समानांतर संपर्क पथ का प्रावधान, एएनवीटी में वॉशिंग लाइन कॉम्प्लेक्स स्टाफ रूम के लिए ड्राइवर रनिंग रूम से मुख्य पहुंच मार्ग सहित सिकलाइन और वॉशिंग लाइन कॉम्प्लेक्स के लिए जल निकासी प्रणाली में सुधार का कार्य।	
कार्य की अनुमानित लागत	₹1,39,53,934.61 (रुपये एक करोड़ उनतालीस लाख तिरपन हजार नौ सौ चौंतीस और इकसठ पैसे मात्र)।	
बयाना राशि	₹2,19,800/- (रुपये दो लाख उन्नीस हजार आठ सौ मात्र)	
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) ₹ 0.00	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	21.04.2025 को 15:00 बजे तक
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	

- ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
- सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/इ-निविदा सूचना/54/2024-25/W-3 दिनांक: 28.03.2025 990/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते हैं।

निविदा संख्या	6-SEFile-260438RTTender
कार्य का नाम और कार्य स्थान	"कार्य के दायरे के अनुसार 100 एलएचबी ईओजी एसी कोचों में उच्च क्षमता वाले कपलर और फीडर केबल का प्रावधान"
अनुमानित लागत	रुपये 34624151.67/– जीएसटी @ 18% सहित
बयाना राशि	रुपये 323100/–
निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने
निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि व समय	दिनांक 24.04.2025 समय 15:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।

No. 6-SEFile-260438RTTender Date : 02.04.2025 1003/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली में भाजपा का बनेगा अगला मेयर? इस महीने के आखिर में हो सकते हैं चुनाव

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का अगला मेयर कौन बनेगा इसके लिए चुनाव की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। जूदा मेयर आम आदमी पार्टी (आप) के महेश कुमार खिंची का कार्यकाल 31 मार्च को खत्म हो चुका है। नए मेयर के चुनाव के लिए मतदान अप्रैल के आखिरी हफ्ते में होने की संभावना है, जबकि मौजूदा मेयर उत्तराधिकारी चुने जाने तक औपचारिक रूप से पद पर बने रहेंगे। इस बार उम्मीद है कि मेयर भाजपा का होगा क्योंकि उसकी स्थिति आप से मजबूत है।

आम आदमी पार्टी (आप) के कई पार्षद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चले गए हैं। इसके अलावा ज्यादातर मनोनीत विधायक भी भाजपा के ही हैं। ऐसे में अब निगम में भाजपा का दबदबा

बढ़ गया है। पार्टी अब राजधानी की छोटी सरकार पर भी काबिज होने की ओर अग्रसर है। केंद्र और राज्य में पहले से ही भाजपा की सरकार है। एमसीडी के एक अधिकारी ने बताया, मेयर और स्थायी समिति के एक सदस्य के लिए चुनाव कराने की तारीख मांगने के लिए फाइल आगे बढ़ा दी गई है। मौजूदा मेयर 8 अप्रैल के बाद तारीखों को अंतिम रूप दे सकते हैं। नामांकन दाखिल करने के लिए एक अवधि प्रदान की जाएगी और अंतिम मतदान 25 अप्रैल के आसपास होने की संभावना है।

खिंची ने पिछले साल 14 नवंबर को मात्र तीन वोटों से मेयर का चुनाव जीता था। हालांकि, वे 4.5 महीने के छोटे कार्यकाल के लिए ही पद पर रहे, क्योंकि मेयर का चुनाव पिछले अप्रैल से लंबित था। इसकी वजह थी तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस प्रक्रिया को सहमति देने से पहले ही जेल चले जाना। बाद में, केजरीवाल के रिहा होने और सीएम पद से हटने के बाद, चुनाव नवंबर तक के लिए टाल दिए गए।

मेयर चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में 250 पार्षद, दिल्ली के सात लोकसभा सदस्य, तीन राज्यसभा सांसद, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा नामित 14 विधायक और दस पार्षद शामिल हैं, जिनके पास सदन की कार्यवाही में मतदान का अधिकार नहीं है। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि भाजपा को 135 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है और आप को 119 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। पार्षदों के विधायक और एक सांसद के रूप में निर्वाचित होने के कारण कुल 12 सीटें खाली हैं।

संपादकीय

टकराव की राह पर नेपाल

नेपाल में एक बड़ी आबादी का दो दशक के भीतर ही गणतांत्रिक व्यवस्था से मोहभंग होना बताता है कि इन लोगों की उम्मीदें किस तरह टूट चुकी हैं। वहां राजशाही को वापस लाने की मांग हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि गणतंत्र और राजशाही समर्थक आमने-सामने हैं और इसका खामियाजा पूरे देश को हिंसा व अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ रहा है। नेपाल में इस समय विभाजन साफ तौर पर देखा जा सकता है। एक तरफ तमाम लोकतंत्र समर्थक दल हैं और दूसरी तरफ राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी । 2008 में जब व्यापक जन आंदोलन के बाद संविधान सभा का गठन किया गया और राजा के शासन का अंत हुआ, उसके बाद से राजशाही समर्थक कभी इतने मजबूत और आक्रामक नहीं रहे। बीते शुक्रवार को जिस तरह राजधानी काठमांडू में विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो उठा और उसमें जानें गई, वह स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने हाल के वक्त में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

इसके पहले तक वह सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखा करते थे। लेकिन, 9 मार्च को जब वह पोखरा से काठमांडू पहुंचे, तो उनके स्वागत में हजारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसके बाद भी वह कुछ मौकों पर जनता के बीच आए और लोगों ने उन्हें सपोर्ट किया। यह सब न तो अनायास लगता है और न ही इसे सामान्य माना जा सकता है। नेपाल की जनता को क्यों फिर से अपने पूर्व राजा में उम्मीद दिखने लगी है? इसका जवाब है राजनीतिक दलों की विफलता। गणतंत्र लागू होने के बाद से यह देश 13 प्रधानमंत्री देख चुका है। किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया और गठबंधन की राजनीति ने कभी देश को स्थिरता नहीं दी। नेपाल की जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार को लेकर भी है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौरान, नेपाल की इकॉनमी लगातार डांवाडोल होती चली गई। वर्ल्ड बैंक की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि सरकार का बजट सही तरीके से खर्च नहीं हो पा रहा है, और यह समस्या 2018 से चली आ रही है। टैक्स कम मिल रहा है और विकास कार्यों पर खर्च बहुत धीमा है। वित्तीय वर्ष 24 में सुधार के बावजूद जीडीपी ग्रोथ 3.9 है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि देश लोकतंत्र का रास्ता छोड़ दे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

(ललित गर्ग)

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर

बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की 'राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका' को रेखांकित करके अपनी '2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी संघ को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने 'समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा।'

निश्चित ही संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर-राजनीतिक संगठन है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा उसका मूल उद्देश्य है। संघ की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो रही थी, हिन्दू समाज पर रह-रह की हमले हो रहे थे, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास से हिन्दू समाज भयभीत था एवं लगातार कमजोर हो रहा था, इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने का प्रयास संघ ने प्रभावी ढंग किया और यह उन अभिजात्य लोगों को बहुत पसंद नहीं आया, जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक पहचान को त्याग कर अपनी विदेशी शिक्षा और पश्चिमी मूल्यों के सम्पर्क में पश्चिम की नकल करने के पक्ष?में थे। इन्हीं भारत विरोधी लोगों ने संघ पर तरह-तरह के प्रतिबंध भी लगाये, लेकिन उनके आरोप पूरी तरह निराधार पाये गये।

संघ अपनी सकारात्मक सोच, सेवा एवं समर्पण के बल पर निरन्तर आगे बढ़ता रहा। संघ का एक ही भाव था कि बतौर राष्ट्र भारत पुनः सशक्त स्थिति में आए जहां वह दुनिया का मार्ग दर्शन कर सके लेकिन इसके लिए पहले भारतीय समाज का रूपांतरण होना जरूरी था। समाज के रूपांतरण के लिए?संघ ने दैनिक शाखाओं के जरिए व्यक्ति निर्माण का काम शुरू किया था। संघ के स्वयं सेवक एवं 40 से अधिक परियोजनाएं जीवन के हर क्षेत्र में सेवा करके मां भारती की सेवा कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि 1947 में संघ के स्वयंसेवकों ने कश्मीर सीमा पर बगैर किसी प्रशिक्षण के पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर नजर रखी थी और पाकिस्तान से जान बचाकर आए शरणार्थियों के लिए?शिविर लगाए, भोजन की व्यवस्था की थी। 1962 में भारत-चीन हमले के दौरान सैनिक आवाजाही मार्गों की यातायात व्यवस्था, रसद और आपूर्ति में मदद स्वयंसेवकों ने की थी। सेवा के साथ-साथ राष्ट्रीयता के मजबूत इरादों की तमाम चुनौतियों के बावजूद संघ लगातार विस्तार पाते हुए वृक्ष से वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पांव प्रसार रही है ब्लडप्रेशर की बीमारी

(सुभाष आनंद-विनायक फीचर्स)

वर्तमान समय में तेजी से बदलते रहन-सहन और खानपान के चलते लोगों का ब्लड प्रेशर लगातार बढ़ रहा है जो गंभीर चिंता का विषय है। खाने पीने के शौकीन लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या लगातार बढ़ रही है, उच्च रक्तचाप के कारण दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ता जा रहा है और अकाल मृत्यु की घटनाएं बढ़ रही है।पहले शहरी अमीरों की बीमारी समझा जाने वाला ब्लड प्रेशर का रोग अब ग्रामीणों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। देश भर में जवान लोगों की बढ़ती मृत्यु की घटनाओं में जिस प्रकार बढ़ोतरी हो रही है उससे चिंताएं बढ़ रही है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट दिल्ली के मेडिसन विभाग के डॉक्टरों का एक मत से कहना है कि मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए और ना ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है,जिससे भविष्य में लोगों के हृदय रोग के शिकार होने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। एक सर्वे के अनुसार पंजाब में 45 से 60 वर्ष की आयु में उच्च रक्तचाप की समस्या सबसे अधिक पाई जाती थी लेकिन अब कुछ वर्षों से जवान लोगों को भी उच्च रक्तचाप की समस्या से घिरे हुए देखा गया है। लॉगगिट यूडिट एजिग स्टडी ऑफ़ इंडिया की ओर से प्रकाशित शोध पर आई एम ई (एस) ने पुनः शोध किया और दोबारा उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या पर चिंता प्रकट की है। उन्होंने बताया कि पंजाब में 60 फीसदी से ज्यादा लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अनियमित लाइफस्टाइल इसका मुख्य कारण है,इसके साथ और भी कई कारण है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है जैसे शराब का सेवन ,घी-तेल ,तले भुने खाने का अधिक सेवन ,फास्ट फूड का प्रयोग ,खेती में स्प्रे का बढ़ता चलन इत्यादि। पिछले कुछ दिनों में 45 वर्ष की उम्र वालों में हाई ब्लड प्रेशर सबसे ज्यादा बढ़ा है। 40 प्रतिशत लोगों में उच्च रक्तचाप से पहले वाले लक्षण मौजूद होते हैं, इसी कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक होने का लोगों में ज्यादा खतरा है। पूरे भारत में स्थिति बहुत गंभीर होती जा रही है। देश भर में खान-पान ठीक ना होने के कारण उच्च रक्तचाप के रोगियों में लगातार वृद्धि होती जा रही है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में उच्च रक्तचाप की समस्या ज्यादा पाई जाती है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसन एवं स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ में तैनात डॉक्टरों की टीम का कहना है कि 15 से 49 वर्ष के आयु वर्ग में पुरुष उच्च रक्तचाप का प्रसार बराबर आयु की महिलाओं की तुलना में अधिक है। उन्होंने बताया कि 45 प्रतिशत भारतीय वयस्क उच्च रक्तचाप से ग्रस्त मिले जबकि 30 फीसदी को निदान और नियंत्रण के अभाव से उच्च रक्तचाप था। उच्च रक्तचाप से पीड़ित युवा और उम्रदराज आबादी दोनों के साथ हमारे सामने एक बड़ा स्वास्थ्य संकट मौजूद है। शोध में पाया गया है कि 60 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों का वजन कम है।ऐसे में देखा जाए तो अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी पड़ेगी ,बदलते मौसम में बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, लोगों को फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए और सुबह शाम लंबी सैर की आदत डालना जरूरी है ,यदि आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए और नियमित दवाई का सेवन करना भी चाहिए। उच्च रक्तचाप के कारणों पर नजर डाली जाए तो साफ स्पष्ट है कि लोगों ने मेहनत वाला काम करना छोड़ दिया है , महिलाएं भी अब घरों के काम में रुचि नहीं लेती। पहले कपड़े धोने, पानी भरने जैसे मेहनत वाले काम महिलाएं किया करती थी जिससे उनका पर्याप्त व्यायाम हो जाता था। पुरुष भी काम पर पैदल या साइकिल से जाया करते थे।यह काम अब कम होने लगे हैं। लोगों में शराब की लत पहले से ज्यादा बढ़ रही है । पहले लोग दूध ,लस्सी, मक्खन खाया करते थे लेकिन अब यह गांव में भी लुप्त होता जा रहा है,इसी कारण अब यह बीमारी घर घर में दस्तक दे रही है ।(विनायक फीचर्स)

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

-ललित गर्ग-

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्माये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दर्शाते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

मंदिर में चोरी मामले में पुलिस चौकी टीम ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार-पुलिस उपायुक्त

चोरी के 16000 रुपए व वारदात में प्रयोग मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद-2 अप्रैल। सुनील कुमार जांगड़ा. पुलिस उपायुक्त, एन आई टी के दिशा निर्देश पर कार्यवाही करते हुए पुलिस चौकी सेक्टर 55 की टीम ने मंदिर में चोरी की वारदात को सुलझाते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विजय सिंह वासी सेक्टर 56 फरीदाबाद ने पुलिस चौकी सेक्टर 55 में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 14 मार्च को उसके घर के पास स्थित मंदिर से कोई नामालूम दान पेटी चोरी करके ले गया, जिस शिकायत पर थाना सेक्टर 58 में चोरी का मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस चौकी सेक्टर 55 किस टीम ने कार्रवाई करते हुए जनकल्याण समिति मंदिर से दान पेटी व रुपए चोरी करने के मामले में अरबाज, अरशद वासी गांव मादलपुर तथा आकिब खान वासी गांव फतेहपुर तगा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से चोरी के 16000, दान पेटी व वारदात में प्रयोग मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से सेक्टर 55 के मंदिर में भी चोरी करने की एक और वारदात का खुलासा हुआ है। आरोपियों का पूर्व में भी अपराधिक रिकॉर्ड है। जिनको पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

सरकार ने दिव्यांग पेंशन के लिए 21 गंभीर बीमारियों को शामिल करने का लिया फैसला -उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट

-योजना का लाभ लेने के लिए सभी स्रोतों से वार्षिक आय होनी चाहिए तीन लाख रुपए

-गलत तरीके से पेंशन लाभ लेने पर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ की जाएगी रिकवरी -

पलवल, 2 अप्रैल। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि हरियाणा दिव्यांग पेंशन रूल्स-2025 के तहत हरियाणा सरकार की ओर से प्रदेश में अब 21 गंभीर बीमारियों को दिव्यांग पेंशन की श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया है। सरकार की ओर से थैलेसीमिया, हीमोफीलिया के रोगों से ग्रस्त मरीजों के साथ ही अब मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रोग से ग्रस्त मरीजों को भी दिव्यांग पेंशन पेंशन दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के मरीज ही दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के हकदार होंगे। वह हरियाणा का निवासी एवं आवेदन करते समय तीन वर्ष से हरियाणा में रह रहा होना चाहिए। आवेदक की सभी स्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया है। इनमें चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग, कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, अंधापन, कम दृष्टि, श्रवण दोष, वाणी और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मानसिक बीमारी, दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी बीमारी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल सेल रोग, बहु विकलांगता, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, एसिड अटैक पीड़ित एवं बौना आदि विकार शामिल हैं। इन बीमारियों से संबंधित पात्र व्यक्तियों को दिव्यांग पेंशन का लाभ प्रदान किया जाता है। दिव्यांग पेंशन का लाभ लेने के लिए सिविल सर्जन कार्यालय से 60 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होता है। इस दिव्यांगता प्रमाण-पत्र को परिवार पहचान पत्र में अपडेट करवाकर दिव्यांग पेंशन बनवाई जा सकती है।

दिव्यांग पेंशन नियम में संशोधन की अधिसूचना जारी - सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग की ओर से हरियाणा दिव्यांग पेंशन नियम में संशोधन की अधिसूचना जारी कर दी गई है। दिव्यांग पेंशन ले रहे मरीज ठीक हो गए हैं या नहीं, इस संबंध में सिविल सर्जन द्वारा थैलेसीमिया और हीमोफीलिया प्रमाण पत्रों का हर साल सत्यापन किया जाएगा। राज्य सरकार से दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ उठाने के लिए रोगी का हरियाणा का मूल निवासी होना आवश्यक है। साथ ही रोगी 3 साल से हरियाणा में रहता हुआ भी होना चाहिए। हरियाणा प्रदेश में 60 फीसदी से अधिक दिव्यांगों को पेंशन का प्रावधान है। योजना के अंतर्गत लाभ की दर 3000 रूपए प्रति माह या सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधन अनुसार की जाएगी।

योजना के तहत गलत लाभ लेने पर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ की जाएगी रिकवरी -उपायुक्त ने बताया कि यदि यह पता चलता है कि लाभ झूठे आधार पर या गलत जानकारी पर प्राप्त किया गया था, तो जिला समाज कल्याण अधिकारी को लाभ रोकने का अधिकार है। ऐसे मामलों में, भुगतान की गई राशि प्रति वर्ष 12 प्रतिशत ब्याज के साथ बकाया के रूप में वसूल की जाएगी। निदेशक, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग हरियाणा विकलांग व्यक्ति पेंशन योजना, नियम 2025 के ओवरऑल इंचार्ज होंगे तथा इसके उचित प्रवर्तन और लेखा प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक निर्देश उनके द्वारा समय-समय पर जारी किए जा सकते हैं।

जयराम विद्यापीठ में दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ मां दूर्गा के विभिन्न स्वरूपों का हुआ पूजन

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक। कुरुक्षेत्र, 2 अप्रैल -देशभर में फैली जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से जयराम विद्यापीठ में नवरात्रों के अवसर पर विद्वान ब्राह्मणों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा निरंतर श्री दुर्गा सप्तशती पाठ अनुष्ठान किया जा रहा है। नौ दिवसीय नवरात्र दुर्गा पाठ अनुष्ठान करवा रहे आचार्य प्रतीक शर्मा ने बताया कि मां दुर्गा को शक्ति की देवी कहा जाता है। दुर्गा सप्तशती पाठ को सनातन धर्म में बेहद शक्तिशाली वर्णित किया गया है। इस अनुष्ठान से बिगड़े हुए ग्रहों की स्थिति को सही किया जा सकता है और सौभाग्य इस विधि के बाद साथ देने लगता है। आचार्य प्रतीक ने बताया कि वेदों में दुर्गा सप्तशती पाठ अनुष्ठान की महिमा के बारे में यहाँ तक बोला है कि अनुष्ठान के बाद दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं। इसी अवसर पर चौथे दिन अनुष्ठान के उपरांत कन्या पूजन किया गया। विद्यापीठ में ब्रह्मचारी और ब्राह्मण नियमित दुर्गा सप्तशती पाठ कर रहे हैं। इस अवसर पर सत्यवान ब्रह्मचारी, केके कौशिक इत्यादि भी मौजूद रहे। जयराम विद्यापीठ में नवरात्र अवसर पूजन करते हुए ब्रह्मचारी एवं ब्राह्मण।

डिजिटल अरेस्ट कर 40 लाख रूपये ठगी मामले में खाताधारक आरोपी महिला गिरफ्तार:सीपी सतेंद्र कुमार गुप्ता

फरीदाबाद-2 अप्रैल। सुनील कुमार जांगड़ा. पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा फरीदाबाद में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए साइबर अपराध में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने के दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए साइबर थाना एन आई टी की टीम ने एक महिला आरोपी नीलम को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस प्रवक्ता ने बतलाया कि 10 जनवरी को पोर्टल के माध्यम से फरीदाबाद की ग्रीन वैली में रहने वाली एक महिला की साइबर फ्रॉड की शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें उसने बतलाया कि उसके मोबाइल नंबर पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। जिसने अपने आपको TRAI का कर्मचारी बताया, ठग ने शिकायतकर्ता से कहा कि उसके फोन नंबर का उपयोग लोगों से जबरन वसूली करने के लिए किया जा रहा है। फिर कॉल करने वाले ने शिकायतकर्ता की पुलिसकर्मी से बात कराई। पुलिसकर्मी ने शिकायतकर्ता को बताया कि उसके आधार नंबर का उपयोग केनरा बैंक मुंबई में एक खाता खोलने के लिए किया गया है, इस खाते में लगभग 6 करोड़ का अवैध लेनदेन किया गया है। ठगो ने शिकायतकर्ता पर दबाव बनाते हुए कहा कि आपके विरुद्ध एक व्यक्ति ने शिकायत दे रखी है और उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, कि आपके खाते में अवैध धन आया है, इन अवैध गतिविधियों पर मुंबई में कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए हैं और संपत्ति जब्ती के लिए भी वारंट जारी किये है। ठगो ने शिकायतकर्ता के पास मामले के संबंध में वारंट भी भेजे। ठगो के द्वारा शिकायतकर्ता को 11 से 29 नवंबर तक हाउस अरेस्ट रखा और शिकायतकर्ता के साथ 40 लाख रुपए का फ्रॉड किया। जिस पर साइबर थाना में मामला दर्ज किया गया।

केन्द्रीय श्रम मंत्रालय की सेवानिवृत महिला अधिकारी से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 40 लाख की धोखाधडी करने के मामले में थाना साइबर अपराध की टीम ने एक महिला आरोपी नीलम वासी अजमेर राजस्थान को अजमेर से गिरफ्तार किया है।

आरोपी महिला ने पूछताछ में बताया कि वह दाई मां का काम करती है तथा एम ए की पढ़ाई की हुई है, उसने कमीशन के लालच में आकर अपना खाता आरोपी रिषिकेश को बेच दिया था, इस खाते में ठगी के 30 लाख रूपये आये थे । आरोपी रिषिकेश सहित 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अधिक पूछताछ के लिए महिला आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर 4 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे

पानीपत/समालखा,(चुघ) भेदी नजर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में बीजेपी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को दो बड़ी सौगातें देंगे जिसमें हिसार स्थित एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा और यमुनानगर में 800 मेगावाट बिजली की यूनिट का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री का दिल खोलकर स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व स्तर पर भारत की पहचान को मजबूत किया है और एक विजन लेकर विकसित भारत के मिशन में लगे हैं। प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार विकसित भारत विकसित हरियाणा की तर्ज पर तीन गुना तेजी से विकास कार्यों को कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर कार्यक्रम की तैयारी और व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। आगामी 5 तारीख को रोहतक में प्रदेश के सभी मंत्रियों, विधायकों और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित कर पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बिल पेश करने जा रही है जिसके लागू होने से वक्फ बोर्ड को लेकर कोई भी डिस्प्यूट नहीं रहेगा।मुख्यमंत्री ने मंडी में फसलों की आवक को लेकर कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। फसल की आवक को लेकर मंडियों में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि 48 घंटे में उठान करवाना सुनिश्चित करें और निश्चित अवधि में किसानों के खाते में फसल का पैसा भी भेजना सुनिश्चित करें। अधिकारी मंडियों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं भी देना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्रों की बधाई दी और लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की भी कामना की। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा व अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

सरकार लाना चाहती है वक्फ कानून में पारदर्शिता, सभी को मिलेगा फायदा, विपक्ष कर रहा गुमराह - सुभाष चंद्र

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर

करनाल, 2 अप्रैल -स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाईस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करते हुए कहा है कि वक्फ संसोधन बिल से सिर्फ वो मुसलमान परेशान हैं जो खुद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर कब्जा किए बैठे हैं।

करनाल में मीडिया से बातचीत में सुभाष चंद्र ने कहा कि यह बिल वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और प्रबंधन में सुधार करेगा। उन्होंने कहा कि इस बिल में संशोधन का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि

मस्जिदें या संपत्तियां छिन जाएंगी। उन्होंने कहा कि जेपीसी में चर्चा के बाद बड़ी तसल्ली से यह बिल लाया गया है। केंद्र सरकार जो भी करने जा रही है वह संविधान के दायरे में ही होगा कोई भी असंवैधानिक कार्य नहीं किया जाएगा, इस बारे में मुस्लिम समाज पूरी तरह निश्चिंत रहे। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास ही मोदी सरकार का नारा है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि केंद्र सरकार जो बिल लेकर आई है वह सभी गरीब मुसलमानों के हित में होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि संशोधन के बाद वक्फ के काम में पारदर्शिता आएगी। जो संशोधन बिल आया है वो वक्फ की समस्त धार्मिक सम्पत्ति के हित में होगा और सरकार की भी मंशा यही है। उन्होंने बिल को मुस्लिमों के लिए फायदेमंद बताया। वाईस चेयरमैन ने कहा कि यह बिल वक्फ बोर्ड में सुधार लाकर हाशिए पर पड़े मुस्लिमों को लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि इस बिल के पास होने से गरीब मुसलमानों के जीवन में सुधार आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस बिल में सुधार से वक्फ बोर्ड में चल रहे झगड़े और विवादों का निपटारा भी आसानी से हो पाएगा। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मोदी सरकार सबके हित में इस बिल को लेकर आई है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने परीक्षण वैन की रवाना

15 अप्रैल तक ग्राम पंचायतों में पेयजल गुणवत्ता की करेगी जांच

पलवल, 2 अप्रैल। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से प्रदेश के सभी जिलों में मोबाइल जल परीक्षण वैन के माध्यम से ग्राम पंचायतों में पीने के पानी के सैंपल लेकर मौके पर ही उसकी केमिकल जांच की जा रही है। इसी कड़ी में अप्रैल माह में जिला के गांवों में मोबाइल वैन के माध्यम से पीने के पानी की जांच की जाएगी। बुधवार को विभाग के कार्यकारी अभियंता हेमंत कुमार ने विभाग परिसर में मोबाइल जल परीक्षण वैन को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मुख्यालय के दिशा-निर्देशानुसार पीने के पानी की जांच व आम जनता को पानी की शुद्धता के प्रति सजग करने के लिए मोबाइल लैब गांव-गांव जाकर पानी के सैंपल लेकर जांच करेगी। जिला सलाहकार कुसुम जांगड़ा में जानकारी देते हुए बताया कि पीने के पानी के स्रोत का गांव में जाकर मौके पर ही टेस्ट किया जाएगा, ताकि आमजन को स्वच्छ पीने का पानी मिल सके, जिसमें मुख्य रूप से पीएच, एल्कलेनिटी, टी.डी.एस., हार्डनेस, रेज्यूअल क्लोरीन, नाइट्रेट फ्लोराइड, टर्बिडिटी व माइक्रोबायोलॉजिकल मानकों को जांच की जाएगी। जिला सलाहकार ने बताया कि यह मोबाइल वैन 15 अप्रैल तक पीने के पानी को मौके पर ही जाकर जांच करेगी। वॉटर टेस्टिंग मोबाइल लैब एक दिन में 7 ग्राम पंचायतों की विजिट करेगी।

कन्या भ्रूण हत्या की सूचना देने पर मिलेगा 1 लाख का इनाम, गुप्त रखा जाएगा सूचना देने वाले का नाम - उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट

● पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर है कैद और जुर्माने का प्रावधान

पलवल, 2 अप्रैल। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों की सही सूचना देने पर सरकार द्वारा एक लाख रुपए का इनाम दिया जाता है। कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार व प्रशासन की ओर से कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत पंजीकृत सेंटर संचालक व डॉक्टर द्वारा पहली बार गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर 3 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना तथा इसके उपरांत पुन- जुर्म करने पर 5 साल कैद और 50 हजार रुपए जुर्माना का प्रावधान है। पति/परिवार के सदस्य या लिंग चयन के लिए उकसाने वाले व्यक्ति के लिए एक्ट में पहले अपराध पर 50 हजार रुपए तक के जुर्माने के साथ 3 साल तक की कैद तथा इसके उपरांत पुन- अपराध करने पर एक लाख रुपए तक जुर्माने के साथ 5 साल तक की कैद का प्रावधान एक्ट में किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोप तय होने पर डॉक्टर का मेडिकल रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अपराध के मामले में राज्य मेडिकल काउंसिल द्वारा डॉक्टर के मेडिकल पंजीकरण को 5 साल के लिए तथा इसके उपरांत अपराध के मामले में स्थायी रूप से मेडिकल पंजीकरण को रद्द कर दिया जाएगा।

जिला का लिंगानुपात बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर करने होंगे सामूहिक प्रयास -उपायुक्त

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिलावासियों से पलवल जिले के घटते लिंगानुपात को फिर से बढ़ाकर जिला को लिंगानुपात के मामले में पुन- पहले पायदान पर लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लिंगानुपात को बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि बेटियां अनमोल हैं और इन्हें भी दुनिया में आने का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि केवल बालिका दिवस व महिला दिवस मनाने से कन्या भ्रूण हत्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए हम सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। जिस दिन हम अपनी बेटियों को बेटों के बराबर समझने लगेंगे व बेटियों को बेटों के समान दर्जा देने लगेंगे उस दिन कन्या भ्रूण हत्या अपने आप समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक कानूनी अपराध होने के साथ-साथ सामाजिक अपराध भी है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज किसी भी मामले में बेटों से पीछे नहीं हैं। इसलिए उन्हें घर की चारदीवारी से बाहर निकलने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए, ताकि वह भी अपने पैरों पर खड़ी हो सके। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सोच बदलनी होगी।

भ्रूण हत्या व लिंग जांच की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड सेंटर का पीएनडीटी रजिस्ट्रेशन तुरंत प्रभाव से होगा रद्द -

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि यदि कोई अल्ट्रासाउंड सेंटर भ्रूण हत्या व लिंग जांच की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो अल्ट्रासाउंड सेंटर का पीएनडीटी रजिस्ट्रेशन तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा और आरोपी के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि यदि कोई गर्भवती महिला नकली ग्राहक बनकर भ्रूण हत्या व लिंग जांच करने वालों को पकड़वाने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करती है तो उस महिला को 50000 रुपए दिए जाते हैं तथा उसका नाम भी पूर्ण रूप से गुप्त रखा जाता है। उन्होंने आमजन से भ्रूण हत्या व लिंग जांच के बारे में सूचना देकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करने की अपील की है।

कन्या भ्रूण हत्या है महापाप - उपायुक्त उपायुक्त ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या महापाप है, जिसका कोई प्रायश्चित नहीं है। पुत्र की चाह में कई दंपत्ति भ्रूण लिंग परीक्षण कराकर कन्या भ्रूण होने पर गर्भपात जैसा जघन्य पाप कर देते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को जन्म लेने दें और उनका पालन पोषण अच्छे से करें। बेटियां किसी भी सूरत में बेटों से कम नहीं हैं यह मानें। इसके लिए सभी को संकल्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि बेटियों को बचाना है और पढ़ाना है। लड़कियों का जन्म दर का अनुपात लगातार कम होता जा रहा है, यह चिंता का विषय है। लड़कियां देश का भविष्य है इसलिए कन्या भ्रूण हत्या करना व करवाना पाप तथा कानून अपराध है। आज बेटियों ने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता अर्जित कर अपने परिवार, समाज व देश का नाम रोशन किया है। हमें भारत सरकार की बेटी-पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी मुहिम को आगे बढ़ाना होगा तभी लिंगानुपात में सुधार होगा।

आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी - उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट

● उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट ने जिलावासियों से जल संरक्षण अभियान में बढ़चढक़र भागीदारी करने का किया आह्वान

पलवल, 2 अप्रैल। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिलावासियों से भू-जल स्तर में सुधार लाने और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन हेतु केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित किए जा रहे 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान में बढ़चढक़र भागीदारी करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से ''जल संचय जन भागीदारी -जन जागरूकता की ओर' थीम के साथ जल शक्ति अभियान कैच दी रेन के छठे संस्करण की शुरूआत की गई है, जिसे सफल बनाने के लिए सभी मिलकर आगे आएं। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान के तहत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, जियो-टैगिंग और सभी जल निकायों की सूची बनाना, वैज्ञानिक संरक्षण योजनाओं की तैयारी, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्र स्थापित करना,गहन वनरोपण और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। हमें जल की एक-एक बूंद को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल संचय जन भागीदारी अभियान की शुरुआत जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के साथ-साथ भारत सरकार ने जल शक्ति अभियान, अटल भूजल योजना सहित कई कार्यक्रम लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना है। यह सामूहिक प्रयास प्रभावी भागीदारी, टिकाऊ प्रथाओं और व्यापक जागरूकता के माध्यम से भारत के लिए जल-सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। सरकार की ओर से जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पलवल जिला में 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान का सफल क्रियान्वयन करवाने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की सतत मॉनिटरिंग करने की बात कही।

लाभार्थियों को शीघ्र पेंशन उपलब्ध करवाने के लिए जल्द कार्रवाही करें अधिकारी- उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ट ने समाधान शिविर में सुनी आमजन की शिकायतें

पलवल। हरियाणा सरकार की पहल 'होगा हर शिकायत का निदान' के तहत और उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में प्रत्येक कार्य दिवस को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल के लघु सचिवालय स्थित सभागार में व्यवस्थित रूप से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को पलवल में लगाए गए समाधान शिविर में नागरिकों ने उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका संबंधित विभागीय अधिकारियों से मौके पर ही समाधान करवाया। उन्होंने पेंशन लाभार्थियों को जल्द से जल्द पेंशन उपलब्ध करवाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए बताया कि समाधान शिविर में एक ही छत के नीचे सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं, इसलिए आमजन समाधान शिविरों का पूरा लाभ उठाते हुए अपनी शिकायतों का निदान करवाएं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों की फसलों के बीमा हेतु जहां फसलों की कटाई रह गई है वहां सर्वे कराने के आदेश दिए।

हथीन के पूर्व विधायक प्रवीण डागर ने समाधान शिविर में ग्राम मंडकोला से संबंधित समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने पूर्व विधायक द्वारा रखीं गई समस्याओं को सुनते हुए उचित समाधान का आश्वासन दिया। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों सहित जिलावासियों से आह्वान किया कि वें साइक्लोथॉन 2.0 के लिए पंजीकरण कर इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें। आज जिला व उपमंडल स्तर पर लगाए समाधान शिविरों में अवैध कब्जे, अवैध अतिक्रमण, फैमिली आईडी, पेंशन ,पेयजल व पुलिस सहित अन्य विभागों से संबंधित 34 शिकायतें आई, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया। वहीं लंबित रहीं शिकायतों के शीघ्र निवारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर एसडीएम ज्योति, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा, जिला राजस्व अधिकारी बलराज दांगी ,तहसीलदार प्रेम प्रकाश सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सौंपा मांगपत्र-डॉ एस पी अग्रवाल

प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के उद्योगों के लिए कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे तथा सुझाव

गुरुग्राम.2 अप्रैल। सुनील कुमार जांगड़ा. प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री,के चेयरमैन दीपक मैनी ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री को विभिन्न स्तर पर मांग पत्र सोपा जिसमें इंडस्ट्रियल प्लॉट्स आवंटन -उन औद्योगिक समूहों/लघु उद्योगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिनकी इकाइयां 5 साल से अधिक समय से चल रही हैं या जो पहले से उद्योग चला रहे हैं या किराए के परिसर में काम कर रहे हैं। उन्हें सस्ती दर पर प्लॉट्स आवंटित किए जाए, पहले यही व्यवस्था थी, लेकिन पिछले कुछ समय से व्यवस्था बदल गई है और ई-नीलामी शुरू हो गई है, जिससे जरूरतमंद वंचित रह जाते हैं और प्रॉपर्टी डीलर और निवेशक प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लेते हैं, जो गलत प्रथा है। उद्योगों के विस्तार और विकास के लिए यह बहुत जरूरी है। क्योंकि औद्योगिक इकाइयां न केवल सरकार को राजस्व देती हैं, बल्कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार देकर राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अगली कड़ी में पीएफटीआई राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन डॉ. एस. पी. अग्रवाल ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों से शराब के ठेके हटाना-औद्योगिक क्षेत्रों में शराब के ठेकों की उपस्थिति न केवल कार्यक्षेत्र की गरिमा को प्रभावित करती है, बल्कि यह दुर्घटनाओं और विवादों को भी जन्म देती है। कई श्रमिक ड्यूटी के समय या लंच ब्रेक के दौरान शराब का सेवन करते हैं, जिससे उनकी उत्पादकता में कमी आती है और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ती हैं। ऐसे में औद्योगिक क्षेत्रों से शराब के ठेकों को तुरंत हटाने का निर्णय लिया जाना चाहिए।

उद्योगों में पुलिस की गैर जरूरी दखलअंदाजी बंद की जाए -अगर किसी उद्योग का कोई कर्मचारी पुलिस थाने जाता है तो मालिक को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है, जबकि मालिक का इसमें कोई दखल नहीं होता और कई बार तो यह पुलिस का मामला भी नहीं होता, लेकिन फिर भी पुलिस मालिक पर थाने में आने का अनावश्यक दबाव बनाती है। अगर लेबर से जुड़ी कोई समस्या है, तो उसके लिए लेबर डिपार्टमेंट है। अगर कोई आपराधिक गतिविधि है तो अलग बात है, पूछताछ या सहयोग के लिए बुलाया जा सकता है, उत्तर प्रदेश सरकार ने भी इस संबंध में अधिसूचना जारी की है, ताकि प्रधानमंत्री के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के सपने को पूरा करने में कोई बाधा न आए। ऐसी अधिसूचना हरियाणा सरकार को भी जारी करनी चाहिए।

उद्योगों के विकास के लिए उद्योग कल्याण बोर्ड का गठन -उद्योगपतियों की समस्याओं के समाधान तथा उनके कारोबार को बढ़ाने में मदद के लिए एक बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए, इस बोर्ड के जो भी प्रतिनिधि हो वह औद्योगिक इकाइयों से संबंधित ही होने चाहिए, उद्योगों की सहायता के लिए प्रत्येक शहर में एक सपोर्ट सेंटर स्थापित किया जाए। जो उद्योगों से जुड़े प्रश्नों, समस्याओं के निवारण और मार्गदर्शन के लिए एक संपर्क बिंदु के रूप में कार्य कर सके और उन चुनौतियों को समझने में मदद मिल सके जिसका सभी वर्तमान में सामना कर रहे हैं। उद्योगपतियों को निर्यात को बढ़ावा देने में आ रही समस्याओं तथा सरकार द्वारा समय-समय पर चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा सके।

नगर निगम में उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी-गुरुग्राम जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र में नगर निगम के निर्णयों का उद्योगों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में, हर नगर निगम में औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को मनोनीत पार्षद के रूप में नामांकित करना चाहिए, ताकि उद्योगों की समस्याओं और जरूरतों को सीधे नगर निगम के सामने रखा जा सके और उनका समाधान हो सके।

गुरुग्राम नगर निगम की कार्य प्रणाली में सुधार लाना -नगर निगम की कार्यप्रणाली में सुधार लाना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर काम के लिए समय सीमा तय होनी चाहिए और अगर काम समय पर नहीं होता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए एक ऐप बनाया जाए जिसके माध्यम से विभागों के विरुद्ध शिकायत की जा सके तथा समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जाए कि समस्या का समाधान हुआ है या नहीं। यदि समाधान नहीं हुआ है तो इसका कारण क्या है।

सफाई व्यवस्था को ठीक करना -कचरा निस्तारण समस्या के समाधान के लिए व्यापक खाका तैयार किया जाना चाहिए, अभी तक सारा काम सिर्फ कचरा एकत्र कर उसे दूसरी जगह डंप करने पर ही केंद्रित रहा है। जैसे सिंगापुर में कचरे से बड़ी मात्रा में बिजली बनाई जाती है, उसी तरह की परियोजना यहां भी शुरू की जा सकती है, हालांकि सिंगापुर की जनसंख्या बहुत कम है और उपलब्ध कचरा भी हमारी तुलना में मात्रा में बहुत कम होगा, लेकिन यहां कई ऐसी परियोजनाएं शुरू की जा सकती हैं जो शहर को बहुत अधिक बिजली भी प्रदान कर सकती हैं। जब तक इसके निस्तारण के लिए किसी परियोजना पर काम नहीं किया जाएगा, तब तक न तो कचरे की समस्या का समाधान होगा और न ही प्रदूषण को रोकना संभव होगा।

बिजली व्यवस्था को ठीक करना -सभी औद्योगिक क्षेत्रों में डी एच बी वी एन का बुनियादी ढांचा बहुत पुराना है और इस कारण मेंटेनेंस और पेड़ों की छटाई के नाम पर लंबे समय तक बिजली कटौती की जाती है। हमारा सुझाव है कि औद्योगिक क्षेत्र की बिजली लाइनों की मरम्मत के लिए अत्याधुनिक पेड़ों की छटाई वाली मशीनें खरीद कर बिजली विभाग को दी जाएं ताकि 4 घंटे की बिजली कटौती को 1 घंटे तक सीमित किया जा सके।

मेट्रो परियोजनाओं का कार्य शुरू करना -हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 37 तक मेट्रो परियोजना का कार्य लंबे समय से रुका हुआ है। यह परियोजना न केवल उद्योगों के लिए परिवहन सुविधाओं को सुगम बनाएगी, बल्कि ट्रैफिक जाम की समस्या को भी काफी हद तक हल करेगी। इस परियोजना को जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए।

उद्योगों के लिए फायर एनओसी के नियमों को आसान बनाया जाए -फायर उपकरण लगाना अनिवार्य होना चाहिए, नगर निगम या हुडा विभाग से अनावश्यक स्वीकृति हह्रष्ट की प्रथा को समाप्त किया जाना चाहिए, नगर निगम या हुडा विभाग की अनावश्यक स्वीकृति एन ओ सी के कारण लोग फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगाते हैं, क्योंकि ये विभाग फायर एनओसी देने में इतने नियम-कायदे लगा देते हैं कि व्यापारी इसे अनावश्यक झंझट समझकर पीछे हट जाता है।जबकि यदि फायर सेफ्टी उपकरण लगा हो तो व्यक्ति अपने साथ-साथ आस-पड़ोस को भी सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नकली नोटों के साथ पकड़े गए दो युवक, फरीदाबाद पुलिस ने किए जब्त

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में फरीदाबाद पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने छापा मारकर दो युवकों से आईएमटी बुखारपुर मोड पर 1.94 लाख के नकली नोट बरामद किए हैं। आईएमटी पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि दो युवक आईएमटी से बुखारपुर जाने वाली सड़क के मोड पर खड़े हुए हैं। यह पंजाब से नकली नोट लेकर आते हैं और यहां पर आपूर्ति करते हैं। इस सूचना के बारे में उपायुक्त फरीदाबाद को जानकारी दी है। उपायुक्त ने सूचना के बाद ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार जयप्रकाश को मौके पर भेजा। पुलिस ने छापा मारकर दो युवकों को दबोच लिया। इनमें से एक युवक विष्णु सुनहरा गांव कामा जिला भरतपुर राजस्थान का रहने वाला है। उसकी पेंट की जेब में से 500 के 188 नोट बरामद किए। कुल 94,000 रुपये थे। वहीं, दूसरा युवक योगेश निवासी महावीर कॉलोनी बल्लभगढ़ का बताया गया है। उसकी पेंट की जेब से 500 के 200 नोट बरामद किए गए हैं। कुल एक लाख रुपये थे। आईएमटी चौकी की पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नकली नोट की आपूर्ति करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

गर्मी में बिजली कटौती की मार! फतेहाबाद के 360 से अधिक गांवों में रोजाना 10 घंटे होगी बिजली सप्लाई बंद

फतेहाबाद, एजेंसी। फतेहाबाद के ग्रामीण इलाकों में गर्मी में बिजली की कटौती की मार झेलनी पड़ेगी। दरअसल, 30 अप्रैल तक दिन के समय में 10 घंटे तक बिजली कटौती होगी। बिजली निगम प्रबंधन की ओर से रबी फसल का सीजन शुरू होने के चलते ग्रामीण इलाकों में बिजली सप्लाई सुबह 8 से शाम 6 बजे तक बंद रखने का फैसला किया गया है। शाम 6 बजे के बाद ही बिजली सप्लाई बहाल होगी।इसको लेकर बिजली निगम के एक्सईएन संदीप मेहता ने कहा कि इस समय गेहूं की फसल पक चुकी है। कई बार बिजली की तारों से स्पार्किंग या अन्य किसी तरह की चिंगारी निकलने पर फसल जलने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस कारण दिन के समय में बिजली सप्लाई बंद रखने का निर्णय लिया गया है। 1 से 30 अप्रैल तक आरडीएस फीडरों यानी घरेलू सप्लाई और ट्यूबवेल यानी एपी फीडरों की सप्लाई सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहेगी।फतेहाबाद जिले में दिन के समय में बिजली कटौती के कारण जिले के करीब 360 गांवों में 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित होंगे। इस आबादी को गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वहीं, ग्रामीण इलाकों में दुकानदारों का कामकाज भी प्रभावित होगा।

सिरफिरे आशिक से तंग आकर युवती ने उठाया खौफनाक कदम, जानकर कांप जाएगी रूह

पानीपत, एजेंसी। पानीपत के अर्जुन नगर में 18 साल की युवती ने सुसाइड कर लिया। दरअसल ये युवती सिरफिरा आशिक से परेशान थी। वह लगातार उसे फोन कर मिलने का दबाव बना रहा था। आखिर में तंग आकर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त लगा ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। युवती की परिवार में मातम का माहौल बना हुआ है। पुराना औद्योगिक थाना पुलिस को दी शिकायत में रेखा ने बताया कि वह अर्जुन नगर के काबड़ी रोड की रहने वाली है। 1 अप्रैल की शाम करीब साढ़े 6 बजे उसकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। पहले उन्हें बेटी के आत्महत्या करने के कारण का नहीं पता चला। लेकिन बाद में युवती का फोन चेक किया। तो तो फोन में अनिल नाम के लड़की की कई बार कॉल आई हुई थी, जिसमें वह अलग-अलग नंबर से उसे धमका रहा था। बहरहाल, युवती की मां की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। वहीं शव का पोस्टमार्टम भी करवाया जा रहा है, अब देखना होगा कि पुलिस की जांच में क्या कुछ खुलासे होते हैं इस मामले पर जांच अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि हमें काबड़ी रोड पर युवती के आत्महत्या करने की सूचना मिली है। जब वे मौके पर पहुंचे तो युवती का भाई और बहन मौके पर थे। युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पलवल पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान निरंतर जारी-एसपी चंद्र मोहन

कोर्ट परिसर में आयोजित वर्कशॉप में साइबर अपराध के प्रकार एवं बचाव बारे किया जागरूक

पलवल. 2 अप्रैल। सुनील कुमार जांगड़ा. माननीय पुलिस महानिदेशक, हरियाणा के प्रति माह प्रथम बुधवार साइबर अपराध के प्रति जागरूकता अभियान चलाने के आदेशों की अनुपालना में पुलिस अधीक्षक पलवल चंद्र मोहन, आईपीएस के निर्देशानुसार अप्रैल 2025 महीने के प्रथम बुधवार साइबर क्राइम थाना पलवल प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार की टीम ने कोर्ट परिसर पलवल में आयोजित वर्कशॉप में साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया। जिला पलवल पुलिस की टीमें पिछले काफी समय से जिले के अधिकतर स्कूलों/कॉलेजों एवं गांवों में इस तरह के जागरूकता अभियान चला चुकी हैं।जागरूकता अभियान के दौरान पी एस आई नरेश कुमार साइबर विशेषज्ञ ने बतलाया कि आज के समय साइबर अपराध चरम पर है आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है। इन्हें रोकने के लिए जागरूक होने की जरूरत है। सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बडे ही चालाक किस्म के हैं जिनसे सभी को बचना होगा। वैसे जिला पलवल में साइबर क्राइम थाना पलवल, साइबर सैल और साइबर हेल्प डेस्क गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है। इसके लिए बड़े सोशल प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। आज जिस तरह से अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध को अपराध का एक सशक्त माध्यम बनाकर प्रयोग किया जा रहा है। उससे बचने के लिए स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करना होगा।

इस दौरान उन्होंने साइबर क्राइम संबंधित संचार साथी पोर्टल तथा टेफको पोर्टल के बारे में भी बताया जिसमें अपना फोन नंबर इंटर करके यह पता लगाया जा सकता है कि एक आदमी के नाम से कितने सिम जारी हुई अगर कोई सिम आपने जारी नहीं करवाई है तो आप उसको उक्त पोर्टल पर रिपोर्ट करके बंद करवा सकते हैं।

*इंटरनेट बैंकिंग, ऑनलाइन फ्राड, वालेट/ और यूपीआई संबंधित धोखाधड़ी से बचना चाहिए।इस दौरान साइबर विशेषज्ञ ने आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ऑनलाइन वित्तीय ठगी से बचाव, फेसबुक हैकिंग, बारकोड के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, व्हाट्सएप हैकिंग से बचाव, फर्जी वेबसाइट से होने वाले फ्रॉड के संबंध में सावधानियां बरतने की सलाह दी। फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल साइट्स से हनी ट्रैप के संबंध में सभी को जागरूक रहने के लिए कहा गया। सिम कार्ड के माध्यम से, एटीएम कार्ड बदलकर, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से, बायोमैट्रिक, क्यूआर कोड स्कैन, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती, फर्जी कॉल, अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल, ऑनलाइन लोन देने वाले ऐप, सोशल मीडिया पर रुपयों की मांग करने वालों से, गूगल से कस्टमर केयर नंबर सर्च करने बारे, यूपीआई संबंधी फ्राड के प्रति एवं साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 बारे भी जागरूक किया गया। जागरूकता। आयोजित वर्कशॉप में डीएलएसए पलवल की सीजेएम. सेक्रेटरी मेनका सिंह तथा उनका स्टाफ, जिला विधिक सेवा पधिकरण के पैनल अधिवक्ता तथा एनजीओ शक्ति वाहिनी से वर्षा व अन्य व्यक्ति शामिल रहे।

जिलावासी साइक्लोथॉन-2.0 में हिस्सा लेने के लिए हरियाणा उदय पोर्टल पर करें रजिस्ट्रेशन

जिला पलवल में 9 अप्रैल को होगा साइक्लोथॉन का आगमन, 10 को होगी रवानगी

पलवल, 2 अप्रैल। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम-थीम के साथ साइक्लोथॉन-2.0 (साइकिल यात्रा) आगामी 9 अप्रैल को जिला पलवल में प्रवेश करेगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने यह जानकारी देते हुए जिलावासियों से बढ़चढक़र साइक्लोथॉन में भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्हांने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 में शामिल होने के लिए सरकार की ओर से रजिस्ट्रेशन लिंक जारी किया गया जिस पर कोई भी व्यक्ति जो इस जन जागरूकता अभियान में भागीदार बनना चाहता है वह रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। उपायुक्त ने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेज, स्कूल, एनजीओ, विभिन्न एसोसिएशन, नशा मुक्ति केंद्र आदि से ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम में शामिल होते हुए इस यात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिले की साइकिल यात्रा में जिले की सक्रिय भागीदारी रहेगी। जिला वासियों से आह्वान किया कि वे https://uday.haryana.gov.in/AntiDrug_Cyclothon लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करें। साइक्लोथॉन 9 अप्रैल को जिला पलवल की सीमा में प्रवेश करेगी। साइक्लोथॉन का जिला में जनभागीदारी के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। साइक्लोथॉन का उद्देश्य नशा मुक्त हरियाणा का संदेश हर घर तक पहुंचाना है और इसके लिए स्थानीय युवाओं, छात्रों, खिलाडिय़ों, और सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं को जोड़ा जाएगा।

यह रहेगा साइक्लोथॉन-2.0 का रूट प्लान -उपायुक्त उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 बुधवार 9 अप्रैल को रेवाड़ी जिला से चलकर पलवल जिला के गांव मंडकोला, मंढ़ेरी, लालवा से होते हुए पलवल क्षेत्र में पहुंचेगी। साइक्लोथॉन-2.0 को गुरुवार 10 अप्रैल को सुबह हरी झंडी दिखाकर फरीदाबाद जिला के लिए रवाना किया जाएगा। साइक्लोथॉन 10 अप्रैल को अलीपुर, पृथला, बल्लभगढ़ व तिगांव होते हुए फरीदाबाद में प्रवेश करेगी।

कॉलेज के बाहर नशीला पदार्थ सुंघाकर महिला को दिन दहाड़े लूटा

गुड़गांव, एजेंसी। आजकल महिलाएं दिन में भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। भीड़भाड़ वाले इलाके में भी अपराधी महिलाओं के साथ वारदात को अंजाम देकर फरार होने में कामयाब हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला गुड़गांव के पालम विहार थाना एरिया में सामने आया है। यहां कॉलेज में ड्यूटी समाप्त कर घर जाने के लिए निकली महिला को बाइक सवार तीन बदमाशों ने दोपहर के वक्त पहले बातों में उलझा लिया और फिर कुछ नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके गहने लूटकर ले गए। होश में आने पर महिला ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। घटना के 15 दिन बाद गुड़गांव पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से बिहार की रहने वाली रूबी देवी ने बताया कि वह गांव कार्टरपुरी में मनोहर के मकान में किराए पर रहती हैं। वह आईटीएम कॉलेज में सफाई का काम करती हैं। 15 मार्च की दोपहर के वक्त वह कॉलेज से ड्यूटी समाप्त कर अपने घर जा रही थी कि कॉलेज के गेट के पास उन्हें तीन युवक मिले जिन्होंने खुद को हरिद्वार से आना बताया। बात करते हुए उन्होंने महिला को नशीला पदार्थ सुंघाया जिससे वह बेसुध हो गई और आरोपियों ने उसके गले से 2 लॉकेट वाली सोने की चेन लूट ली और फरार हो गए। महिला जब होश में आई तो उसने पुलिस को सूचना दी।

ओलंपियन बॉक्सर अमित पंघाल ने की सगाई, नवंबर में होगी शादी

रोहतक, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता एवं ओलिंपियन बॉक्सर अमित पंघाल ने जींद निवासी अंशुल श्योकंद से सगाई कर ली है। दोनों ने एक दूसरे को अंगूठी पहनाकर सगाई की रस्म निभाई। जींद में हुए सगाई समारोह में दोनों पक्षों के माता-पिता समेत परिवार के करीबी सदस्य शामिल रहे। बीकॉम पास अंशुल ने हाल ही में भारतीय वायु सेना की परीक्षा पास की है और रक्षा सेवा में अपना करियर बनाना चाहती हैं।

29 वर्षीय अमित पंघाल भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अमित की ड्यूटी पुणे में है। अमित के स्वजनों के अनुसार अंशुल की मां पीजीआइएमएस रोहतक में चिकित्सक हैं, जबकि पिता बिजनेसमैन हैं। बड़ा भाई विदेश में रहता है।

देश के सफल पुरुष मुक्केबाजों में शामिल रहे अमित पंघाल ने पिछले साल फरवरी में अमेरिका स्थित टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी क्रिटिकल स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ करार करने के बाद पेशेवर बनने का फैसला किया था। हालांकि उन्हें अभी तक अपना पहला पेशेवर मुकाबला नहीं मिला है। अमित पंघाल के पिता विजेंद्र ने बताया कि सगाई समारोह में परिवार के सदस्य शामिल हुए। सभी सदस्यों में खुशी है। दीपावली के आसपास दोनों की शादी की जाएगी।

रोहतक के साथ लगते गांव मायना के निवासी अमित पंघाल अपने बड़े भाई अजय पंघाल को मुक्केबाजी करते देख रिंग में उतरे थे। अजय पंघाल सेना में हैं, लेकिन वो ओलंपिक में नहीं जा सके। अमित ने उनका सपना पूरा किया। गांव में ही कोच अनिल धनखड़ ने रिंग में मुक्केबाजी के पंच सिखाए। देखते ही देखते अमित ने रिंग में बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। 2016 में नेशनल गेम्स में पहली बार गोल्ड मेडल जीता और इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2018 में सेना को ज्वाइन किया था।

कॉमनवेल्थ में सिल्वर और गोल्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर, एशियन गेम्स में गोल्ड, एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज, सिल्वर और गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुके हैं। अमित पंघाल की मां उषा पंघाल गृहणी हैं, जबकि पिता विजेंद्र पंघाल एक छोटे किसान हैं।

अंबाला में 450 पेटी अवैध शराब के साथ ट्रक चालक अरेस्ट, भूसे के बीच छिपा ले जा रहे थे बिहार

अंबाला, एजेंसी। नशे के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक ट्रक को पकड़ लिया है, जो अवैध शराब ले जा रहा था। यह ट्रक अमृतसर से रोहतक के रास्ते बिहार जानी थी। इस ट्रक में 450 पेटी अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को अंबाला के कालू माजरा इलाके से पकड़ा और ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस ने अवैध शराब सप्लाई करने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने जांच अभियान चलाया और इस शराब से भरे ट्रक को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने बताया कि शराब की यह खेप अवैध रूप से पंजाब के अमृतसर से लाई जा रही थी,जो रोहतक ले जाई जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक शराब रोहतक के रास्ते बिहार जानी थी। पुलिस ने पकड़े गए ड्राइवर से पूछताछ शुरू कर दी है और इस अवैध शराब सप्लाई के खेल के तार कहां-कहां जुड़े हैं। इसकी छानबीन में जुट गई है।

एसएचओ ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि एक उत्तराखंड नंबर का ट्रक अवैध शराब लेकर अमृतसर से चला है। जब ट्रक को चैक किया गया तो ट्रक में भूस के कट्टों के नीचे शराब छुपाई हुई मिली। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये ट्रक ड्राइवर ने शुरुआती जांच में खुलासा किया है कि उसे ट्रक अमृतसर से रोहतक ले जाने के लिए 5000 रुपये दिए गए थे। वहीं पकड़े गए ट्रक में 450 पेटी अंग्रेजी शराब भरी हुई थी, जिसमें 250 पेटी मैकडवल्स और 200 पेटी इम्पीरियल ब्ल्यू बरामद हुई है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी को कोर्ट में पेश कर 3 दिन के रिमांड पर लिया गया है और इसमें अभी कई और लोग शामिल होने की आशंका है।

सास-पति ने की विवाहिता की हत्या की कोशिश, 2017 में हुई थी लव मैरिज

पानीपत, एजेंसी। शहर की नलवा कॉलोनी में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या की कोशिश की। दरअसल, पति अपनी पत्नी को जिस्मफरोशी के धंधे में धकेलने चाहता था, लेकिन उसने इनकार किया। तो पति और सास ने जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या की कोशिश की। विवाहिता का पानीपत के सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मामला पानीपत की नलवा कॉलोनी का है। जहां एक पति ने अपनी पत्नी ज्योती को जबरदस्ती जहरीली गोलियां खिलाकर हत्या करने की कोशिश की इतना ही नहीं मां समान सास ने भी अपनी बहू की जीवन लीला समाप्त करने में सहयोग दिया और बहू का मुंह पकड़कर बेटे को मुंह मे जहरीली गोलियां खिलाने को कहा और बेटे ने एक के बाद एक 6 गोलियां मुंह में ठुश दी। पति और सास ने इस वारदात को इसलिए अंजाम दिया क्योंकि ज्योति का पति मुजफ्फरनगर में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का धंधा चला रहा है और वह अपनी पत्नी ज्योति से भी इस स्पा सेंटर में धंधा करवाना चाहता था लेकिन ज्योति ने साफ इंकार कर दिया और स्पा सेंटर पर रेड करवा दी।बस इस बात से नाराज पति और सास ने अपने घर की बहू की हत्या करने की साजिश रच डाली... पानीपत के सिविल अस्पताल में उपचाराधीन पत्नी ज्योति ने बताया कि उनके पति के कई महिलाओं के साथ अवैध संबंध है और कई बार तो अलग अलग लड़कियों को सुनील मेरे कमरे में भी सुला चुका है।

वहीं ज्योति की मां ने बताया कि बेटी का 2 दिन पहले एक्सीडेंट हुआ था इसलिए वह बेटी का हाल चाल जानने पहुंची थी, लेकिन उन्होंने देखा कि ज्योति के हाथ पैर बंधे हुए थे और ज्योति बेहोशी की हालत में थी जिसके बाद उसे पानी पिलाया बेटी को होश आया तो उसने बताया कि सास और पति ने जबरदस्ती कुछ खिलाया है। उसके बाद वह ज्योति को हॉस्पिटल के लिए लेकर चली तो टेम्पो के पास आकर पति सुनील उनके साथ झगड़ा करने लगा और काफी संख्या में लोग इकठ्ठा हो गए। जैसे-तैसे करके वह ज्योती को हॉस्पिटल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने बताया कि कुछ जहरीला पदार्थ खिलाया गया है। ज्योती की मां ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

वहीं, ज्योति के भाई ने बताया कि उनके जीजा सुनील इस वारदात के बाद पानीपत में उनसे मिलने आये थे और धमकी देकर गए है कि या तो इस मामले को खत्म करके समझौता कर लो नहीं तो मुझे तो जेल में जाना पड़ेगा, फिर सबको गोली मारकर जेल में जाऊंगा, पीड़िता के भाई ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के बाद स्नद्बक्र तो दर्ज कर ली है, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की है। उन्होंने कहा कि हमें न्याय नहीं मिला तो हम अंबाला में अनिल विज से भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हम न्याय के लिए अपनी जान तक कुर्बान कर सकते हैं।

संविदा चिकित्सक बनने को पहुंचे 22 अभ्यर्थी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत होगी नियुक्तियां

मथुरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत एमबीबीएस डाक्टरों की संविदा पर नियुक्ति के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा सीडीओ की अध्यक्षता में गठित समिति ने आज साक्षात्कार लिया गया। बुधवार को राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता मे गठित समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में संविदा पर वाक इन इण्टरव्यू के माध्यम से एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों के साक्षात्कार लिया गया। आज साक्षात्कार मे कुल 22 चिकित्सकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। चयन समिति में मुख्य विकास अधिकारी के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका संयुक्त चिकित्सालय वृन्दावन श्रीमती वन्दना एंव जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एन.एच.एम. संजय सिरोही उपस्थित रहें।

23 अप्रैल को लगेगी पेंशन अदालत

मथुरा। 23 अप्रैल को अपराह्न 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पेंशन अदालत आयोजित किया जाना है। विभिन्न राजकीय विभागों से सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों की समस्याओं का निवारण एवं व्यापक प्रचार प्रसार के लिए वरिष्ठ कोषाधिकारी को समन्वयक बनाया गया है। जिन पेंशन भोगियों को पेंशन संबंधी कोई समस्या है तो वह 11 अप्रैल तक अपनी समस्या संबंधी प्रार्थना पत्र दो प्रतियों में वरिष्ठ कोषाधिकारी मथुरा कार्यालय में प्रस्तुत करने का कष्ट करें। आयोजित पेंशन अदालत में केवल वही पेंशन भोगी अपने प्रत्यावेदन के साथ उपस्थित होगें, जिनकी कोई पेंशन संबंधी समस्या हो। पेंशन अदालत में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के क्रम में संबंधित कार्यालयाध्यक्ष भी निराकरण सहित उपस्थित होगें।

सड़क किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

अलीगढ़ , एजेंसी। एटा राजमार्ग पर गांव टोली के समीप मंगलवार की सुबह करीब 8.35 बजे अज्ञात युवक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। युवक के चेहरे और शरीर पर चोटों के निशान थे। अनुमान है कि किसी वाहन की टक्कर से उसकी मृत्यु हुई है।

पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव टोली के पुलिस चौकीदार ने कोतवाली में सूचना दी कि सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। वह जींस और शर्ट पहने हुए था।

मैक्स की टक्कर लगने से बुग्गी टूटी, चालक घायल

लोधा। मंगलवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे गांव अटलपुर के पास मैक्स गाड़ी ने ईंटों से भरी बुग्गी में टक्कर मार दी। इससे बुग्गी टूट गई और बुग्गी चालक घायल हो गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नहरा में भर्ती कराया गया है।

गांव अमरपुर नहरा निवासी जितेंद्र के अनुसार वह ईंट भट्ठों पर अपनी बुग्गी से ईंटें ढोने का काम करते हैं। मंगलवार की दोपहर कच्ची ईंटें बुग्गी में लादकर ईंट भट्ठे के भंडारण क्षेत्र में जा रहे थे। गांव अटलुपर के पास पहुंचे तभी खैर की तरफ से आई तेज रफ्तार मैक्स गाड़ी ने टक्कर मार दी। इससे बुग्गी टूट गई और वह घायल हो गए। पुलिस ने मैक्स गाड़ी सहित चालक को हिरासत में ले लिया है।

अचानक गिरा, ऊपर से निकल गई बुग्गी, मौत

अलीगढ़ , एजेंसी। ईंट भट्ठे से ईंट लादकर ले जा रहा बुग्गी चालक अचानक नीचे गिरा। उसके ऊपर से बुग्गी निकल गई, जिससे उसकी मौत हो गई। कोतवाली खैर के गांव कुंवरपुर निवासी बच्चू सिंह (45) पुत्र सोहन सिंह गांव गिडौरा स्थित ईंट भट्ठे पर अपनी बुग्गी से ईंट ढुलाई का काम करते थे। रोजाना की तरह मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे बुग्गी में ईंटें लादकर भट्ठे के भंडारण क्षेत्र में जा रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह नीचे गिरे और उनके ऊपर से बुग्गी निकल गई।हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही वहां मौजूद लोग तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैर लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर परिवार वाले रोते हुए सीएचसी पहुंचे। सूचना पर गोंडा पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बच्चू सिंह दो भाइयों में बड़े थे। वह अपने पीछे पत्नी ममता, पुत्र सोनू, चार बेटियों सहित पिता सोरन, भाई मुकेश को रोता छोड़ गए हैं।

3 साल में परीक्षा पास नहीं करने वाले छात्रों को मौका

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन तीन साल में परीक्षा पास नहीं कर पाने वाले छात्र-छात्राओं को कैरीफारवर्ड फॉर्म भरने का मौका दिया है। अब ऐसे छात्र परीक्षा आवेदन करके परीक्षा पास कर सकेंगे। कुलपति के आदेश पर मंगलवार को यह निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 अप्रैल से प्रस्तावित हैं। सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि 31 मार्च तय की गई थी। समय कम मिलने के कारण तमाम छात्र-छात्राएं परीक्षा के लिए आवेदन नहीं कर पाएं हैं। ऐसे में छात्र हित को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा आवेदन के लिए तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर 4 अप्रैल कर दिया है। अब छात्र चार अप्रैल तक परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसी तरह ऐसे छात्र-छात्राएं जो तीन साल में स्नातक की परीक्षा पास नहीं सके हैं, उन्हें कैरीफारवर्ड फॉर्म भरने का मौका दिया है। छात्र कैरीफारवर्ड फार्म भरकर परीक्षा पास कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के इन निर्णय से छात्रों को काफी लाभ मिलेगा। तमाम ऐसे छात्र हैं जिनका रिजल्ट पूरा नहीं हुआ है, वह कैरीफारवर्ड परीक्षा देकर पास हो सकेंगे। इस बाबत परीक्षा नियंत्रक डॉ.विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति प्रो.वंदना सिंह के आदेश पर छात्रों को कैरीफारवर्ड फार्म भरने का मौका दिया गया है। साथ ही परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि भी बढ़ाई गई है। सेमस्टर परीक्षाएं 11 अप्रैल से प्रस्तावित हैं। सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन ऑनलाइन करने की तिथि बीत गई, छात्रों के परीक्षा आवेदन आनलाइन नहीं हो सका है। विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा आवेदन के लिए तिथि बढ़ाने की तैयारी में है। परीक्षाएं 11 अप्रैल से प्रस्तावित है।

ग्राहक को पता नहीं, उसके नाम से क्रेडिट कार्ड हो गया जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने एक व्यक्ति के नाम से क्रेडिट कार्ड जारी कर दिया, जबकि इस व्यक्ति को इसका पता ही नहीं था। यही नहीं कार्ड से एक लाख रुपये की निकासी भी कर ली गई। अब इस व्यक्ति के प्रार्थना पत्र पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार त्रिपाठी के न्यायालय ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर को विपक्षियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के अहियापुर कलां निवासी हेमेंद्र प्रताप सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने आवास-विकास कॉलोनी में एक मकान खरीदना तय किया।

12 अगस्त 2024 को शाखा प्रबंधक एचडीएफसी बैंक से उन्होंने होम लोन के लिए वार्ता की तो उन्हें यह जानकारी हुई कि उनका सिविल स्कोर कम है और उनके नाम पर एक क्रेडिट कार्ड जारी है।

उन्होंने शाखा प्रबंधक को बताया कि उन्होंने न तो कभी उनके बैंक में खाता खुलवाया है और न हीं उन्होंने कभी क्रेडिट कार्ड जारी कराया है। उनके नाम से क्रेडिट कार्ड कैसे जारी हो गया और बैंक ने उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। 14 अगस्त 2024 को उन्होंने बैंक के आगरा हेड ऑफिस में प्रबंधक द्वारा बताए गए नाम व मोबाइल नंबर पर उनके नाम से फर्जी जारी हुए क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी की तो उन्हें समस्या के समाधान के लिए आश्वस्त किया गया। उन्हें बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड पर एक लाख रुपये से ज्यादा की निकासी हुई है। बैंक ने उनकी समस्या का समाधान करने के बजाय उनकी ई-मेल आईडी पर 46 हजार रुपये जमा करने के लिए धनराशि सेटलमेंट पत्र डाल दिया।

66 ई रिक्शा, 6 ऑटो के खिलाफ की गई कार्यवाही

39 ई रिक्शा के चालान तथा 27 सीज किये गये

मथुरा। बिना वैध पंजीकरण के सडक पर दौड रहे ई रिक्शा को नष्ट कराया जाएगा। मंगलवार को 66 ई रिक्शा व छह ऑटो के खिलाफ कार्यवाही की गई। शासन के निर्देशों के क्रम में परिवहन आयुक्त द्वारा माह अप्रैल 2025 में अवैध रूप से संचालित ई रिक्शा वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के अनुपालन में एक अप्रैल को अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में राजेश राजपूत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन प्रथम) मथुरा, मनोज प्रसाद वर्मा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन-द्वितीय) मथुरा, अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी (यातायात) मथुरा, संदीप चौधरी यात्रीकर अधिकार मथुरा, शौर्य कुमार, (यातायात निरीक्षक) मथुरा तथा अन्य यातायात निरीक्षकों के साथ संयुक्त टीम द्वारा वृन्दावन मथुरा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित ई रिक्शा एवं अन्य वाहनों के विरूद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। 39 ई रिक्शा के चालान तथा 27 निरूद्ध किये गये। इसके अतिरिक्त छह ऑटो बिना वैध प्रपत्रों के अभियोग में चालान, बंद की कार्यवाही की गयी। इस चौकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों एवं यातायात नियमों का पालन किये जाने हेतु जागरूक किया गया। राजेश राजपूत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन-प्रथम) मथुरा द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी ई रिक्शा चालकों को अपने वाहनों के प्रपत्रों को पूर्ण करा कर ही संचालित करे एवं अपंजीकृत ई रिक्शाओं को डिस्मेंटल नष्ट किया जायेगा एवं उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही भी की जायेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी। यह अभियान पूरे माह नियमित रूप से संचालित रहेगा।

इस महीने संचारी रोगों से निपटेगा स्वास्थ्य विभाग

अप्रैल में चलाया जाएगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

मथुरा। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। जनपद मुख्यालय पर मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी के द्वारा एक रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस रैली में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों आशा कार्यकत्री, एएनएम के साथ साथ बाल विकास सेवा विभाग की आंगनवाडी कार्यकत्रियों, नगर निगम मथुरा वृन्दावन के कर्मचारियों द्वारा बडे पैमाने पर बढ चढ कर भाग लिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के साथ साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी जिला पंचायतीराज अधिकारी श्री अरुण कुमार उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारी; आईसीडीएस श्रीमती बुद्धी मिश्रा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, डॉ अनुज चौधरी, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ रोहिताश तेवतिया एनोडल एनयूएचएम डॉ पीयूष सोनी, जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह, नगरीय मलेरिया अधिकारी डॉ.भूदेव सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ रोहिताश मीना एवं शहरी क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारीगण एवं वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक संतोष तिवारी, मलेरिया निरीक्षक राहुल सिंह सिसौदिया,अनिल कुमार वर्मा, नितिन रस्तोगी, आश्रिता सिंह एवं मलेरिया कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

रैली ने समापन के वाद एक सभा का रूप ले लिया जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संचारी रोगों से वचाव एवं हीट रिलेटिड ईलनेस से बचाव हेतु विस्त्रित दिशा निर्देश दिये गये तथा जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा संचारी रोगों से बचाव हेतु शपथ दिलायी गयी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वीबीडी डॉ अनुज चौधरी द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अन्तर्गत रोगों से बचाव हेतु निम्न उपाय बताये गये-

एयरपोर्ट के मानकों पर होगी बिहारी जी मंदिर क्षेत्र की सफाई

वार्ड 70 में बीबीजी कंपनी संभालेगी सफाई व्यवस्था

मथुरा। मथुरा वृंदावन नगर निगम के वार्ड 70 के अंतर्गत विश्वविख्यात बाँकेबिहारी मंदिर, राधाबल्लभ मंदिर, सेवाकुंज राधारानी मंदिर, निधिवन, राधा दामोदर मंदिर, राधाश्यामसुंदर मंदिर, रासमण्डल सहित वृन्दावन के प्रमुख मंदिर एवं प्रमुख बाजार आते हैं। जहां प्रतिदिन हज़ारों की संख्या में तीर्थयात्री आवागमन करते है। ऐसे वार्ड में पिछले कुछ समय से नालियों का पानी लगातार सड़क पर ओवरफ्लो होना, नालियों की सिल्ट ना निकलना, जगह जगह कूड़ा और गंदगी होना सम्बन्धी समस्याओं का सामना वार्ड के लोगों को करना पड़ रहा था। लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को देखते हुये नगर निगम द्वारा इस नये वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से देश की सबसे बड़ी स्वच्छता कम्पनियों में से एक बीवीजी को वार्ड 70 की सफाई का जिम्मा दिया गया है। बीवीजी वर्तमान में देश की संसद, देश के बड़े एयरपोर्ट, देश के बड़े मंदिरों एवं प्रतिष्ठानों में अपनी सेवाएं दे रही है। वही पार्षद वैभव अग्रवाल ने बताया कि आज दोपहर विद्यापीठ चौराहा से बाँकेबिहारी बाजार, अठखम्भा, बनखण्डी, लोई बाजार, होते हुये निधिवन तक़ बीवीजी के सभी सफाई कर्मचारियों, सुपरवाइजरों एवं नगर निगम के अधिकारियों के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया है। स्थानीय लोगों के द्वारा लगातार सफाई सम्बन्धी शिकायतें मिल रही थीं।

पुलिस के साथ मारपीट की घटना में धरपकड तेज

हमलावरों के घर ताबडतोड दबिश, आधा दर्जन गिरफ्तार

मथुरा। ईद से पहले मोहल्ला निकासा में पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद कार्यवाही तेज कर दी है। हमलावरों के घरों में ताबडतोड दबिश देकर आरोपियों में खलबली मचा दी है। आधा दर्जन हमलावरों को दबोच लिया है। दूसरी ओर आरोपितों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस घर में तोडफोड कर रही है। मोहल्ला निकासा में 27 मार्च को पुलिसकर्मियों को दौडा दौडाकर पीटा था। जैसे तैसे वे लोग जान बचाकर भागे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिससे पुलिस की जमकर फजीहत हुई। मामले में पुलिस ने 24 नामजदों सहित करीब दर्जन भर अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद पिटाई के शिकार हुए तीनों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस ने अब इस घटना में कार्यवाही तेज कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पुलिस की टीमों ने आरोपी हमलावरों के घरों पर उनकी तलाश में दबिश दी।

अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे मोहल्ले में हडकंप मच गया। यह कार्रवाई एक साथ कई घरों पर की गई। जहां से पुलिस ने छह लोग बाबू उर्फ लाला उर्फ सोहिल पुत्र रसीद, आसिक पुत्र रसीद, अब्दुल्ला पुत्र शरीफ, उमर पुत्र मुनन को दबोच लिया। पूरी कार्रवाई से मोहल्ले में भगदड मच गई। उधर वहीं अबरार अहमद, राशिद, मौहम्मद रहीश, नेहा पुत्री रसीद ढल्लावासिया ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी घर में तोडफोड कर रहे हैं। पुलिस ने ऐसे सभी आरोपों को निराधार बताते हुए वांछितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश की बात कही है।

पुलिस ने जलती चिता से निकाला नवविवाहिता का शव

संदिग्ध परिस्थितियों में गर्भवती महिला की मौत का है मामला

मथुरा। राया क्षेत्र के गांव कटैला में अचानक पहुंची पुलिस को देखकर भगदड मच गई, जो लोग मौके पर थे वह भाग निकले। पुलिस ने आनन फानन में जलती चिता से नवविवाहित का शव निकाला।आवश्यक कार्यवाही करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। थाना राया क्षेत्र के गांव कटैला में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। आरोप है कि ससुरालीजनों ने महिला के मायके पक्ष को इस बात की सूचना नहीं दी और मायके पक्ष को बिना बताए महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी महावन धर्मेंद्र चौहान, प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुच गए। जलती हुई चिंता पर पानी डाल कर भूझा दिया गया। मौके पर पहुंची एफएसएल की टीम ने मृतका के अधजले अवशेषों को चिंता से निकाल कर कब्जे में ले लिया। इस की जानकारी नायब तहसीलदार महावन प्रदुमन त्रिपाठी को थाना पुलिस के द्वारा दी गई। नायव तहसीलदार के द्वारा पंचनामा की कार्रवाई करने के बाद मृतक के शव के अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया। थाना अध्यक्ष अजय कौशल ने बताया की गांव कटैला में विवाहित के जलने की सूचना 112 नंबर डायल पर की गई थी। इस मामले में उच्च अधिकारी को अवगत करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बुलन्दशहर निवासी रिया (23) की विपिन कुमार के साथ पांच महीने पहले शादी हुई थी।

यमुना छठ की तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

नगर आयुक्त ने यमुना के घाटों का किया निरीक्षण

मथुरा। नगर निगम मथुरा वृंदावन के द्वारा यमुना जी के अवतरण दिवस यमुना छठ पर्व पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के दृष्टिगत नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा समाज सेवी गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ घाटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि घाटों पर उच्च कोटि की सफाई व्यवस्था हेतु अतिरिक्त क्यूआरटी टीम की तैनाती की जाए, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दोनों ओर बैरीकेडिंग, घाटों के किनारे लगी हुई सभी स्ट्रीट लाइट को चेक करके ठीक कराया जाए, घाटों पर लगे जो पंखे सही नहीं है उसे ठीक कराया जाए, घाटों पर लगे हुए टीन सेट जो सही नहीं है उसकी मरम्मत कराकर ठीक कराया जाए, कूड़ा निस्तारण हेतु बड़े साइज के अर्पण कलश स्थापित किया जाए जिससे घाटों पर फूल माला आदि पूजा सामग्री का निस्तारण सही तरीके से किया जा सके। सभी घाटों के किनारे दीवारों पर पेंटिंग की जाए, दूर से घाटों की सुंदरता बढ़ाने हेतु सभी घाटों में एक ही कलर में फसाड लाइटिंग कराई जाए। रात्रि में अलग अलग स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाया जाए, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था एवं घाटों पर व आने जाने वाले मार्गों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुचारू रखने हेतु सम्बंधित अधिकारियो को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया की यमुना छठ पर्व पर नगर निगम द्वारा की जाने वाली समस्त व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराए। निरीक्षण के दौरान गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, अनिल कुमार अपर नगर आयुक्त, अमरेंद्र गौतम प्रभारी मुख्य अभियंता निर्माण विभाग, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, गोपाल बाबू गर्ग, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी से जितेंद्र सिंह, अवर अभियंता अभियंता जलकल विभाग, राजकुमार लवानिया सफाई एवं खाद्य निरीक्षक आदि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिहार के राज्यपाल पहुंचे लोहवन, कार्यक्रम में हुए शामिल

दो विद्यालयों के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का किया उद्घाटन

मथुरा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। बिहार के राज्यपाल ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसमें विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, निशा उप जिलाधिकारी सदर, आदेश कुमार उप जिलाधिकारी महावन, सुनील दत्त बेसिक शिक्षा अधिकारी और दिनेश कुमार त्रिपाठी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे। इससे पहले बिहार के राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संयंत्रों के आस पास के समुदायों के समग्र विकास को भी उत्प्रेरित करती है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली मार्ग है जिसके माध्यम से हम एक मजबूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। इन स्कूलों के नवीनीकरण में बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे नवीनीकरण, पुनर्निर्माण, छात्र छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालयों के साथ बेहतर स्वच्छता सुविधाएं, पीने के पानी के स्टेशन, आवश्यक कक्षा फर्नीचर आदि प्रदान किया गया है।

श्री खंडेलवाल महिला मण्डल द्वारा सामूहिक गणगौर विसर्जन

मथुरा। श्री खंडेलवाल महिला मंडल के द्वारा आज गणगौर के अवसर पर सामूहिक गणगौर विसर्जन का आयोजन किया गया ।सभी महिलाओं ने घर पर गणगौर की पूजा करी और शाम को गणगौर को पानी पिलाकर सभी बहने अपनी-अपनी गणगौर को लेकर ठाकुर राधा वल्लभ मंदिर गली मेघा में एकत्र हुई वहां से गाजे बाजे के साथ नृत्य और गायन करते हुए स्वामी घाट पहुंची जहां पर सभी ने पहले गणगौर का विसर्जन किया फिर चटपटी चाट का आनंद लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती राज खंडेलवाल ने बताया कि हमारे यहां हमारी संस्कृति में गणगौर पूजन का विशेष महत्व है। जिसको कुंवारी बच्चियां और विवाहित महिलाएं दोनों साथ साथ करती है, उन्होंने गणगौर पूजन विधि में भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर रमा खंडेलवाल, संरक्षिका रजनी खंडेलवाल, सरिता खंडेलवाल, पूजा खंडेलवाल, भावना खंडेलवाल, ममता खंडेलवाल, मौसमी खंडेलवाल, पल्लवी, गुंजन, प्रीति, रश्मी, ऊषा, शिल्पा विशेष रूप से उपस्थित रहीं,अन्त में रमा खन्डेलवाल द्वारा सबको धन्यवाद के साथ क्रार्यक्रम समाप्त हुआ। अन्त में मीडिया प्रभारी श्रीमती प्रीति खंडेलवाल ने सभी बहिनों को धन्यवाद दिया गया।

मुठभेड़ के बाद 50 हजार का इनामी वाहन चोर गिरफ्तार

दोनों पैर में लगी गोल, 13 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

मथुरा। थाना बरसाना पुलिस ने 50 हजार रुपये के ईनामी अंतर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद इसे गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से 13 चोरी की मोटरसाइकिल, तमंचा कारतूस बरामद किये गये। शातिर अन्तर्राज्जीय वाहन चोर साहब सिंह पुत्र दौलत निवासी खोटपुरी थाना कामा राजस्थान को चौकिंग के दौरान गोवर्धन नाला पर चोरी की एक मोटरसाइकिल व एक चाकू तथा मास्टर चाबी के साथ गिरफ्तार किया गया। साहव सिंह की निशादेही पर हरिओम पुत्र जगदीश निवासी ग्राम राकौली थाना बरसाना मथुरा को कमई रोड वन्द ईट भट्ठा से पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्त के द्धारा मिलकर चोरी की गयी कुल 13 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस मुठभेड़ में हरओम की दोनों टागों मे गोली लगी है जिनका सीएचसी बरसाना मे उपचार चल रहा है। हरिओम के विरूद्ध मथुरा जनपद के विभिन्न थानों में डेढ दर्जन के कारीब आपराधिक मामले दर्ज हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल थाना बरसाना, एसआई प्रवीन तेवतिया, एसआई राहुल सिंह, एसआई मंयक, एसआई आकाश चौधरी, एसआई कुंजन चौधरी आदि थे।

छतीसगढ़ की असल खूबसूरती से रुबरू होने के लिए पहुंचे सरगुजा

छतीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। साल 2000 में यह राज्य मध्यप्रदेश से अलग होकर बना था। इसको देश का 26वां राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक, प्राकृतिक विविधता और पारंपरिक इतिहास के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जो जंगलों से घिरा है और लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्थित मैनपाट, बर्नवापारा वन्यजीव अभयारण्य, चित्रकूट, रायपुर और भिलाई जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सरगुजा

सरगुजा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख जिला है, जिसका मुख्यालय अंबिकापुर है। यह राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है। इसके अलावा यह झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा की सीमा के काफी करीब है। सरगुजा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 327 किमी दूर है

सरगुजा का इतिहास

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा इतिहास के बारे में भी जाना जाता है। इसलिए आपको सरगुजा का इतिहास जानना बहुत जरूरी है। रामायण काल में इस स्थान को दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। तो वहीं कई अन्य लोगों का मानना है कि इसको पहले डांडोर के नाम से भी जाना जाता था।

एक अन्य मिथक के मुताबिक मौर्य वंश के आगमन से पहले यह क्षेत्र नंदा वंश के भगवान नंदा वंश के अधीन था। इस क्षेत्र में कई नक्काशी और पुरातन अवशेषों को भी देखा जा सकता है।

इस जगह की खासियत

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यह जिले का करीब आधे से अधिक हिस्सा जंगलों से घिर है। इसकी सीमा पर ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश है।

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यहां के जंगलों में पांडो और कोरवा जैसी आदिवासी जनजातियां रहती हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। पर्यटक यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।

क्यों है इतना खास

पर्यटकों के लिए यह जगह जन्नत मानी जाती है। जो पर्यटक प्रकृति से प्रेम करते हैं, उनके लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। आप यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरियाली, झील-झरने और लुभावने दृश्यों को देखकर खुशी से झूम उठेंगे।

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि सरगुजा में ऐसी कई हसीन और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिन्हें आपको एक्सप्लोर करना चाहिए। आप यहां पर तिब्बत मंदिर, टाइगर पॉइंट, चेंद्रा वॉटरफॉल, महामाया मंदिर, रामगढ़ पहाड़, दुर्गा मंदिर और फिश पॉइंट जैसी धार्मिक और बेहद खूबसूरत जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ओडिशा का जैव विविधता से भरपूर पर्यटन स्थल है भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के कटक जिले में स्थित एक अद्वितीय और अत्यधिक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय स्थल है। यह पार्क अपनी जैव विविधता, सुंदरता और संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। भितरकनिका का नाम ही इसके आंतरिक जीवों और वनस्पतियों की अद्वितीयता को दर्शाता है। यह राष्ट्रीय उद्यान न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का खजाना है, बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण के लिहाज से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह स्थल वेटलैंड्स, मंगलमरीच्य और जंगलों के मिश्रण के कारण जैव विविधता से भरपूर है, जो यहां की वनस्पतियों और जीवों के लिए आदर्श पर्यावरण प्रदान करता है।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान का इतिहास

भितरकनिका क्षेत्र को पहले एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में विकसित किया गया था, लेकिन 1988 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया। यह क्षेत्र भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे महत्वपूर्ण वेटलैंड्स में से एक माना जाता है, और इसे रामसर साइट के रूप में भी पहचाना जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के रूप में चिन्हित किया गया है।

भितरकनिका का जैव विविधता

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र पाए जाते हैं। यहां के मंगलमरीच्य (स्ल्ड्ड्द्द्दह्ल्श्1द्ग स्न्श्न्द्धद्यह्लह्य) और वेटलैंड्स की उपस्थिति इस क्षेत्र को एक अद्वितीय जैव विविधता का केंद्र बनाती है।

1. वनस्पति और जीवों की विविधता

भितरकनिका में उगने वाली प्रमुख वनस्पतियों में मंगल वृक्ष, कुंभि, रिहं, और साल शामिल हैं। यहां के अद्वितीय मंगलमरीच्य वन मछलियों, क्रस्टेशियन्स (जैसे झींगे और केकड़े), और अन्य जलीय जीवों के लिए आदर्श आवास प्रदान करते हैं।

2. पक्षी जीवन

भितरकनिका पक्षी प्रेमियों के लिए भी एक स्वर्ग है। यह राष्ट्रीय उद्यान खासकर प्रवासी पक्षियों का घर है। यहां व्हाइट बेली सीगल, ग्रेटर फलकन जैसे पक्षी सर्दियों के दौरान आते हैं। इसके अलावा, यहां अन्य पक्षियों जैसे पल्टून हेरन, स्पॉटेड ईगल, और किंगफिशर भी पाए जाते हैं। इन पक्षियों की देखभाल और संरक्षण के लिए यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है।

3. क्रोकोडाइल संरक्षण

भितरकनिका में अलिगेटर और गंगा क्यूट की कई प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यह क्षेत्र गंगा क्यूट किंग कोबरा और किंग कोबरा जैसे सांपों और अन्य जल जंतुओं का भी घर है। भितरकनिका में इन प्रजातियों के संरक्षण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

भितरकनिका का प्रमुख आकर्षण

1. किंग क्रोकोडाइल वॉचिंग

भितरकनिका का सबसे बड़ा आकर्षण है यहां के किंग क्रोकोडाइल्स, जो मुख्य रूप से सम्पूर्ण भारत में पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजातियाँ हैं। इन्हें देखने के लिए पर्यटक विशेष नाव सवारी पर जा सकते हैं। यह एक रोमांचक और अद्वितीय अनुभव होता है, क्योंकि आप इन विशालकाय और अद्भुत प्राणियों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं।

2. नाव सवारी

भितरकनिका में नाव सवारी का अनुभव बेहद रोमांचक और सुंदर होता है। आप जंगल की सघनता, नदियों की शांतता और जीवों की अद्वितीयता को नाव की सवारी के दौरान महसूस कर सकते हैं। नाव से आप विभिन्न पक्षियों, जलीय जीवों और क्रोकोडाइल्स को देख सकते हैं।

3. खिरणी और कलिंग बीच

यहां के पास स्थित खिरणी और कलिंग बीच पर्यटकों को समुद्र के किनारे शांति और आराम का अनुभव प्रदान करते हैं। यह स्थान उन पर्यटकों के लिए आदर्श है, जो समुद्र और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं।

भितरकनिका का जलवायु

भितरकनिका का मौसम समशीतोष्ण है। गर्मियों के दौरान यहाँ का तापमान 30-40एष्ट तक पहुँच सकता है, जबकि सर्दियों में यह 15-20एष्ट तक रहता है। मानसून का मौसम यहां जून से सितंबर तक रहता है, जब भारी बारिश होती है और पर्यटकों के लिए यात्रा करना कठिन हो सकता है। इसलिए, भितरकनिका यात्रा के लिए नवंबर से फरवरी तक का समय सबसे उपयुक्त है।

यात्रा के लिए पहुंचने का तरीका

हवाई मार्ग- भितरकनिका का नजदीकी हवाई अड्डा भुवनेश्वर है, जो लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से आप टैक्सी या निजी वाहन द्वारा भितरकनिका तक पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- भितरकनिका का नजदीकी रेलवे स्टेशन कटक है, जो भितरकनिका से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यहां से टैक्सी या बस द्वारा राष्ट्रीय उद्यान तक पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- भितरकनिका सड़क मार्ग से कटक, भुवनेश्वर और अन्य प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। आप निजी वाहन या बस से भी यहाँ पहुँच सकते हैं।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा का एक अनूठा और जैविक रूप से समृद्ध स्थल है, जहाँ पर्यटकों को प्रकृति के करीब जाने और दुर्लभ वन्यजीवों और पक्षियों को देखने का अवसर मिलता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, विविधता और शांति हर किसी को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या वन्यजीवों में रुचि रखते हैं, तो भितरकनिका का दौरा आपके लिए रोमांचकारी साबित होगा।

जोधपुर एक ऐसा शहर है, जिसे भारत का ब्लू सिटी के नाम से जाना जाता है

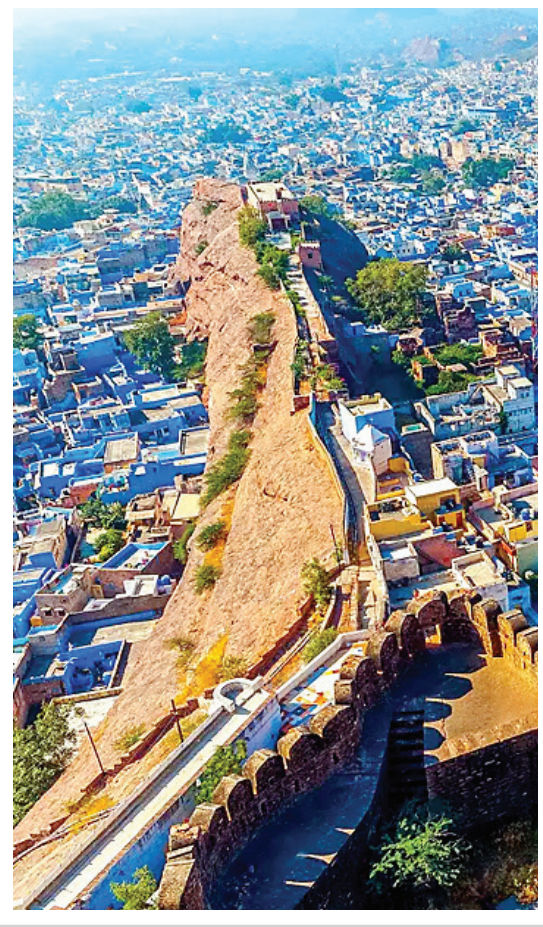

वैसे तो भारत में कई खूबसूरत जगहें मौजूद है। भारत में कई ऐसे राज्य और शहर है जो अपनी खूबसूरती और उसकी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाने जाते हैं। भारत में ब्लू सिटी का नाम आपने जरुर सुना होगा। इस शहर में चारों तरफ नीले रंग के घर, ऐतिहासिक किले और अनोखी संस्कृति के लिए जाना जाता है।

राजस्थान अपनी ऐतिहासिक किले और संस्कृति के लिए जाना जाता है। राजस्थान के दिल में बसा जोधपुर एक ऐसा शहर है, जिसे भारत का ब्लू सिटी के नाम से जाना जाता है। भारत का नीला शहर जोधपुर, राजस्थान राज्य में एक मनमोहक जगह है। यह शहर अपने आकर्षक नीले रंग के घरों के लिए जाना जाता है। जोधपुर शहर इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य कला की दृष्टि से समृद्ध है, जिसमें शानदार मेहरानगढ़ किला काफी सुंदर है। राव जोधा द्वारा 1459 में स्थापित जोधपुर, मारवाड़ क्षेत्र की राजधानी के रूप में कार्य किया और राजपूताना इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज यह एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है और राजसी ठाठ-बाट के लिए नहीं, बल्कि अपनी अनोखी वास्तुकला और नीले रगं के मकान के लिए जाना जाता है।

जोधपुर में घूमने की बेहतरीन जगहें

जोधपुर जिसे ब्लू सिटी और सन सिटी के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान के सबसे आकर्षक स्थलों में से एक है। इस लेख में हम आपको जोधपुर में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मेहरानगढ़ किला

यह किली जोधपुर की सबसे लोकप्रिय ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। ऊंची पहाड़ों पर स्थित यह किला पूरे शहर का शानदार नजारा दिखाता है। इस किले में संग्रहालयों हैं और सुंदर नक्काशी को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

उम्मेद भवन पैलेस

यह एक शानदार महल जो अब एक लक्जरी होटल, संग्रहालय और शाही निवास में गिना जाता है। यह अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। इसमें संग्रहालय, शाही परिवार और पुरानी कारों का इतिहास प्रदर्शित किया गया है।

जसवंत थड़ा

संगमरमर से बना यह स्मारक जोधपुर के राजघराने की याद में बनाया गया था। यह अपनी खूबसूरत नक्काशी और अद्भुत वातावरण के लिए जाना जाता है।

मंडोर गार्डन

मंडोर में खूबसूरत उद्यानों, मंदिरों और ऐतिहासिक स्मारकों के साथ ही आराम करने और राजस्थानी विरासत का आनंद लेने के लिए एक शानदार जगह। यह स्थान जोधपुर के इतिहास से जुड़ी कई कहानियां बयां करती है।

सदर बाजार

अगर आप जोधपुर की ट्रेडिशनल कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आप सदर बाजार जा सकते हैं। यहां पर आपको राजस्थानी हस्तशिल्प, कपड़े, गहने और मसाले मिलेंगे।

सरकारी कंपनी बनी वोडाफोन आइडिया !

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की तीसरी बड़ी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का शेयर आज मार्केट खुलते ही अपर सर्किट में चला गया। बीएसई पर यह सुबह 10 प्रतिशत तेजी के साथ बीएसई पर 7.49 रुपये पर पहुंच गया। सरकार ने कंपनी के 36,950 करोड़ रुपये के बकाया स्पेक्ट्रम पेमेंट को इक्विटी में बदल दिया है। इससे कंपनी पर कर्ज का बोझ कम होगा और वित्तीय हालत सुधरेगी। इस कदम से वोडाफोन आइडिया में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशत से बढ़कर 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। वहीं, प्राइवेट प्रमोटर्स वोडाफोन पीएलसी और आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिस्सेदारी कम हो जाएगी। वोडाफोन पीएलसी

की हिस्सेदारी 16.1 प्रतिशत और आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिस्सेदारी 9.4 प्रतिशत रह जाएगी। हालांकि, कंपनी का कामकाज प्रमोटर्स के हाथ में रहेगा।

सरकार के इस कदम से वोडाफोन को संजीवनी मिलेगी। साल 2023 के बाद यह दूसरा मौका है जब सरकार ने वोडाफोन में अपनी देनदारी को इक्विटी में बदला है। इससे वोडाफोन आइडिया को कैश फ्लो में मदद मिलेगी। सितंबर में भुगतान पर लगी रोक हटने के बाद कंपनी को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे लेकिन अब उसे राहत मिलेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वोडाफोन आइडिया को एफवाय26 की दूसरी छमाही में 29,000 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम और एजीआर बकाया चुकाना है। अब यह कर्ज घटकर 11,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

क्या कह रहे हैं ब्रोकरेज

दिसंबर में खत्म हुए क्वार्टर में वोडाफोन आइडिया के पास 12,090 करोड़ रुपये थे। कंपनी ने ने एक फाइलिंग में कहा है कि संचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में टेलीकॉम सेक्टर के लिए घोषित सुधारों के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी की रकम को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है। यह इक्विटी सरकार को जारी की जाएगी। इसका मतलब है कि सरकार अब कंपनी में हिस्सेदार बन जाएगी। इस खबर के बाद ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सिटी रिसर्च ने वोडाफोन आइडिया पर बाय/हाई रिस्क रेटिंग बरकरार रखी है। उनका कहना है कि सरकार के कंपनी में 48.99 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होगी। उन्होंने शेयर का टारगेट प्राइस 12 रुपये रखा है। इसका मतलब है कि शेयर में 76 प्रतिशत तक का उछाल आ सकता है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सरकार की हिस्सेदारी बढ़ने से कंपनी को फिलहाल वित्तीय मदद मिलेगी। लेकिन कंपनी को अभी भी नया पैसा जुटाने और 4जी और 5जी नेटवर्क बढ़ाने में दिक्कतें आएंगी।

कहां तक जाएगी कीमत

ट्रेंडलाइन के डेटा के अनुसार वोडाफोन आइडिया के शेयर का औसत टारगेट प्राइस 8 रुपये है। इसका मतलब है कि शेयर में 18 प्रतिशत तक का उछाल आ सकता है। 22 एनालिस्ट्स ने इस शेयर को सेल करने की सलाह दी है। टेक्निकली देखें तो स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 35.7 है। यह न्यूट्रल कंडीशन दिखा रहा है। इसका -0.3 है, जो सेंटर लाइन से नीचे है। यह एक नेगेटिव संकेत है। यह स्टॉक अपने 5-दिन, 10-दिन, 20-दिन, 30-दिन, 50-दिन, 100-दिन, 150-दिन और 200-दिन के सिंपल मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। एसएमए एक तरह का एवरेज होता है जो स्टॉक की कीमत को ट्रैक करता है।

नए वित्त साल के पहले दिन आसमान पर पहुंचा सोना, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनेंशियल ईयर के पहले दिन सोना एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा अनुबंध में 677 रुपये की बढ़त हुई और सोने का भाव 90,797 रुपये पर पहुँच गया। यह सोने का अब तक का सबसे ऊंचा भाव है। ट्रेड वॉर को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने के भाव में यह तेजी आई है। चांदी के मई वायदा अनुबंध में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। लेकिन यह 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के ऊपर बना रहा। आज यह 1,00,791 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और इसमें 726 रुपये यानी 0.73प्रतिशत की तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 3,150 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। इस साल सोने की कीमत में 20 फीसदी तेजी आई है।

इससे पहले सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी दोनों में मिला-जुला रुख रहा। सोने का जून वायदा अनुबंध 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 90,717 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी का मई वायदा अनुबंध 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,00,065 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति के ट्रेड टैरिफ से दुनिया भर में आर्थिक विकास की संभावनाओं पर असर पड़ रहा है। इसलिए लोग सुरक्षित निवेश के तौर पर सोना खरीद रहे हैं।

टैरिफ का डर- जानकारों का कहना है कि ग्लोबल इक्विटी मार्केट टैरिफ के डर से जूझ रहे हैं। रूस-यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान को धमकी से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ रहा है। इससे सोने की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। इस सप्ताह डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी ट्रेड टैरिफ के डर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एमसीएक्स

पर सोने के लिए 90,350-90,000 रुपये पर सपोर्ट और 91,040-91,400 रुपये पर रेसिस्टेंस है। चांदी के लिए 99,450-98,800 रुपये पर सपोर्ट और 1,00,800-1,01,650 रुपये पर रेसिस्टेंस है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने को 90,350 रुपये के आसपास खरीदें। इसके लिए 89,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 91,300 रुपये का टारगेट रखें। इसी तरह उन्होंने चांदी को 99,500 रुपये के आसपास खरीदने का भी सुझाव दिया है।इसके लिए 98,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 1,01,000 रुपये का टारगेट रखें।

सोने ने इस साल हर तीसरे दिन नई ऊंचाई को छुआ

देशों के बीच तनाव और टैरिफ के चलते सोने ने इस साल के महज 90 दिनों में 12 फीसदी मुनाफा दिया है। एक जनवरी को 10 ग्राम सोने का भाव 79,390 रुपये था जो अब 92,150 रुपये हो गया है। इस बहुमूल्य धातु ने हर तीसरे कारोबारी सत्र में नई ऊंचाई छुई है। आंकड़ों के मुताबिक, लगातार बारह महीने के आधार पर सोना लगभग 37 फीसदी बढ़कर सोमवार को 3,106 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोने ने 2025 में जो चौंकाने वाली उपलब्धि हासिल की है, वह यह कि महंगे होने के बावजूद इसकी चमक फीकी नहीं पड़ी है। इसमें आगे भी अच्छा खासा रिटर्न देने की गुंजाइश बनी है। सोने ने पिछले कैलेंडर वर्ष में 30 फीसदी का मुनाफा दिया था। इस साल यह उससे भी अधिक फायदा देने की स्थिति में फिलहाल दिख रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि केंद्रीय बैंक और निवेश में सुरक्षा चाहने वाले लगातार इस पीली धातु को खरीद रहे हैं। पिछले 30 महीने में ही इसकी कीमत दोगुनी हो गई है। विश्लेषकों के मुताबिक, सोने के मूल्य में भारी उछाल आने की उम्मीद है।

खुदरा के साथ संस्थागत खरीदी में भी आई तेजी- सोने की कीमतें बढ़ने की वजह कई हैं। एक तो देशों के बीच तनाव और दूसरे खुदरा के साथ संस्थागत स्तर पर सोने की खरीदी जमकर हो रही है। सोना को महंगाई से बचाव के रूप में प्रमुख साधन माना जाता है।

सस्ता हुआ गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 का पहला दिन शुरू हो रहा है। आज अप्रैल महीने की पहली तारीख है। हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम एलपीजी गैस के सिलेंडर की कीमतों में समीक्षा करती हैं। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल से मिली सूचना के मुताबिक आज से कामर्शियल गैस सिलेंडर यानी 19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में थोड़ी कमी की गई है। यह कमी 41 रुपये प्रति सिलेंडर की है।

कितना रह गया रेट

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से मिली जानकारी के अनुसार आज यानी एक अप्रैल 2025 से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1762 रुपये का रह गया है। इससे पहले यानी बीते मार्च के महीने में इसकी कीमत 1803 रुपये थी। इसी साल फरवरी में यह सिलेंडर 1797 रुपये में मिल रहा था।

अन्य महानगरों में क्या है कीमत- आज से कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1868.50 रुपये हो गया है। इससे पहले वहां इसकी कीमत 1913 रुपये थी। इसी प्रकार मुंबई में कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1713.50 रुपये हो गई है। बीते मार्च में यह 1755.50 रुपये की थी। तमिलनाडु के चेन्नई में इसकी कीमत घट कर 1921.50 रुपये हो गई है। बीते मार्च में इसकी कीमत 1965 रुपये थी।

रसोई गैस सिलेंडर के क्या हाल हैं

आम घरों में इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर कहा जाता है। इसमें 14 किलो गैस होता है। आज इंडियन ऑयल समेत सभी पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में इस सिलेंडर का रेट 803 रुपये है। कोलकाता में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 829 और मुंबई में 802.50 है। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में इसकी कीमत 818.50 रुपये है।

शेयर मार्केट में अगले महीने छुट्टियों की भरमार

11 दिन बंद रहेंगे बाजार

मुंबई, एजेंसी। कल यानी मंगलवार से अप्रैल का महीना शुरू हो रहा है इस महीने शेयर बाजार में छुट्टियों की भरमार रहेगी। अप्रैल 2025 में कुल मिलाकर 11 दिन शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसमें सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) की छुट्टी और सार्वजनिक अवकाश शामिल हैं। छुट्टियों के कारण निवेशकों और ट्रेडर्स को ट्रेडिंग करने में दिक्कत होगी।

किस-किस दिन बंद रहेंगे बाजार

एनएसई की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, बीएसई और एनएसई 10 अप्रैल, 14 अप्रैल और 18 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश की वजह से बंद रहेंगे। दरअसल, अगले महीने दूसरे गुरुवार यानी 10 तारीख को महावीर जयंती है। इस वजह से शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके बाद दूसरे सोमवार, 14 अप्रैल को दिन अंबेडकर जयंती है। उस वजह से शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके बाद महीने के तीसरे शुक्रवार, 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की वजह से शेयर बाजार में अवकाश है। इसका मतलब है कि इन दिनों शेयर बाजार में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी।

आम दिनों में क्या है ट्रेडिंग टाइम

अब बात करते हैं कि आम दिनों में बाजार कब खुलता और बंद होता है। इक्विटी सेगमेंट में ट्रेडिंग हफ्ते में सोमवार से शुक्रवार को होती है।

प्री-ओपन सेशन

इसमें ऑर्डर डालने और बदलने का समय सुबह 9 बजे से 9 बजे तक होता है। यानी, आप सुबह 9 बजे से 9 बजकर 8 मिनट तक ऑर्डर दे सकते हैं और उसमें बदलाव कर सकते हैं।

क्लोजिंग सेशन- यह सेशन दोपहर 3:40 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच होता है।

ब्लॉक डील सेशन: इसमें दो विंडो होती हैं। पहली विंडो सुबह 8:45 बजे से 9:00 बजे तक और दूसरी विंडो दोपहर 2:05 बजे से 2:20 बजे तक खुली रहती है।

कंपनी के हाथ लगा 2 बड़ा ऑर्डर

शेयरों पर बढ़ा निवेशकों का विश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी। चार दिन की गिरावट के बाद रिट्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में आज 3 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में आज उछाल के पीछे की वजह नया ऑर्डर है। बता दें, कंपनी को ऑयल इंडिया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी से 312.75 करोड़ रुपये का काम मिला है।

बीएसई में कंपनी के शेयर 225.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी का इंट्रा डे हाई 231.70 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। इसके बाद कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली है।

शेयर बाजार में कैसा रहा है प्रदर्शन

बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों कीमतों में 11 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इसके बाद भी 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 22 प्रतिशत टूटा है। एक साल में रिट्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में करीब 3 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। कंपनी का 52 वीक हाई 398.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 192.30 रुपये है।

क्या है वर्क ऑर्डर डीटेल्स

एक्सचेंज को दी जानकारी में रिट्स लिमिटेड ने कहा है कि उन्हें ऑयल इंडिया से 157.25 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी को वर्कमेंन हाउसिंग कॉम्पलेक्स बनाने का काम मिला है। इस काम को कंपनी को 36 महीने में पूरा करना है। इस वर्क ऑर्डर की वैल्यू 155.50 करोड़ रुपये का है। बता दें, कंपनी को इस काम 24 महीने में पूरा करना है। इससे पहले 6 मार्च को कंपनी को 27.90 करोड़ रुपये का काम मिला है।

लगातार गिर रहा मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर

15 पर आ गया भाव, आपका है दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले एक पेनी स्टॉक में पिछले कुछ सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। साल 2020 से यह स्टॉक गिरावट की ओर है। पिछले एक साल में स्टॉक 52-सप्ताह के हाई 30

रुपये से 50 प्रतिशत तक गिर चुका है। हम बात कर रहे हैं- मुकेश अंबानी की कपड़ा कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों की। बता दें कि इस कंपनी को 2019 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के माध्यम से रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा अधिग्रहित किया गया था।

कंपनी के शेयरों के साल

शुक्रवार (28 मार्च) के कारोबारी सत्र में एनएसई पर इसके शेयर लाल निशान में 15.03 रुपये पर बंद हुए थे। एक साल में इस पेनी स्टॉक ने 4 अप्रैल, 2024 को छुए गए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 30 रुपये से 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। साल 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा अधिग्रहण के बाद आलोक इंडस्ट्रीज ने ध्यान आकर्षित किया और इसके शेयर 3 जुलाई, 2020 को एनएसई पर 58.50 रुपये के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गए। शिखर से काउंटर लगभग 300 प्रतिशत गिर गया है। ट्रेंडलाइन डेटा के अनुसार, प्रमोटर रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास कंपनी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी (1,986,533,333 शेयर) है, जबकि जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के पास कंपनी में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी (1,737,311,844 शेयर) है।

रतन टाटा की वसीयत: दान में दे दिया अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान में दिया है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 3,800 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें टाटा सन्स के शेयर और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। इसका अधिकांश हिस्सा रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को दान में दिया गया है, जो समाज सेवा के काम आएगा।

टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी को भी मिली टाटा की दौलत- ईटी की खबर के मुताबिक उनकी अन्य संपत्ति (लगभग 800 करोड़ रुपये), जिसमें बैंक एफडी, वित्तीय साधन, घड़ियां और पेंटिंग्स शामिल हैं, का एक-तिहाई हिस्सा उनकी सौतेली बहनों शिरीन जेजीभाय और डीना जेजीभाय को मिलेगा। एक-तिहाई हिस्सा मोहिनी एम दत्ता को मिलेगा, जो टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी थीं और रतन टाटा के करीबी थीं। रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान में दिया है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 3,800 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें टाटा सन्स के शेयर और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। इसका अधिकांश हिस्सा रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को दान में दिया गया है, जो समाज सेवा के काम आएगा।

टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी को भी मिली टाटा की दौलत- उनकी अन्य संपत्ति (लगभग 800 करोड़ रुपये), जिसमें बैंक एफडी, वित्तीय साधन, घड़ियां और पेंटिंग्स शामिल हैं, का एक-तिहाई हिस्सा उनकी सौतेली बहनों शिरीन जेजीभॉय और डीना जेजीभॉय को मिलेगा। एक-तिहाई हिस्सा मोहिनी एम दत्ता को मिलेगा, जो टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी थीं और रतन टाटा के करीबी थीं।

करीबी दोस्त को प्रॉपर्टी और तीन बंदूकें- रतन टाटा के भाई जिमी नवल टाटा (82 वर्ष) को जुहू की बंगले का हिस्सा मिलेगा, जबकि उनके करीबी दोस्त मेहली मिस्त्री को अलीबाग की प्रॉपर्टी और तीन बंदूकें (जिनमें एक .25 बोर की पिस्तौल भी शामिल है) मिलेंगी।

पालतू जानवरों के लिए 12 लाख का फंड- रतन टाटा ने अपने पालतू जानवरों के लिए 12 लाख रुपये का फंड बनाया है, जिसमें से हर जानवर को हर तीन महीने में 30,000 रुपये मिलेंगे। उनके सहायक शांतनु नायडू का छात्र ऋण और पड़ोसी जेक मालाइट का ब्याज-मुक्त एजुकेशन लोन को माफ कर दिया गया है। रतन टाटा के विदेशी संपत्तियों (लगभग 40 करोड़ रुपये) में सेशेल्स में जमीन, वेल्स फार्गो और मॉर्गन स्टेनली के बैंक खाते, तथा कंपनियों के शेयर शामिल हैं।

आईपीएल 2025:

श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन

लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतक से एक साथ तोड़ा धोनी-गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 13वें मुकाबले में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने बड़ी ही आसानी से 8 विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स का ये इस लीग में दूसरा लीग मैच मैच था और दोनों ही मैचों में इस टीम को जीत मिली। पंजाब की बैटिंग इस मैच में धाकड़ रही और इस टीम ने 172 रन के टारगेट को 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

लखनऊ के खिलाफ इस मैच में पंजाब के ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (69 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन) ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जबकि चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए नेहर वढेरा (43 रन) भी नाबाद रहे।

पंजाब के लिए इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह काफी असरदार रहे और अपनी टीम के लिए 3 विकेट लेने में सफलता हासिल की। प्रभसिमरन सिंह को उनकी तेज बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया तो वहीं कमाल की लय में चल रहे कप्तान श्रेयस ने नाबाद पारी के दम पर एमएस धोनी और एडम गिलक्रिस्ट के बड़े रिकॉर्ड को तोड़न में सफलता हासिल की।

श्रेयस अय्यर ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई और बतौर कप्तान एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बना ली।

बतौर कप्तान श्रेयस की आईपीएल में ये लगातार 8वीं जीत रही और उन्होंने एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने कप्तान के रूप में साल 2013 में लगातार 7 मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं श्रेयस ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली जिन्होंने साल 2008 में लगातार 8 मैच जीते थे।

आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)
श्रेयस ने तोड़ा एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के खिलाफ हुए मैच में 30 गेंदों पर 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.33 का रहा। अपनी पारी में लगाए 4 छक्कों के दम पर श्रेयस अय्यर आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए और एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया।

श्रेयस ने बतौर कप्तान इस लीग में अब तक 83 छक्के लगाए हैं जबकि गिलक्रिस्ट ने 79 सिक्स जड़े थे। इस सूची में पहले स्थान पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने 218 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के (पारी)

218 - एमएस धोनी (196)
168 - विराट कोहली (142)
158 - रोहित शर्मा (157)
109 - डेविड वॉर्नर (83)
105 - केएल राहुल (64)
91 - संजू सैमसन (60)
83 - श्रेयस अय्यर (71)
79 - एडम गिलक्रिस्ट (74)

बीसीसीआई ने फिर दिखाया ईशान किशन को ठेंगा

टीम इंडिया में वापसी, अब तो भूल ही जाओ!

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो A+ ग्रेड में बने रहने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है. इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है. याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था. स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है. दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे.

ईशान किशन को करना पड़ेगा इंतजार

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा. उन्होंने दिक्कतों को सुधारा है, लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके. बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के बाद ईशान किशन ने आईपीएल 2024 में सिर्फ 23 के औसत से 320 रन बनाए थे. इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों में भी किशन कमाल का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. साल 2024 से किशन का टी20 में औसत सिर्फ 28.04 का रहा है.

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज से बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चैंपियनशिप से बाहर

लंदन, एजेंसी। भारत बनाम इंग्लैंड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाऐंगे।

ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड का टेस्ट समर 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के मद्देनजर स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने सोमवार से डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान का न्यूजीलैंड में बना तमाशा

दूसरे वनडे में हार के साथ गंवाई सीरीज, इस गेंदबाज ने मिटाई सारी कसक

हेमिल्टन, एजेंसी। लो भइया, हार गया एक और मैच, एक और सीरीज पाकिस्तान. न्यूजीलैंड में बन गया तमाशा, पाकिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम का. टी20 सीरीज तो हार ही गए थे. हैमिल्टन वनडे में मिली हार के बाद अब उन्होंने वनडे सीरीज भी गंवा दी है. 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है न्यूजीलैंड, जिसकी कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की एक ना चली.

बेशक 300 रनों से कम का टारगेट था तो मौका लग रहा था. लेकिन, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उस मौके को उनकी पहुंच से दूर कर दिया. खासकर 27 साल के बेन सियर्स ने, जिन्होंने इस मैच में अपनी सारी कसक मिटा ली. उन्होंने अपने वनडे करियर के पहले विकेट से लेकर 5 शिकार करने तक, सब इसी मैच में किए. हैमिल्टन में खेले दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रन से हराया. पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 292 रन बनाए थे.

जवाब में 292 रन का पीछा करने उतरी पाक टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. 41.2 ओवर में ही 208 रन पर उसकी पारी का अंत हो गया. इससे पहले नेपियर में खेले पहले वनडे में पाकिस्तान को 90 रन से हार मिली थी.

बेन सियर्स ने पाकिस्तान का खोला 'पंजा', मिटाई कसक: पाकिस्तान की टीम को लक्ष्य से 84 रन दूर रोकने में सबसे बड़ी भूमिका अपने तीसरा वनडे मैच खेल रहे गेंदबाज बेन सियर्स की रही. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने हैमिल्टन वनडे में कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 9.2 ओवरों में 59 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया. बेन सियर्स ने जहां पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, वहीं उन्होंने इस मैच में अपने वनडे करियर का पहला विकेट भी लिया. इससे पहले खेले 2 वनडे में उनके नाम कोई विकेट नहीं था.

हैमिल्टन वनडे में पाकिस्तान की हार की सबसे बड़ी वजह उसके टॉप के 5 बल्लेबाजों की नाकामी रही, जिनके लिए दहाई का आंकड़ा छूना पहाड़ चढ़ने जैसा रहा. टॉप ऑर्डर का कोई बल्लेबाज डबल डिजीट में रन नहीं बना सका, फिर चाहे वो बाबर आजम हों, इमाम-उल-हक, अब्दुल्लाह शफीक या मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा, सबके सब सिंगल डिजीट स्कोर पर आउट हुए. ये सभी बल्लेबाज 50 रन के अंदर मतलब सिर्फ 32 रन पर पवेलियन लौट चुके थे.

जिस टीम ने सड़क से उठाया, अब उसे ही छोड़ना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल, चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी अगर किसी टीम में रहे तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा रहती है क्योंकि वो एक मैच विनर हैं. लेकिन अब इस मैच विनर बल्लेबाज ने अपनी टीम छोड़ने की इजाजत मांगी है. खबर बेहद चौंकाने वाली है, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल मुंबई रणजी टीम को छोड़ना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगी है. यशस्वी जायसवाल ने इसकी निजी वजह बताई है.

किस टीम से खेलेंगे जायसवाल?

रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया है. वो आने वाले रणजी सीजन में गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. पृथ्वी शॉ से पहले मुंबई के कई क्रिकेटर गोवा खेलने गए हैं. इसमें एक पॉपुलर नाम अर्जुन तेंदुलकर हैं जो कि पहले मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेलते थे लेकिन अब पिछले 3 सीजन से वो गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं. अब यशस्वी जायसवाल भी इसी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं.

ऐसी खबरें हैं कि यशस्वी जायसवाल गोवा के कप्तान बन सकते हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये जरूर है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी के लिए ईमेल किया है.

2019 में किया था मुंबई के लिए डेब्यू

यशस्वी जायसवाल ने साल 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था. फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला मैच उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला. पहले मैच में ये खिलाड़ी कुछ खास कमाल नहीं कर पाया लेकिन इसके बाद जायसवाल ने रनों का अंबार लगा दिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 36 फर्स्ट क्लास मैचों में 60 से ज्यादा की औसत से 3712 रन बनाए हैं. जायसवाल के बल्ले से 13 शतक और 12 अर्धशतक निकले हैं. बता दें यशस्वी जायसवाल को मुंबई की टीम ने ही मौका दिया जिसके बाद वो इतना बड़ा नाम बने. मुंबई ने इस खिलाड़ी को पूरा सपोर्ट किया, उन्हें टॉप ऑर्डर में जगह दी और अब ये खिलाड़ी इस टीम को छोड़ने वाला है.

भारत का सबसे युवा प्रोफेशनल बॉक्सर अब भी देख रहा ओलंपिक मेडल जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव मेडल के दावेदार थे लेकिन वह अपने ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गए। इस हार ने निशांत का दिल तोड़ दिया। वह परिणाम से संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगा कि परिणाम उनके पक्ष में आना चाहिए था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद वह कुछ समय के लिए ब्रेक पर गए। कुछ समय बाद खबर आई की निशांत प्रोफेशनल बॉक्सर बनने वाले हैं। निशांत ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई। निशांत यादव के मुताबिक जब वह 15 साल के थे तबसे

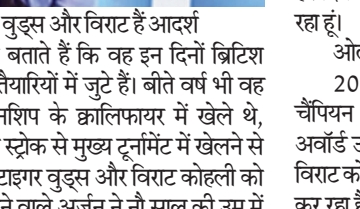

प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर मोहम्मद अली, माइक टाइसन और कॉर्नर मैकग्रेगर की वीडियो देखी और सपना देखने लगे कि एक दिन वह भी ऐसे ही प्रोफेशनल बॉक्सर बनेंगे।

पेरिस ओलंपिक की हार नहीं प्रोफेशनल बनने की वजह

उन्होंने कहा, मेरे चाचा, जो जर्मनी में रहते थे, उन्होंने मुझे प्रोफेशनल बॉक्सिंग की कहानियां सुनाईं, और तब से मेरा सपना शुरू हुआ।मैं 15 साल का था।

यह एक गलत धारणा है कि मैं ओलंपिक में मार्को (वर्डे) से हारने के कारण प्रोफेशवल मुक्केबाज बन गया। हां, हार निराशाजनक थी, और उस हार के बाद मैं बहुत बुरी स्थिति में था, लेकिन प्रोफेनल बनने का फैसला मैंने बहुत कर लिया था।'

लॉस एंजेलिस में शुरू हुआ सफर

उन्होंने कहा, पेरिस मेरे लिए मुश्किल था। मेरा पूरा परिवार वहां मौजूद था, और यह मेरे लिए बहुत बड़ी हार थी। जब परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया, तो मैं पूरी तरह से खो गया। लेकिन मेरा परिवार मेरे साथ है, इसलिए उन्होंने मेरा ख्याल रखा।

जब मैं भारत लौटा, तब भी सभी ने यही पूछा, और मैं किसी भी बात का जवाब नहीं देना चाहता था। इसी दौरान उन्हें सबसे पहले कोच रोनाल्ड का फोन आया जो कि खुद एक प्रोफेशनल बॉक्सर रहे हैं।

कोरोना काल में ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद, अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं।

पीएम राहत कोष में दिए थे रुपये

वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी

तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा। राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मुझे यह खेल बहुत पसंद है।

टाइगर वुड्स और विराट हैं आदर्श

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं। अर्जुन ने कहा, टाइगर वुड्स बहुत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप: विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत, लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस

ट्राउब्रिज से होगा। निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भारवर्गों में खेलेंगे।

घर लेते समय वास्तु शास्त्र के इन नियमों का रखें ध्यान

अगर आप नया घर खरीदने या फिर बनावाने का विचार कर रहे हैं तो वास्तु शास्त्र के कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है. ऐसा करने से आपके घर और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.वास्तु शास्त्र सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के संतुलन पर आधारित है. वास्तु के अनुसार घर बनवाना बहुत शुभ माना जाता है. घर अगर वास्तु के हिसाब से हो तो हमेशा सुख-शांति बनी रहती है.अगर आप नया घर लेने की सोच रहे हैं तो वास्तु शास्त्र में इससे जुड़े कुछ खास नियम बताए गए हैं. घर अगर वास्तु के हिसाब से लिया जाए तो कभी भी वास्तु दोष का सामना नहीं करना पड़ता है. आइए जानते हैं कि नया घर लेते या बनवाते समय वास्तु की किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए.

नया घर खरीदते या बनवाते समय इस बात का ध्यान रखें कि घर का मुख्य प्रवेश द्वार उत्तर दिशा में होना चाहिए. अगर प्रवेश द्वार उत्तर दिशा में नहीं है तो पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में होना आवश्यक है.नींव खुदाई के समय रखें इस बात का ध्यान रखें कि उत्तर और पूर्व की दिशा में सबसे पहले खुदाई करवाएं. पश्चिम की दिशा को सबसे अंत में खोदना चाहिए वहीं दक्षिण की दिशा में नींव भरने का काम करना चाहिए. मकान में सबसे पहले दक्षिण की दीवार और उसके बाद पश्चिम की दिशा की दीवार बनवानी चाहिए. सबसे अंत में उत्तर व पूर्व दिशा में दीवार बनवाएं.मकान बनवाते रहे हैं तो उसकी खिड़कियों पर भी पूरा ध्यान दें. घर में खिड़कियों की जगह हमेशा उत्तर व पूर्व में होनी चाहिए. घर में बड़ी से बड़ी खिड़की बनाने का प्रयास करें. वहीं दक्षिण और पश्चिम की दिशा में खिड़की का साइज बहुत कम रखने की कोशिश करें.

घर बनवाते समय पानी के नल की दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए. पानी का नल लगाने के लिए उत्तर या पूर्व की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है. भूलकर भी किसी नल को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए.नया घर बनवाते समय हर चीज को उसके सही स्थान या दिशा के अनुसार ही डिजाइन करवाएं. किचन के लिए दक्षिण पूर्व की दिशा सबसे शुभ मानी जाती है. जबकि पूजा घर उत्तर पूर्व या ईशान कोण में होना चाहिए. बच्चों का स्टडी रूम उत्तर पश्चिम दिशा में होना चाहिए जबकि शौचालय का निर्माण पश्चिम दिशा के मध्य में करवाना उचित माना जाता है.घर बनवाने के बाद या लेने समय उसके रंगों का खास ख्याल रखना चाहिए. घर में हल्के रंगों का चयन करना उत्तम रहता है. इन रंगों को सात्विक रंग कहा जाता है जो घर में एक सकारात्मकता लेकर आते हैं. घर की छतों को सफेद रंग से रंगना सबसे अच्छा माना जाता है.

मेन गेट से लेकर बेडरूम तक की सही दिशा, कभी नहीं होगा वास्तुदोष

वास्तु के अनुसार घर बनवाना शुभ फलदायक माना जाता है. वास्तु सम्मत घर सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव देता है. इससे घर में सुख समृद्धि का वास होता है और घर के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. इसमें घर की हर एक दिशाओं और हर एक कमरे का विशेष महत्व बताया गया है. वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार से लेकर बेडरूम तक की सही दिशा बताई गई है. वास्तु के अनुसार घर बनवाने से वास्तुदोष नहीं होता और घर के लोग सुखी रहते हैं. आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार घर की किस दिशा में कौन सा कमरा होना चाहिए.

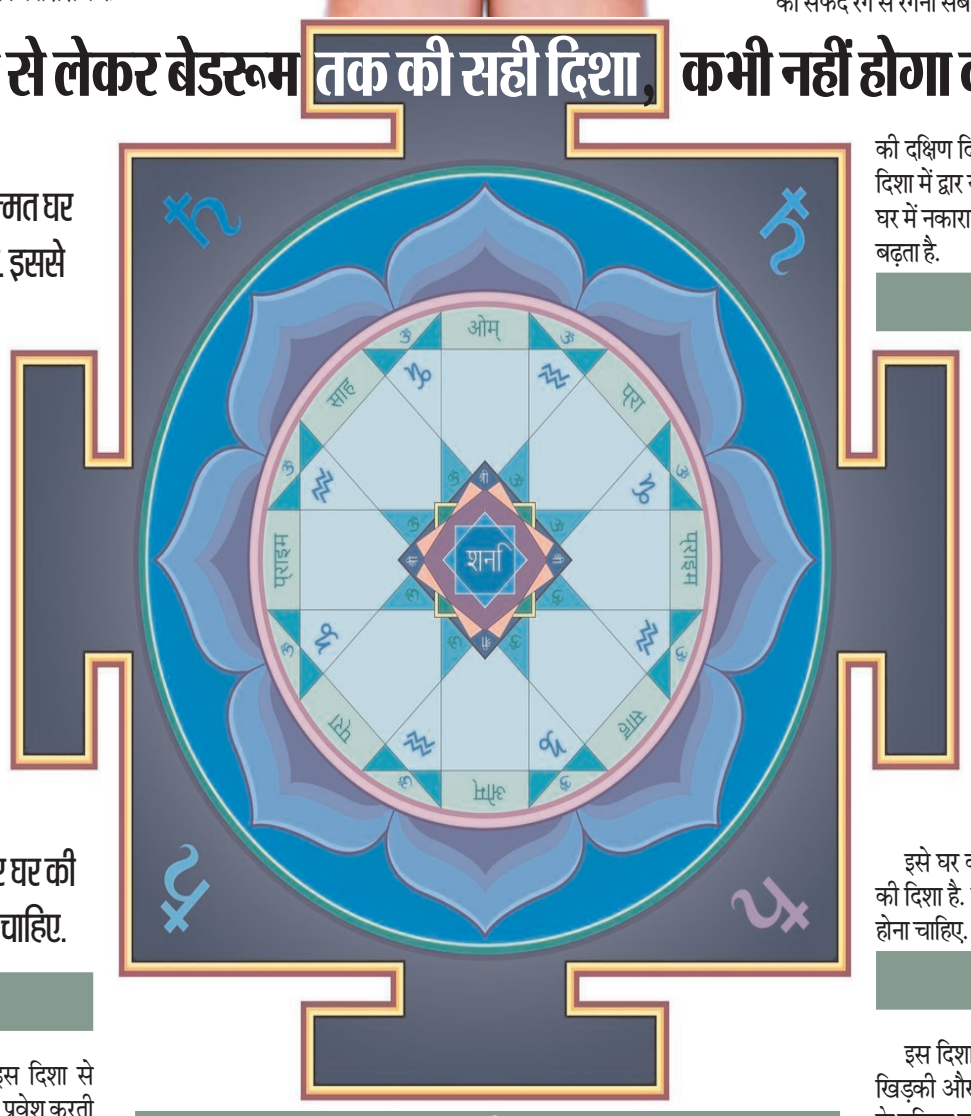

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा होती है. इस दिशा से सकारात्मक और ऊर्जावान किरणें हमारे घर में प्रवेश करती हैं. घर का मेनगेट इस दिशा में होना बहुत अच्छा माना जाता है. मुख्य द्वार संभव ना हो तो इस दिशा में खिड़की जरूर रखें.

पश्चिम दिशा

आपका किचन या बाथरूम घर की पश्चिम दिशा में होना चाहिए. इस बात का ध्यान रखें कि किचन और टॉयलेट एक-दूसरे से सटा नहीं होना चाहिए.

उत्तर दिशा

वास्तु में घर के खिड़की और दरवाजे इस दिशा में होने शुभ माने जाते हैं. घर की बालकनी और वॉश बेसिन भी इसी दिशा में होने चाहिए. आपके घर का मुख्य द्वार भी अगर इस दिशा में है तो वो और उत्तम माना जाता है.

दक्षिण दिशा

घर की दक्षिण दिशा में किसी भी प्रकार का खुलापन या फिर शौचालय नहीं होना चाहिए. घर की दक्षिण दिशा में कोई भारी सामान रखना चाहिए. इस दिशा में द्वार या खिड़की होना अशुभ माना जाता है. इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है और घर में क्लेश बढ़ता है.

उत्तर-पूर्व दिशा

घर की उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है. इस दिशा को जल का स्थान माना जाता है. घर की इस दिशा में बोरिंग, स्वीमिंग पूल, पूजास्थल होना चाहिए. इस दिशा में मेनगेट का होना बहुत ही अच्छा रहता है.

उत्तर-पश्चिम दिशा

इसे वायव्य दिशा भी कहते हैं. इस दिशा में आपका बेडरूम, गैरेज, गौशाला आदि होना चाहिए.

दक्षिण-पूर्व दिशा

इसे घर का आग्नेय कोण कहते हैं. यह ?अग्नि तत्व की दिशा है. इस दिशा में गैस, बॉयलर, ट्रांसफॉर्मर आदि होना चाहिए.

दक्षिण-पश्चिम दिशा

इस दिशा को नैऋत्य दिशा का जाते हैं. इस दिशा में खिड़की और दरवाजे बिलकुल ही नहीं होना चाहिए. घर के मुखिया का कमरा यहां बना सकते हैं.

घर का आंगन

हर घर में एक आंगन होना चाहिए. आंगन के बिना घर अधूरा माना जाता है. घर के आंगन में तुलसी, अनार, जामफल, मीठा या कड़वा नीम और आंवला जैसे अलावा सकारात्मक ऊर्जा देने वाले फूलदार पौधे लगाने चाहिए.

कहीं आप तो नहीं छोड़ते रात में जूठे बर्तन? आर्थिक नुकसान के साथ बढ़ता है मानसिक तनाव

वास्तु शास्त्र में घर की हर एक दिशाओं और हर एक कमरे का विशेष महत्व माना गया है. वास्तु में किचन को सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है. वास्तु के अनुसार किचन से निकलने वाली ऊर्जा का असर घर के सदस्यों की सेहत पर पड़ता है. यह घर की आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है.किचन से जुड़ी कुछ गलतियों की वजह से ये ऊर्जा नकारात्मकता में बदल जाती है. घर में सकारात्मक ऊर्जा आए इसके लिए किचन में कुछ नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है. अगर आप किचन में रात में जूठे बर्तन रख कर सोते हैं तो ये आपके दुर्भाग्य का कारण बन सकता है. आइए जानते हैं कि किचन में जूठे बर्तन क्यों नहीं छोड़ने चाहिए.

किचन में क्यों नहीं छोड़ने चाहिए झूठे बर्तन?

वास्तु शास्त्र में किचन में जूठे बर्तन रखना बहुत अशुभ माना जाता है. माना जाता है कि किचन में रात के समय जूठे बर्तन छोड़ देने से मां लक्ष्मी नाराज होती हैं और उस घर में कभी वास नहीं करती हैं. रात भर पड़े जूठे बर्तन घर में दरिद्रता लेकर आते हैं. ये घर खे सदस्यों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं और घर में कंगाली आने लगती है.

माना जाता है कि रात के वक?त किचन में जूठे बर्तन छोड़ने से घर के लोगों पर राहु-केतु का अशुभ प्रभाव पड़ता है और घर में रुपया-पैसा टिक कर नहीं रह पाता है. रात में गैस चूल?हे को गंदा छोड़ना भी बहुत अशुभ माना जाता है. गंदा चूल्हा और रात के झूठे बर्तन से मां अन?नपूर्णा देवी नाराज हो जाती हैं और इसकी वजह घर में रहने वालों की सेहत अक्सर खराब रहती है.

किचन में जूठे बर्तन छोड़कर सोना जीवन में खुद मुसीबतों को न?योता देना जैसा है. जिन घरों में जूठे बर्तन छोड़े जाते हैं वहां हमेशा धन की कमी बनी रहती है. कुछ लोगों पर कर्ज भी बढ़ जाता है. घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती जाती है. इसलिए सोने से पहले जूठे बर्तनों को साफ करके जरूर रखें.

वास्तु के मुताबिक रात में भोजन के बाद किचन को हमेशा साफ करके ही सोना चाहिए. घर को भी हमेशा साफ- सुथरा रखना चाहिए क्योंकि मां लक्ष्मी साफ- सुथरे घर में ही वास करती हैं. अगर आप किसी कारणवश रात में बर्तन नहीं भी धो पा रहे हैं तो ध्यान रखें कि कम से कम उन्हें पानी से धोकर छोड़ें, यानी उनमें जूठन नहीं लगी रहनी चाहिए.

क्या कहते आपके सितारे

मेष मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। गृहस्थ जीवन में चल रही समस्याओं को लेकर आपका ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं। करियर में आपको उन्नति के कुछ नए अवसर मिलेंगे। आपको फायदे के चक्कर में गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा। अविवाहित जातकों के जीवन में उनके साथी की दस्तक हो सकती है।

वृषभ वृषभ- आज का दिन आपके लिए सुख-शांति भरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चो पर पूरा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आपको किसी बीमारी को छोटा नहीं समझना है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सामाजिक कामों में आपकी अच्छी साख रहेगी। आप किसी नए काम को करने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा।

मिथुन मिथुन- आज आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आपको टेंशन रहेगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को दूर करने के लिए आप अपने किसी परिजन से बातचीत कर सकते हैं। आपका कोई मित्र काम को लेकर आपको सलाह दे सकता है, लेकिन आप उस पर सोच समझकर अमल करें। कोई नया इन्वेस्टमेंट करने की आप प्लानिंग करेंगे। प्रॉपर्टी से संबंधित कोई कानूनी मामला आपके लिए समस्या बन सकता है।

कर्क कर्क- आज आपको कामों को लेकर कुछ नए अवसर मिल सकते हैं। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने के लिए भागदौड़ में लगे रहेंगे। आपका पूजा-पाठ में खूब मन लगेगा। विद्यार्थियों को किसी पढ़ाई-लिखाई में यदि समस्या आ रही थी, तो उसे दूर करने के लिए उन्हें अपने गुरुजनों से बातचीत करनी होगी। आपको अपने पिताजी की सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

सिंह सिंह- आज आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा। उन्नति में आपको अच्छा अवसर मिलेंगे। आपको किसी नए प्रमोशन मिलने से खुशियां रहेंगी। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको किसी काम को लेकर ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लेना पड़ सकता है। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे।

कन्या कन्या- आज आप अपने कामों में मनमानी बिल्कुल ना करें। वरिष्ठ सदस्यों की राय आपके खूब काम आएगी। आपको किसी नई संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपका कोई धन से संबंधित मामला सुलझेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। पारिवारिक जीवन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

तुला तुला- आज आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। किसी से कोई वादा सोच समझकर करें। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। व्यापार में आपको कोई धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए आप अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें।

वृश्चिक वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े निवेश को करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई अच्छी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं। आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा, जिससे आपको काम करने में समस्या आएगी। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आपको पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनाए रखनी होंगी। आप किसी बात को ध्यान रखकर सुलझाएंगे, तो वह आपके लिए बेहतर रहेगा।

धनु धनु- आज का दिन आपके लिए करियर में कुछ नए अवसर लेकर आने वाला है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप किसी भी शारीरिक समस्या को छोटा ना समझे। सामाजिक कामों से जुड़े लोगों की छवि और निखरेगी, उन्हें किसी बड़े पद के भी मिलने की संभावना है।

मकर मकर- आज का दिन आपके लिए सुख-शांति भरा रहने वाला है। आपको अपने खानपान में संतुलित भोजन लेना होगा, क्योंकि आपको कोई पेट में संबंधित समस्या बढ़ सकती है। आपने यदि किसी काम को लेकर धन उधार लेने के लिए अप्लाई किया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं। आईटी सेक्टर से जुड़े लोग किसी दूसरी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

कुंभ कुंभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। सेहत में भी उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप अपने बॉस की बातों को इग्नोर करेंगे, तो इसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ सकता है। आपको अपनी संतान के संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों को बड़े-बड़े लोगों से मिलने का मौका मिलेगा।

मीन मीन- आज आपके मन में कुछ बेचैनी रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपने करियर में भी काफी मेहनत मशक्कत करेंगे, उसके बाद ही आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। आपका किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान दे सकता है। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही करने से बचे। गृहस्थ जीवन में खुशियां भरपूर रहेंगी, क्योंकि जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के प्रयासों को भी आप तेज करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुरः दो एसपी समेत 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर सरकार ने दो जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) सहित 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा कि जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक शेख मोहम्मद जाकिर को काकचिंग जिले के एसपी के रूप में स्थानांतरित किया गया है। आदेश के अनुसार, काकचिंग की एसपी प्रियदर्शिनी लैशराम जिरीबाम की नयी एसपी होंगी। यारीपोक के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गौरव डोगरा को सिंगजामेई में तैनाती दी गई है, जबकि सहायक कमांडेंट प्रथम मणिपुर राइफल्स के अभिनव कांगपोकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। अकोईजाम सदानंद सिंह नए अतिरिक्त एसपी यातायात (इंफाल ईस्ट) होंगे, जबकि केशम बोजौकुमार सिंह अतिरिक्त एसपी (सतर्कता) होंगे। वहीं रत्ताना नगासेकपम नए अतिरिक्त एसपी अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) (एसडी) होंगे।

विदेश भेजने के नाम पर भदोही की दलित महिला से ढाई लाख रुपये ठगे

भदोही, एजेंसी। भदोही की एक दलित महिला के पति को विदेश भेजने के नाम पर ढाई लाख रुपये की ठगी करने के एक मामले में यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर आरोपी व्यक्ति और उसके पिता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि औराई थाना क्षेत्र में खेतल पुर गांव निवासी मैना देवी (30) ने भदोही की विशेष अदालत (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) (एससी/एसटी) में चार मार्च, 2025 को एक याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि अदालत के निर्देश पर प्रयागराज के करैली थाना अंतर्गत जे. के. नगर निवासी मोहम्मद खालिद (50) और उसके बेटे राजू (25) के विरुद्ध मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (2) (धोखाधड़ी), 335 (झूठे दस्तावेज बनाना), 336 (2) (जालसाजी), 316 (2) (विश्वासघात), 352 (शांति भंग करने के इरादे से अपमानित करना) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मैना देवी के पति प्रदीप कुमार को विदेश में एसी और कूलर बनाने वाली कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर खालिद और उसके बेटे राजू ने अपने खाते में मार्च, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच दो लाख रुपये हस्तांतरित करवाए थे।

कर्मचारियों की मेहनत को सलाम, काबरा ज्वेल्स ने गिफ्ट की कारें

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में कर्मचारियों की मेहनत की सराहना करने और उन्हें शानदार तोहफे देने की परंपरा जारी है। सूरत के हीरा व्यापारी सावजी ढोलकिया की तरह, अब अहमदाबाद के प्रसिद्ध आभूषण व्यवसायी कैलाश काबरा ने भी अपनी कंपनी काबरा ज्वेल्स लिमिटेड के 12 वरिष्ठ कर्मचारियों को नई कारें गिफ्ट में दी हैं। यह कदम कंपनी द्वारा 200 करोड़ रुपये का कारोबार पूरा करने के जश्न का हिस्सा है। काबरा ज्वेल्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक कैलाश काबरा ने बताया कि उन्होंने 2006 में मात्र 2 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 12 सदस्यों की टीम के साथ इस व्यवसाय की शुरुआत की थी। आज उनकी टीम 140 सदस्यों तक पहुंच गई है और कंपनी ने 2024-25 में 200 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। काबरा ने कहा, यह उपलब्धि मेरी टीम के अथक प्रयासों के बिना संभव नहीं थी। अपने लिए एक लग्जरी कार खरीदने के बजाय, मैं उन कर्मचारियों को सम्मानित करना चाहता था, जिन्होंने इस सफर में अहम भूमिका निभाई है। कैलाश काबरा ने 12 टीम सदस्यों को महिंद्रा एक्सयूवी 700, टोयोटा इनोवा, हुंडई आई10, हुंडई एक्सेंट, मारुति सुजुकी अर्टिगा और ब्रेजा जैसी कारें भेंट कीं। इसके अलावा, कंपनी के अन्य कर्मचारियों को टू-व्हीलर, मोबाइल फोन, फैमिली हॉलीडे पैकेज और सोने-चांदी के सिक्के भी उपहार में दिए गए। काबरा ज्वेल्स के कर्मचारी मीता पांचाल, जिन्हें कार गिफ्ट में मिली, ने कहा, हमने हमेशा कंपनी को अपने परिवार की तरह माना, और आज कंपनी ने भी हमें परिवार जैसा सम्मान दिया।

पूरी दुनिया में भूटान में चांदी से भी सस्ता बिकता है सोना!

दम्फू, एजेंसी। सोना खरीदना हर किसी का सपना होता है, खासकर महिलाओं के लिए यह सिर्फ आभूषण नहीं बल्कि एक बेहतरीन निवेश भी माना जाता है। लेकिन सोने की बढ़ती कीमतों ने लोगों को सस्ते गोल्ड की तलाश में दूसरे देशों की ओर देखने पर मजबूर कर दिया है। जब भी सस्ते सोने की बात होती है तो आमतौर पर लोगों के मन में पहला नाम दुबई का आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे सस्ता सोना दुबई में नहीं बल्कि भूटान में मिलता है? यह सुनकर आपको आश्चर्य हो सकता है, लेकिन यह सच है। अगर आप विदेश से सोना लाने की सोच रहे हैं, तो यह जानना जरूरी है कि भूटान से भारत में अधिकतम कितना सोना ला सकते हैं और इसके नियम क्या हैं। इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति तय सीमा से ज्यादा सोना लाता है तो उसे किन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

गुजरात में कांग्रेस की सियासी परीक्षा

64 साल बाद अहमदाबाद में होगा अधिवेशन

अहमदाबाद, एजेंसी।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8 और 9 अप्रैल 2025 को अहमदाबाद में आयोजित होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने की कोशिश करेगी। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित किया जाएगा। बीते एक दशक में भाजपा ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन करना महज संयोग नहीं माना जा रहा। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा, आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर होती जा रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए भी एक शुरुआती कदम है। कांग्रेस पिछले कई चुनावों में गुजरात में खराब प्रदर्शन से जूझ रही है। हाल के नगर निगम चुनावों में भी उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में यह सत्र पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और संगठन को मजबूत करने का प्रयास होगा। इस सत्र में देशभर से करीब 3,000 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस इस सत्र के जरिए अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस हासिल कर पाएगी या यह केवल प्रतीकात्मक राजनीति बनकर रह जाएगा।

उत्तर रेलवे की रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि

भेदी नजर। उत्तर रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ष नई रेल सेवाऐं शुरू की गई, मौजूदा सेवाओं की यात्री वहन क्षमता में वृद्धि की गई,जो यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार पर उत्तर रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्तर रेलवे के नेटवर्क में कुल सात नई ट्रेनें, (दो वंदे भारत और पांच एक्सप्रेस ट्रेनें) शामिल की गईं। अधिक गंतव्यों को कवर करने के लिए छह ट्रेनों (चार एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनें) को यात्रा विस्तार भी दिया गया। तीन रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई। जिससे यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प मिलने से लाभ हुआ। वंदे भारत ट्रेनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, वंदे भारत ट्रेनों के चार सेटों की यात्री क्षमता 16 डिब्बों से बढ़ाकर 20 डिब्बों तक कर दी गई, जबकि एक सेट की क्षमता 8 डिब्बों से बढ़ाकर 16 डिब्बों तक कर दी गई। विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन में तेजी से वृद्धि हुई। उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर कुल 13,658 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जो पिछले वर्ष की 4,487 रेलगाड़ियों की तुलना में काफी अधिक है। इनमें ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश, होली, दिवाली व छठ-पूजा इत्यादि पर्वों के दौरान चलाई गई रेलगाड़ियां शामिल हैं। विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि से यात्रियों के आवागमन में सुधार हुआ, जिसमें शरदकालीन अवकाश विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं में 50.18त्न और होली स्पेशल रेलगाड़ियों की सेवाओं में 46.29त्न की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

तीर्थयात्रियों की मांगों को पूरा करते हुए उत्तर रेलवे ने महाकुंभ के लिए- श्रद्धालुओं के परिवहन को कुशलतापूर्वक संभाला, इसी क्रम में उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर (01.01.2025 से 06.03.2025 तक) विभिन्न क्षेत्रों से प्रयाग क्षेत्र तक कुल 2,433 महाकुंभ विशेष ट्रेनें चलाई गईं। इसके अलावा, 142 भारत गौरव ट्रेनें चलाई गईं, जो सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन के विकास में उत्तर रेलवे के योगदान को दर्शाती हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि कोच बढ़ाने की पहल के परिणामस्वरूप उत्तर रेलवे के स्वामित्व वाली 25 जोड़ी ट्रेनों में 64 कोच जोड़े गए, जिससे वर्ष 2024-25 के दौरान 9662 अतिरिक्त फेरे लगाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 316त्न अधिक है। आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) रेक को एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) रेक में बदलने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें बेहतर सुरक्षा और आराम के लिए 9 जोड़ी ट्रेनों को अपग्रेड किया गया। रेक का मानकीकरण एक अन्य प्राथमिकता वाला क्षेत्र था, जिसमें उत्तर रेलवे की 37 जोड़ी रेलगाड़ियों को मानकीकृत किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 147त्न अधिक है। इसके अलावा, 41 जोड़ी ट्रेनों में 88 सामान्य श्रेणी के कोच जोड़े गए, जिससे अनारक्षित श्रेणियों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा हुई।

उत्तर रेलवे ने दर्ज की राजस्व अर्जन में रिकॉर्ड वृद्धि

उत्तर रेलवे ने 23,719.41 करोड़ रुपये का कुल मूल राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.05% अधिक

भेदी नजर। उत्तर रेलवे ने यात्री सुविधा और प्रौद्योगिकी उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए राजस्व सृजन के सभी क्षेत्रों में रिकॉर्ड वृद्धि हासिल करके वित वर्ष 2024-25 को अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अध्याय के रूप में दर्ज किया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि बेहतर समन्वय का प्रदर्शन करते हुए, उत्तर रेलवे ने 23,719.41 करोड़ रुपये का कुल मूल राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.05% अधिक है। यह उपलब्धि यात्री सेवाओं, माल ढुलाई और परिचालन दक्षता में नए रिकॉर्ड स्थापित करने की दिशा में किए गए प्रभावशाली प्रदर्शन से संभव हो पायी । महाप्रबंधक ने बताया कि यात्री राजस्व से 12,850.38 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.03% अधिक है। 55.67 मिलियन टन माल की ऐतिहासिक लोडिंग के चलते, माल लदान से होने वाला राजस्व पिछले वर्ष से 16.13% बढ़कर 7,757.49 करोड़ रुपये हो गया ।

पारंपरिक राजस्व अर्जन उपायों से अलग, उत्तर रेलवे ने गैर-किराया राजस्व (Non-Fare Revenue) के माध्यम से नए अवसरों को खोला है। वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर रेलवे ने पार्किंग से 64.44 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 39%अधिक है, जबकि खानपान से राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 10.73% बढ़कर 419.54 करोड़ रुपये हो गया। रेलवे ने आधुनिक वाणिज्यिक रणनीतियों को भी अपनाया, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नामकरण अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान किए, हरिद्वार और शाहजहांपुर स्टेशनों पर भारत की पहली ईवी चार्जिंग और पार्किंग सुविधाएं शुरू कीं, और यात्रियों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रमुख केंद्रों पर मेडिकल आउटलेट और पार्सल सेवाएं स्थापित कीं।

रेल यात्रियों की सेवा के लिए समर्पित, उत्तर रेलवे ने महाकुंभ मेला 2025 के लिए विशेष पहल शुरू की, जिसके तहत लखनऊ मंडल में तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर खानपान और भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था की गई। डिजिटलीकरण एक गेम चेंजर के रूप में अस्तित्व में आया, काउंटरों पर क्यूआर कोड, 117 एटीवीएम कियोस्क बनाए गए, जिससे टिकट लेना आसान हो गया।

हरियाणा में बिजली महंगी हुई, नई दरें जारी की गई

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने 2025-26 के लिए नयी बिजली दरों की घोषणा की है जिसके तहत घरेलू और औद्योगिक श्रेणियों के लिए शुल्क में पिछले वर्ष की तुलना में 20 से 30 पैसे प्रति किलोवाट/केवीएएच तक की बढ़ोतरी की गई है। एचईआरसी का आदेश मंगलवार देर रात जारी किया गया। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एचईआरसी ने बिजली की दर में 20 पैसे प्रति किलोवाट की बढ़ोतरी की है। शून्य से 50 यूनिट के स्लैब में दर दो रुपये प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 2.20 रुपये कर दी गई है।

इसी तरह, 51-100 यूनिट स्लैब में भी दर 2.50 रुपये प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 2.70 रुपये की गई है। प्रति माह 100 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं को शून्य से 150 यूनिट के स्लैब में अब 2.75 के बजाय 2.95 रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से भुगतान करना होगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में श्रेणी-एक के लिए शुल्क 2.70 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर दो रुपये (0-50 यूनिट प्रति माह) कर दिया गया था और 51 से 100 यूनिट स्लैब में शुल्क 4.50 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 2.50 रुपये किया गया था, जिन्हें अब नवीनतम आदेश में 2.20 रुपये और 2.70 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है।

बयान में कहा गया, ''इसके अलावा, बिजली दरों का यह नया ढांचा न्यूनतम मासिक शुल्क (एमएमसी) के बोझ को खत्म करके लोगों को तत्काल राहत प्रदान करता है। हालांकि, दो तरह की शुल्क व्यवस्था शुरू की गई है, जिसमें 300 यूनिट तक मासिक बिजली खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं पर कोई निर्धारित शुल्क नहीं लगाया जाएगा।'' आधिकारिक बयान में कहा गया, ''श्रेणी-एक के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए शुल्क अभी भी पड़ोसी राज्यों की तुलना में सबसे कम है।'' इस बीच, 151-300 यूनिट के स्लैब के लिए दर 5.25 रुपये, 301 से 500 यूनिट तक के लिए 6.45 रुपये और 500 यूनिट से अधिक की खपत के लिए 7.10 रुपये प्रति किलोवाट होगी।एचईआरसी ने पांच किलोवाट से अधिक लोड वाले उपभोक्ताओं के लिए एक नयी श्रेणी भी बनाई है। शून्य से 500 यूनिट स्लैब के लिए दर 6.50 रुपये, 501 से 1,000 यूनिट के लिए 7.15 रुपये और 1,000 यूनिट से अधिक के लिए 7.50 रुपये प्रति किलोवाट होगी।

इसके अलावा, 301 से 500 तथा 500 यूनिट से अधिक स्लैब में 50 रुपये प्रति किलोवाट का निर्धारित शुल्क लगाया गया है। औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए, 11 केवीएएच आपूर्ति श्रेणी में दर 6.65 रुपये प्रति केवीएएच (किलोवोल्ट-एम्पीयर घंटा) से बढाकर 6.95 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, इस श्रेणी में निर्धारित शुल्क 165 रुपये प्रति केवीए (किलोवोल्ट एम्पीयर) प्रति माह से बढ़ाकर 290 रुपये कर दिया गया है। किसानों को राहत देने के लिए मीटर शन वाली कृषि श्रेणी के शुल्क में कमी की गई है। लोड के अनुसार, न्यूनतम मासिक शुल्क प्रति बीएचपी सालाना 200 रुपये प्रति केवीए से घटाकर 180/144 रुपये कर दिया गया है। मशरूम कम्पोस्ट और स्पॉन, अत्याधुनिक हाइड्रोपोनिक्स, एरोपोनिक्स और शीत भंडारण जैसे उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि उद्योग/एफपीओ के वास्ते 20 किलोवाट से ऊपर का एक नया स्लैब बनाया गया है जिसके लिए शुल्क 6.50 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है। अभी 20 किलोवाट से अधिक लोड वाले एफपीओ का बिल एलटी आपूर्ति श्रेणी के शुल्क के अनुसार दिया जा रहा था।

यूनुस की टिप्पणियों को बताया ''भड़काऊ तथा ''शर्मनाक

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर की गई हालिया टिप्पणियों पर मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इन्हें ''शर्मनाक तथा ''भड़काऊ करार दिया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की। यूनुस इस क्लिप में यह कहते दिखाई देते हैं कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का एकमात्र संरक्षक है क्योंकि भारत के पूर्वोत्तर राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे हैं और उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे ''बड़ी संभावनाएं खुलेंगी और चीन को बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाना चाहिए। यूनुस ने ये टिप्पणियां कथित तौर पर चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान कीं। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को कहा कि यह एक ''बहुत गंभीर मुद्दा है और यह राष्ट्र की ''सुरक्षा से संबंधित है। उन्होंने संसद भवन परिसर में पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, ''यह बहुत शर्मनाक टिप्पणी है...वह चीन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए हमारे देश के क्षेत्रों का उल्लेख कर रहे हैं। मुझे लगता है कि भारत को इस पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। यह देश की सुरक्षा को खतरे में डालता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यूनुस की टिप्पणी को ''आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय बताया तथा 'चिकन्स नेक को दरकिनार करते हुए पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्गों की खोज को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। शर्मा ने 'एक्स पर लिखा, ''बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस द्वारा दिया गया बयान, तथाकथित अंतरिम सरकार द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सात बहन राज्यों को जमीन से घिरा बताने और बांग्लादेश को उनकी समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया जाना आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय है।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध में सांसद ने रिकॉर्ड तोड़ 24 घंटे 20 मिनट तक दिया भाषण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सांसद कोरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यू जर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 24 घंटे और 20 मिनट तक लगातार बोलकर 1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड द्वारा स्थापित पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने उस समय सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था।बुकर ने सोमवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं आज रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है। कोरी बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से एक फिलिबस्टर नहीं था, यानी यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ एक व्यापक विरोध था। बुकर ने अपने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले 71 दिनों में, संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति ने अमेरिकियों पर इतना नुकसान पहुंचाया है कि ये सामान्य समय नहीं हैं, और इन्हें सीनेट में सामान्य रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा ख़बरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स
सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा
से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा